फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373515 वर्षः 75 संख्याः 282 प्रभात जयपुर, गुरुवार 15 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

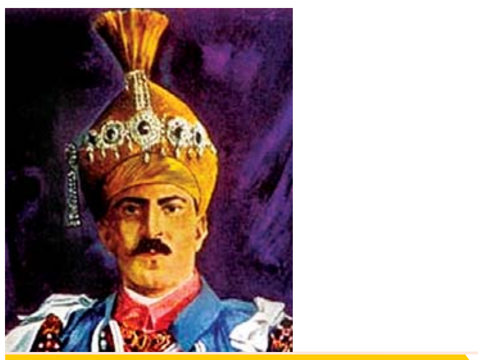

Operation Polo: Story of Hyderabad

The idea of Hyderabad arming itself aided by Pakistan did not go down well with the Indian Government. Sardar Patel described the idea of an independent Hyderabad as 'an ulcer in the heart of India which needed to be removed surgically.'

Wake Up, Naturally!

'बलूचिस्तान ने अपने आप को पाकिस्तान से अलग देश घोषित किया

बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलोच ने एक्स पर यह घोषणा करते हुए विश्व से अपील की कि अब ''शांत'' रहने का समय नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। बलूच प्रतिनिधि मीर यार बलोच ने बलुचिस्तान को पाकिस्तान से स्वतंत्र घोषित कर दिया है, उन्होंने इस घोषणा का कारण क्षेत्र में दशकों से जारी भारी हिंसा, जबरदस्ती लोगों को उठा ले जाने और मानवाधिकार हनन को बताया।

उन्होंने कहा, ''तुम मारोगे, हम निकलेंगे। हम नस्ल बचाने निकले हैं। आओ, हमारा साथ दो। पाकिस्तान अधिकृत बलूचिस्तान के बलोच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और अब दुनिया सिर्फ मूक दर्शक नहीं बनी रह सकती।''

भारतीय नागरिकों, खासकर मीडिया, यूट्यूबर्स और बुद्धिजीवियों से उन्होंने अनुरोध किया कि वे बलूचों को ''पाकिस्तान के अपने लोग'' कहना बंद करें।

उन्होंने कहा, ''बलूच नैरेटिव!!प्रिय भारतीय राष्ट्रवादी मीडिया, यू ट्यूब साथी और भारत के बचाव में लगे बुद्धिजीवियों से अनुरोध है कि बलूचों को ''पाकिस्तान के अपने लोग'' न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं, हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के असली अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी भी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा।''

- **हालांकि, पाकिस्तान से अलग देश होने के बलूच निवासियों के इस प्रयास को पूर्ण सफलता मिलना कोई आसान काम नहीं है, पर, मीर यार बलोच की विश्व से अपील काफी मार्मिक है।**
- **स्वतंत्र होने की इस घोषणा के साथ, एक डॉक्यूमैंट्री फिल्म भी रिलीज़ की, जो ''बलूचिस्तान'' के निवासियों के मुंह जुबानी बयानों पर आधारित है।**
- **डॉक्यूमैंट्री के अनुसार, दशकों से, ''बलूचिस्तान'' विश्व की दृष्टि से ओझल सा रहा है। हालांकि, ''बलूचिस्तान'' में प्राकृतिक संपदा तथा बेशकीमती खनिजों का भंडार है, पर, फिर भी यह क्षेत्र सदा पाकिस्तान के शासकों के रडार पर नहीं आ पाया। अब तक इस अवहेलना के कारण, स्वायत्तता व पहचान के लिये संघर्ष करता रहा है।**

मीर यार बलोच ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का पूरा समर्थन भी किया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर उस क्षेत्र को खाली करने का दबाव बनाने की अपील की।

इसी बीच, एक नई डॉक्यूमेंट्री ''बलूचिस्तानः द लॉन्ग रोड टू रैज़िस्टैंस'' भी ध्यान आकर्षित कर रही है। यह फिल्म बलूच नागरिकों के वास्तविक अनुभवों को गहराई से दिखाती है, जिनकी आवाजें लंबे समय से दमन के कारण खामोश थीं।

बलूचिस्तान, जो पाकिस्तान का सबसे बड़ा और सबसे उपेक्षित प्रांत है, दशकों से अंतर्राष्ट्रीय ध्यान से वंचित रहा है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद, यह क्षेत्र गरीबी से त्रस्त है और लंबे समय से स्वतंत्रता और पहचान की लड़ाई लड़ रहा है।

जबरन गायब कर देना, हिरासत में यातना, ग़ैर-न्यायिक हत्याएं और मीडिया पर सेंसरशिप- बलूच लोगों ने इन सबका सामना किया है। इनमें से कई घटनाएं तो सामने भी नहीं आई हैं। पीड़ितों, गुमशुदा लोगों के परिवारों और कार्यकर्ताओं की गवाही इस संगठित दमन की डरावनी सच्चाई को उजागर करती है।

यह फिल्म भारत की ओर से ''ऑपरेशन सिंदूर'' (पहलगाम नरसंहार के जवाब में की गई कार्रवाई) के बाद रिलीज़ हुई है। यह याद दिलाती है कि जब दुनिया की सुर्खियाँ सीमा पार आतंक पर केन्द्रित होती हैं, तब पाकिस्तान की अपनी सीमाओं के भीतर एक मौन युद्ध जारी रहता है।

बलूच नेता की इस घोषणा ने पाकिस्तान के सामने एक नया रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है, जो पहले से ही कई मोर्चों पर जूझ रहा है। आज की यह घोषणा भारत को एक राजनयिक हथियार देती है, जिससे पाकिस्तान को बैकफुट पर लाया जा सकता है।

हालांकि बलूच लोगों के लिए पाकिस्तान से स्वतंत्रता प्राप्त करना आसान नहीं होगा, फिर भी यह घटनाक्रम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग को बंधक बनाकर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्तों को आजीवन कारावास

जयपुर, 14 मई। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-2 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को होटल में बंधक बनाकर कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मोनू उर्फ मोईन खान और श्रवण सिंह को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी राजवीर सिंह ने दोनों अभियुक्तों पर कुल 1.04 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अरुण कुमार जाटावत और पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता कुणाल शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 15 अगस्त, 2023 को जालूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी अपने पिता से किसी बात पर अनबन हो गई थी। यह बात उसकी बहन को पता चलने पर वह उसे जयपुर ले आई और होटल में दो दिन साथ रहे। इस दौरान, उसकी बहन ने मोनू से, अपना धर्म का भाई बताकर, मिलाया। इसके बाद उसकी बहन उसे वहां यह कहकर छोड़ गई कि मोनू उसका ध्यान रखेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि बहन के जाते ही मोनू ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बंधक बना लिया। अभियुक्त मोनू रोज रात को आता और उसके साथ दुष्कर्म करता।

- **पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 15 अगस्त 2023 को दर्ज मामले में फैसला सुनाया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बुधवार को कांग्रेस ने सीडब्ल्युसी की बैठक आयोजित की

बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर प्र.मंत्री मोदी से पूछा कि वे इतने चुप और शांत क्यों हैं?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। क्या भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी की स्थिति अयुक्तियुक्त (अनटैनेबल) हो रही है?

यह प्रश्न संघ परिवार के अंदर विभिन्न स्तरों पर पूछा जा रहा है, लेकिन इससे भी ज्यादा रोचक तथ्य यह है कि यह सवाल दिल्ली में स्थित विदेश राजनयिकों के बीच भी सुनाई दे रहा है, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद के परिप्रेक्ष्य में आमतौर से मोदी जी के भविष्य के बारे में चिंतन करते रहते हैं।

आरएसएस यह प्रश्न कर रही है कि आखिर मोदी अपने अपमान पर चुप क्यों हैं, जबकि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मोदी के खिलाफ बयान दिये हैं तथा डंके की चोट पर यह सिद्ध करने की कोशिश की है कि नरेन्द्र मोदी अमेरिका के दबाव के आगे झुक गये और युद्धविराम के लिये सहमत हो गये, जबकि सैन्य स्थिति भारत के लिये बहुत अच्छी थी तथा देश युद्ध में विजय के नज़दीक था।

कांग्रेस ने आज शाम कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडबल्यूसी) की एक और मीटिंग बुलाई तथा उसमें एक प्रस्ताव पारित कर मोदी से पूछा है कि वे खामोश क्यों हैं तथा कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस ने पूछा है कि पहलगाम के आतंकियों का क्या हुआ, वे कहाँ हैं? कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री को एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये तथा सबको जानकारी देनी चाहिये। ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछली दो मीटिंगों में उपस्थित नहीं हुये हैं। कांग्रेस यह भी कह रही है कि सरकार, भारत और पाकिस्तान को बराबर के स्तर पर रखे जाने पर आपत्ति नहीं जता रही है। कांग्रेस ने यह जानना चाहा है कि क्या यह स्थिति (दोनों देशों को बराबर के स्तर पर रखा जाना) मोदी जी को स्वीकार्य है?

- **सर्वदलीय बैठक बुलाकर विपक्ष से ''शेयर'' क्यों नहीं करते, पहलगाम की घटना का विवरण और उसके बाद का घटनाक्रम।**
- **जैसा कि विदित ही है, 25 मई को प्र.मंत्री मोदी ने एनडीए के मु.मंत्रियों की एक बैठक बुलाई है। अतः सीडब्ल्युसी की बैठक के प्रस्ताव के जरिए विपक्ष यह सवाल उठा रहा है कि एनडीए के मु.मंत्रियों की बैठक के लिये तो प्र.मंत्री के पास समय है, पर, सर्वदलीय बैठक के लिये क्यों नहीं?**
- **कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने सीडब्ल्युसी की बैठक के बाद टिप्पणी की कि नड्डा जीवनपर्यंत भाजपा अध्यक्ष नहीं रह सकते, अतः उनके स्थान पर नया अध्यक्ष बनने के बाद, प्र.मंत्री मोदी का क्या होगा?**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर के मार्बल व्यापारियों ने तुर्की से व्यापारिक संबंध समाप्त किये

व्यापारियों में गहरा आक्रोश है कि तुर्की आतंकवाद का समर्थन करने वाले पाकिस्तान का साथ दे रहा है

उदयपुर, 14 मई (कासं)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने पर उदयपुर के मार्बल व्यापारियों ने राष्ट्र हित में तुर्किये के साथ सभी व्यापारिक संबंध समाप्त करने की घोषणा की है।

उदयपुर मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज गंगावत ने बताया कि हालांकि तुर्किये के साथ उनके पुराने और अच्छे व्यापारिक संबंध रहे हैं और बड़ी मात्रा में ग्रेनाइट मार्बल का आयात किया जाता रहा है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह व्यापार जारी नहीं रखा जा सकता। व्यापारियों का स्पष्ट कहना है कि 'दुश्मन का दोस्त भी दुश्मन होता है' और उनके लिए व्यापारिक हितों से पहले देश का हित महत्वपूर्ण है। व्यापारी समुदाय में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि तुर्किये भारत के खिलाफ आतंकवाद को समर्थन देने वाले पाकिस्तान का साथ दे रहा है। गंगावत ने बताया कि तुर्किये से हमारे व्यापारिक रिश्ते अच्छे रहे हैं, जिस कारण काफी मार्बल व्यापारी तुर्किये से ग्रेनाइट मार्बल का आयात करते हैं। तुर्की इसको नजरअंदाज करते हुए हमारे दुश्मन देश पाकिस्तान को सहयोग कर रहा है। इससे हमारे मार्बल व्यापारियों में बहुत ही आक्रोश है।

गंगावत बताते है कि तुर्किये से हर साल बड़ी तादाद में ग्रेनाइट मार्बल आयात किया जाता है, जो कि वर्तमान स्थिति में राष्ट्रीयता के खिलाफ है। गंगावत ने तो सरकार से कहा कि तुर्किये के साथ मार्बल व्यापार को पूरे देश में प्रतिबंधित करें। व्यापारिक प्रतिबंध के साथ ही पर्यटन को भी बंद किया जाए। उन्होंने बताया कि मेवाड़ में उदयपुर मार्बल व्यवसाय का बडा हब हैं और यहां तुर्किये से हजारों टन मार्बल आयात किया जाता है, ऐसे में उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के सदस्यों ने बड़ा निर्णय लेते हुए तुर्किये से मार्बल आयात करने का बहिष्कार शुरू किया है।

उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के अध्यक्ष कपिल सुराणा कहते है कि हमने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर तुर्किये से सभी व्यापारिक रिश्ते तोड़ने की मांग की हैं। वे बताते है कि फिलहाल पूरे देश में जितना मार्बल आयात किया जाता है, उसका 70 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ तुर्किये से आयात

- **मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कहा कि तुर्की से हर साल बड़ी तादाद में ग्रेनाइट व मार्बल का आयात किया जाता है। उन्होंने कहा, उनके लिये व्यापारिक हित से पहले देश हित है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिना विभागीय जाँच के कर्मचारी को बर्खास्त नहीं कर सकते

जयपुर, 14 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना विभागीय जांच के, केवल एफआईआर के आधार पर कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता कांस्टेबल को बिना जांच ही सेवा से बर्खास्त करने वाले पुलिस विभाग के आदेश को मनमाना व अवैध करार देते हुए उसे सभी सेवा परिलाभ सहित सेवा में बहाल करने का आदेश दिया है। अदालत ने अपीलेट अथॉरिटी के आदेश को भी रद्द करते हुए कहा कि वह अपील में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने में फेल रहा है।

- **हाई कोर्ट ने केवल एफआईआर के आधार पर सेवा से बर्खास्त करने को अवैध करार दिया तथा सभी सेवा परिलाभ के साथ बहाल करने का आदेश दिया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन-बाँग्लादेश धुरी उभर रही है नॉर्थ-ईस्ट में

चीन ने अरुणाचल के कई स्थानों को नया नाम देना शुरु किया तथा इस क्षेत्र को ''दक्षिण तिब्बत'' बताया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। युद्धविराम -विवाद, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच शांतिदूत बनने के अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावे ने नया विवाद खड़ा कर दिया है, के बीच, चीन और बाँग्लादेश भारत के पूर्व के सीमावर्ती राज्यों में परेशानी खड़ी करते प्रतीत हो रहे हैं।

बताया जाता है कि चीन ने अरुणाचल के बहुत से स्थानों के नये नाम रख दिये हैं। भारत ने चीन की इस गतिविधि को ''निरर्थक एवं हास्यास्पद'' करार दिया है, जिससे सम्बंधित क्षेत्र के भारत का अभिन्न हिस्सा होने की स्थिति (स्टेटस) बदलने वाली नहीं है।

चीन ने दावा किया कि अरुणाचल ''दक्षिणी तिब्बत'' है। उसने हाल ही में भारतीय राज्य अरुणाचल के विभिन्न स्थानों के नामों की एक सूची जारी की है। इसकी प्रतिक्रिया में, भारत के विदेश मंत्रालय ने आज एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि ''इन स्थानों को नये नाम देने से यह अकाट्य वास्तविकता, जो संदेह से परे है, नहीं बदलेगी कि अरुणाचल भारत का अभिन्न एवं अहस्तान्तरणीय हिस्सा था, है और सदैव रहेगा।

दूसरी ओर, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अन्तरिम बाँग्लादेश सरकार ने एक बार फिर बेसुरा राग अलापते हुये, एक व्यापक आर्थिक एकीकरण योजना प्रस्तावित की है, जिसमें बाँग्लादेश, नेपाल, भूटान तथा भारत के सात उत्तर -पूर्वी राज्य सम्मिलित किये गये हैं। गौरतलब बात यह है कि यूनुस ने इसमें भारत का जिक्र न करते हुये, केवल पूर्वोत्तर राज्यों का ही उल्लेख किया है। कुछ दिन पहले, अपनी चीन यात्रा के दौरान, यूनुस ने बाँग्लादेश को उत्पादन, लॉजिस्टिक्स तथा व्यापार के क्षेत्र में चीन के प्रमुख क्षेत्रीय पार्टनर के रुप में प्रस्तुत कर दिया था, तथा भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों को ''लैन्डलॉक्ड'' (जमीन से घिरे हुये) करार दिया था। बाँग्लादेश में चीन को अत्यधिक निवेश के लिये आमंत्रित करते हुये, यूनुस ने अपने देश को ''महासागर का एकमात्र अभिभावक'' बताया था। इस पृष्ठभूमि में देखने पर, यूनुस का ताजा प्रस्ताव भारत के लिहाज से टकराव का संकेतक लगता है।

नोबल पुरस्कार प्राप्त मोहम्मद यूनुस ने ये टिप्पणियाँ नेपाल के ''हाउस ऑफ रिप्रजेन्टेटिव्स'' के डिप्टी स्पीकर के साथ हुई अपनी मीटिंग में कीं, जो इस समय बाँग्लादेश की यात्रा पर आये हुये हैं। यूनुस ने हाइड्रोपावर, हैल्थकेयर तथा ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सीमा-पार के सहयोग (क्रॉस बॉर्डर कॉलेबरेशन) को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सैक्टर से सम्बंधित सामान संयुक्त रुप से बाँग्लादेश में निर्मित किया जाये तथा चीन को बेच दिया जाये।

अर्थशास्त्री तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य, संजीव सान्याल ने यूनुस द्वारा चीन से की गई इस आर्थिक अपील में भारत के

- **दूसरी ओर बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस ने भी बाँग्लादेश, नेपाल, भूटान तथा नॉर्थ ईस्ट के सात राज्यों के लिये ''इकोनॉमिक प्लान'' का प्रस्ताव रखा है।**
- **पिछले दिनों, युनूस ने चीन यात्रा के दौरान टिप्पणी की थी कि नॉर्थ ईस्ट, ''लैण्ड लॉक्ड'' है तथा समुद्र तक पहुँचने का इस राज्य के पास कोई रास्ता नहीं है। अतः इस क्षेत्र के लोगों को आपस में मिलकर, माल बनाना चाहिये जो चीन को बेचा जायेगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान रेंजर्स ने बीएसएफ जवान को छोड़ा

नयी दिल्ली, 14 मई। पाकिस्तान रेंजर्स ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है।

शॉ 20 दिन से पाकिस्तान रेंजर्स के कब्जे में थे। बीएसएफ ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, आज सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल पूर्णम कुमार शॉ को अटारी-वाघा सीमा पर बीएसएफ द्वारा पाकिस्तान से वापस लाया गया। विज्ञप्ति के अनुसार, शॉ 23 अप्रैल 2025 को लगभग 11.50 बजे फिरोजपुर सेक्टर में ऑपरेशनल ड्यूटी पर रहते हुए अनजाने में पाकिस्तान की सीमा में चले गए थे और उन्हें पाक रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पाकिस्तान रेंजर्स के

- **सीमा सुरक्षा बल का जवान पूर्णम कुमार शॉ गत 23 अप्रैल को गलती से पाकिस्तान सीमा में चला गया था।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अनिता आनन्द के कैनडा का विदेश मंत्री बनने से बहुत आशाएं जगी हैं

खासतौर पर भारत और कैनडा के तनावग्रस्त रिश्तों में सुधार की संभावनाएं देखी जा रही हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मई। कैनडा की नई विदेश मंत्री के रूप में अनिता आनंद की नियुक्ति देश की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देती है - विशेष रूप से भारत के साथ बेहद तनावपूर्ण संबंधों की पृष्ठभूमि में। आनंद, जो कि दूसरी पीढ़ी की भारतीय मूल की कैनडा नागरिक हैं, ने भगवद् गीता पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। यह प्रतीकात्मक इशारा एक शक्तिशाली संदेश देता हैः कैनडा की यह शीर्ष राजनयिक कैनडा और भारत, दोनों पहचानों से गहराई से जुड़ी हुई हैं।

यह दोहरी विरासत उऐसे समय में एक राजनयिक सेतु के रूप में कार्य कर सकती है, जब दोनों देशों को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

सन् 2023 में कैनडा-भारत संबंध उस समय सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे, जब ट्रूडो सरकार ने भारतीय एजेंसियों पर, कैनडा के सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के गंभीर आरोप लगाए। इसके परिणाम तुरंत सामने आएः राजनयिक निष्कासन, व्यापार वार्ताओं का ठप्प होना और वीज़ा सेवाओं पर रोक। कई महीनों तक संवाद बंद रहा और गतिरोध बना रहा।

अनिता आनंद का विदेश मंत्री बनना ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देशों को राजनयिक संबंधों में सुधार से लाभ मिल सकता है। आनंद की भारतीय विरासत केवल प्रतीकात्मक नहीं है, यह पहचान उन्हें भारत की वैश्विक स्थिति के पीछे की सांस्कृतिक और राजनीतिक संवेदनाओं की स्वाभाविक समझ देती है। साथ ही, इस पहचान के कारण, प्रवासी समुदाय में उग्रवाद जैसे मुद्दों पर शांति से बातचीत करने के लिए उन्हें एक अनूठी मिली है। यह मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा अवरोध रहा है।

कैनडा की पूर्व लिबरल सरकार के कुछ नेताओं के विपरीत, जिन्हें भारत में खालिस्तानी विचारधारा के प्रति सहानुभूति रखने वाला माना जाता था, आनंद ने अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। सन् 2021 से 2023 तक रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकुशलता के लिए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने कैनडा की नाटो प्रतिबद्धताओं का सफल प्रबंधन किया और राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में गहरी भागीदारी निभाई, ये सभी बातें उन्हें भारतीय नीति निर्माताओं की नजरों में विश्वसनीय बनाती हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आनंद कैनडा में 14 लाख की, भारतीय प्रवासी आबादी के राजनीतिक महत्व को भी समझती हैं। उनका दृष्टिकोण संतुलन पर आधारित रहने की संभावना हैः एक ओर कैनडा के कानूनों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना और दूसरी ओर यह सुनिश्चित करना कि इनका उपयोग

- **अनिता आनन्द ने गीता पर हाथ रखकर अपने पद की शपथ ली और अपने भारतीय मूल पुरजोर तरीके से प्रस्तुत किया**
- **पर, कैनडा-भारत रिश्ते, जो पिछली ट्रूडो सरकार के ''खालिस्तानी समर्थक'' रूख के कारण काफी कटू हो गये थे और विशेषकर, हरदीप सिंह निज्झर की हत्या के बाद कटुता काफी बढ़ी थी, क्या, अब रिश्ते सामान्य होंगे।**
- **यह भी सच है कि चौदह लाख भारतीय मूल के कैनडा वासियों में काफी मतभेद हैं, खालिस्तानियों की गतिविधियों के कारण। यह मतभेद अचानक खत्म नहीं हो जायेंगे, अनिता आनन्द के आने से, पर, रिश्तों में तनाव काफी कम हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा, नई सरकार में अनिता आनन्द को कितना लचीलापन मिलता है, दोनों की सोच व विचारों में कुछ सामंजस्य बिठाने के लिये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व आईएएस संधू की ओर से बहस

जयपुर, 14 मई। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को एकल पट्टा प्रकरण को लेकर सुनवाई हुई। पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से मामले में अपना पक्ष रखा गया। वहीं, अदालत ने मामले में गुरुवार को सुनवाई जारी रखना तय किया है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने ये आदेश पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की ओर से दायर सात आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, संधू की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने पक्ष रखा।

- **संधु की ओर से दलील दी गई कि एकल पट्टा निरस्त होने के बाद एसीबी में शिकायत की गई, जबकि कोई अपराध नहीं बनता है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

जाति जनगणना से इतना क्या डरना

भारत के लिए जाति कोई नई बात नहीं।भारतीय समाज जाति विहीन समाज कभी नहीं रहा। पहले इसे वर्ण व्यवस्था के रूप में जाना गया और कालांतर में यह जन्म से जुड़ गई। जो कुम्हार, खाती, नाई के घर पैदा हुआ सो ता जिंदगी कुम्हार, खाती, नाई चाहे उसे कुम्हारी, खाती, नाईगिरी का काम उसकी रुचि का हो या न हो, आए या न आए। जो ब्राह्मण के घर पैदा हुआ सो ब्राह्मण चाहे उसे शास्त्रों का कक्का भी न आए। सैद्धांतिक तौर पर यह पढाया जाता रहा है कि कर्म से वर्ण परिवर्तन सम्भव था किंतु हमारे देश में, शायद वास्तविकता में यह कभी सम्भव नहीं था।

ब्रिटिश सरकार नें विभिन्न कारणों से और मुख्यत: भारतीय समाज के गहरे बिखराव-असमानता-जाती के आधार पर भेदभाव-छुआछूत आदि को उभार कर समाज को ओर विभाजित करने के लिए जाती जनगणना को हथियार बनाया। बहुत से शासक, समाज को विभिन्न मुद्दों पर बंट कर राज करते रहे है और अब भी कर रहे हैं।

ब्रिटिशर्स द्वारा प्रथम बार 1881 में जनगणना करवाई। मुख्य मुख्य जातियों के आंकडे भी इकट्ठे करने का प्रयास किया। 1931 की जनगणना में जाति के आंकडे शामिल थे। कुल जनसंख्या लगभग 27 करोड़ थी। इस जनसंख्या में से, काका कालेलकर आयोग द्वारा चिन्हित जातियों की जनसंख्या, अनुमानत:, 52% बनती थी। तत्समय भी, कुछ संगठनों और राजनीतिक दलों ने, दबे स्वरों में जातीय जनगणना का विरोध किया, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे जातिगत विभाजन बढ़ेगा और सामाजिक तनाव पैदा होगा।

जातीय जनगणना के मुद्दे पर विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों के विचार और रुख समय-समय पर बदलते रहे हैं। कुछ लोगों ने जातीय जनगणना का समर्थन किया, कुछ ने विरोध किया। यह मुद्दा अभी भी बहस का विषय है।

जातीय जनगणना के संबंध में कुछ प्रमुख व्यक्तियों, संगठनों के विचार इस प्रकार रहे है:-

महात्मा गांधी जाति प्रथा के उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के पक्षधर थे। उन्होंने जाति प्रथा को एक सामाजिक बुराई माना और इसके खिलाफ काम किया। वे जातीय जनगणना के पक्ष में थे या नहीं यह स्पष्ट नही। जवाहरलाल नेहरू ने भी जाति प्रथा के उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए काम किया। उन्होंने जाति प्रथा को एक सामाजिक बाधा माना। इसके खिलाफ काम किया।

नेहरू जी ने 1951 की जनगणना में एण,एऊ के अतिरिक्त अन्य जातियों के आंकडे इकट्ठा नहीं करने के निर्णय का समर्थन किया। शायद सरकार को आशा रही होगी कि जातिगत विभाजन धीरे-धीरे स्वत: कम होगा, अधिक समतापूर्ण समाज बन जाएगा किन्तु यह आशा फलीभूत नही हुई।

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने जाति प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ी और दलित समुदाय के अधिकारों के लिए काम किया। उन्होंने जाति प्रथा को एक बड़ी सामाजिक बुराई माना। डॉक्टर अम्बेडकर ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष प्रावधानों की मांग की। उन्होंने जातीय जनगणना को दलित समुदाय की स्थिति को समझने और उनके लिए नीतियां बनाने के लिए महत्वपूर्ण साधन माना। इन तीनों नेताओं के विचारों में समानता थी कि वे जाति प्रथा को एक बड़ी सामाजिक बुराई मानते थे और उसके उन्मूलन और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के पक्षधर थे।

हिंदुत्व व हिन्दू वादी कुछ लोग व संगठन जातीय जनगणना का लगातार विरोध करते रहे है। उनके अनुसार जातीय जनगणना से जातिगत विभाजन बढ़ेगा, सामाजिक ताना बाना टूटेगा, तनाव पैदा होगा। सामाजिक समरसता एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को कम करने के लिए जातीय जनगणना को अनावश्यक मानते थे और अब भी मानते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का रुख काफी समय ढुलमिल व अस्पष्ट रहा किन्तु कुछ समय से कांग्रेस पार्टी ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर अपने रुख को स्पष्ट किया है। अब, वह इसके पक्ष में है। समाजिक न्याय की वकालत करने वाली, समाजवादी, साम्यवादी विचारधाराओं से जुड़ी पार्टियां जातीय जनगणना का समर्थन करती रही हैं और अब भी करती है। बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों में जातीय आंकड़े (सर्वे) इक्कठे करने का राज्य स्तर पर प्रयास किया गया। सँविधान के अनुसार जनगणना हो या जातीय जनगणना करने का अधिकार केंद्र सरकार का।

आजाद भारत में, पिछड़ी जातियों की दयनीय शैक्षणिक व सामाजिक को ध्यान में रखते हुए, उनके हितार्थ सुझाव देने के लिए, 29 जनवरी 1953 को काका कालेलकर आयोग का गठन किया। इसकी रिपोर्ट 1955 में आई थी। इस आयोग को प्रथम पिछडा वर्ग आयोग भी कहा जाता है। प्रसिद्ध गांधीवादी काका कालेलकर इसके अध्यक्ष थे। इस आयोग नें पिछड़ी जातियों की पहचान कर उनकी सूची बनाई। इसमें कुछ जातियों को अति पिछड़ा भी माना। इस के सदस्यों में जाति को पिछड़ेपन से जोड़ने या नौकरियों में इनके लिए स्थान सुनिश्चित करने के मुद्दों पर एक राय नहीं थी। प्रश्न था की क्या केवल जाति से ही पिछड़ापन तय किया जाए? जाति को बैकवार्डनेस का मानदंड मानने के पक्ष में भी कुछ सदस्य थे।

आयोग की रिपोर्ट पर केंद्र सरकार का मोटा-मोटा रुख यह रहा कि पिछड़ी जातियों को चिन्हित करने का कोई वस्तुनिष्ठ मानदंड तय नही किया गया। इसलिए इस आयोग की रिपोर्ट कि अधिकांश सिफारिशें सरकारी फाइलों में दफन रही। आयोग ने पिछड़ी जातियों की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक उन्नति के लिए कुछ सिफारिशें भी दीं।

समय-समय पर, विभिन्न सरकारों यथा बिहार की कर्पूरी ठाकुर व यूपी की राम नरेश यादव सरकार ने नौकरियों में आरक्षण देने की पहल भी की। कालेलकर आयोग के प्रतिवेदन को ध्यान में रख कर ही जनता पार्टी सरकार नें मंडल आयोग का गठन किया। देर से ही सही, मंडल आयोग की सिफारिशों के क्रियावयन की भी धीमी कार्यवाही शुरू हुई। संविधान के अनुच्छेद 16(4) के अनुसार राज्य को किसी भी पिछड़े वर्ग के नागरिकों के लिए नियुक्तियों या पदों में आरक्षण का प्रावधान करने का अधिकार है, जिनका राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। ओबीसी के लिए नौकरियों में आरक्षण के प्रावधान को सार रूप में 1990 तक लागू नही किया गया।

> **हिंदुत्व व हिन्दू वादी कुछ लोग व संगठन जातीय जनगणना का लगातार विरोध करते रहे है। उनके अनुसार जातीय जनगणना से जातिगत विभाजन बढ़ेगा, सामाजिक ताना बाना टूटेगा, तनाव पैदा होगा। सामाजिक समरसता एकता को बढ़ावा देने और जातिगत भेदभाव को कम करने के लिए जातीय जनगणना को अनावश्यक मानते थे और अब भी मानते हैं।**

वर्ष 2011 में केंद्र की ळईं सरकार नें सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से कमजोर जातियों (SEC) का सर्वे जरूर करवाया किन्तु आंकडे सार्वजनिक कर पाती उस से पहले ही UPA सरकार 2014 में सत्ता से बाहर हो गई। 2014 के बाद से लगातार सत्ता में रहने वाली वर्तमानं सरकार नें, विभिन्न राजनीतिक व मिथ्या सैद्धान्तिक बहानों के आधार पर इन्हें सार्वजनिक नहीं किया।

1980-90 तक आरक्षण की स्थिति? आजादी के समय ध्ँ की आबादी मुख्य रूप से गांवों में रहती थी। भारत की स्वतंत्रता के समय गांवों में शिक्षा व्यवस्था कैसी थी यह सर्वविदित है। 1980-85 से पहले सरकारी नौकरियों में OBC का प्रतिनिधित्व नगण्य था। जो था वह भी अधिकांशत: चपरासी, लिपिक, अध्यापक, समकक्ष अन्य श्रेणियों तक ही सीमित था। बड़े पदों पर तो केवल गिने-चुने आर्थिक रूप से सक्षम घरों के इक्के-दुक्के लोग ही आ पाते थे। 1990 तक के आंकडों के विश्लेषण से यह स्वत: सिद्ध है। इसका दूसरा पहलू यह है कि 1985-90 से पूर्व शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े ओबीसी के युवक बड़े पदों के लिए उपयुक्त योग्यता ही नही पा सके थे। लगभग 65-70% ऊंचे पदों वाली नौकरियों पर सवर्ण वर्ग के लोगों का ही बोलबाला था।

1990 में मंडल सिफारिशों को लागू करने की मांग जोरों से उठने लगी। नौकरियों में आरक्षण के कारण सवर्ण वर्गों के लोगों को नौकरियों में अपना वर्चस्व समाप्त होते दिखा तो कुछ राजनीतिक दलों, संगठनों नें उनके इस डर को हवा दी और ध्ँ आरक्षण के विरुद्ध एक आंदोलन खड़ा कर दिया जो कालांतर में हिंसक भी हुआ।

अब देर से ही सही, भारतीय जनता पार्टी की सरकार नें आगामी जनगणना में जातीय जनगणना करने का निर्णय लिया है। कुछ अनुदारवादी स्वघोषित हिन्दू संगठनों नें भी लगभग 180 डिग्री की पलटी मारकर, जातीय जनगणना के फासले के प्रति सहमति सी प्रगट की है यधपि साथ में यह भी कहा कि इसके आंकडों को सार्वजनिक नही किया जाए। ऐसे निर्णयों में उपयोग नही हो जिनसे समाज की समरसता खत्म हो। उनका उपयोग केवल नीतिगत निर्णयों में ही हो।

इस प्रकार के 180 डिग्री वाले उलटफेर से पहले भारतीय जनता पार्टी के राजनाथ सिंह, स्व.गोपीनाथ मुंडे जैसे कुछ बड़े नेताओं को छोड़ कर अधिकतर नेता जातीय जनगणना का पानी पी-पी कर विरोध करते थे। अब ऐसे अधिकतर नेता समर्थन करने की होड़ में लगए है। खैर पुरानी बात है न, बंदरों को तो, मालिक लोग जैसा नाच सिखाएंगे, वैसे नाच लेंगे।

लेकिन केंद्र सरकार के इस फैसले को लेकर कुछ नए प्रश्न भी उभरे है। उनके उत्तर क्या होंगे, उनसे ही पता चलेगा कि इस फैसले के पीछे असली मकसद क्या है? क्या यह केवल और केवल वोटर्स को अपनी ओर लुभाने के लिए ही है ? क्या जातीय जनगणना के आंकडों के आधार पर, पिछड़े वर्गों के लोगों की समाजक, शैक्षणिक व मालिहालत सुधारने के लिए कुछ ठोस निर्णय, योजनाएं बनेंगी और लागू होंगी?

जनगणना अप्रेल 2026 से प्रारम्भ होगी। उस से पहले होंगे बिहार विधान सभा के चुनाव। एक परिदृश्य की कल्पना करो कि बिहार में भाजपा को सरकार बनाने लाइक बहुमत नहीं मिलता। भाजपा के वोट बैंक में उसके पारम्परिक वोट बैंक के अतिरिक्त OBC व OBC में बहुत पिछड़े वर्ग के वोट बड़ी संख्या में नही जुड़ते है तो भी, क्या जातियों की गणना कराएगी, केंद्र सरकार?

एक अन्य बड़ा प्रश्न है, जातियों की गणना करने से सम्बंधित प्रपत्र कैसा होगा, क्या-क्या सूचनाएं एकत्रित की जाएंगी? अभी तो किसी कोने से आवाज निकल रही है, सुझाव आ रहा है कि कोई अलग प्रपत्र की आवश्यकता नही। वर्तमानं प्रपत्र पर्याप्त है, उसी में एक कालम जाती का भी हो जाएगा या SC/ST वाले कलम में /OBC ओर जोड़ दिया जाए। लेकिन ऐसा किया जाएगा तो फिर इस गणना का संख्या जानने के अतिरिक्त कोई उपयोगिता नही रहेगी।

जाती जनगणना के साथ साथ सम्बंधित व्यक्तियों की शैक्षणिक, वितीय स्थितियों यथा घर, वाहन, नौकरी, व्यापार या स्वरोजगार या नियमित नोकरी या दिहाड़ी वर्कर, औसत मासिक रोजगार के दिन, वेतन या आमदनी, बैंक से लेनदेन, साहूकार या बैंक से कर्ज, स्वयम की संचित पूंजी, कृषि या अन्य इसी प्रकार की भूमि की जानकारिया एकत्रित करने से ही इस बड़ी एक्सरसाइज का कोई उपयोग हो सकेगा। इस प्रकार की जानकारियों के अध्ययन, विश्लेषण के उपरांत ही सम्बंधित वर्गों के लिए उनके लिए हितकारी निर्णय लिए जा सकेंगे।

लोगों के मन में प्रश्न तो यह भी है कि क्या जातियों के अंदर उपजातियों की भी गणना की जाएगी और अगर ऐसा किया जाएगा तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इसका उद्देश्य क्या होगा?? समाजों को जातियों के बजाय उपजातियों में ओर विभाजित कर उनकी राजनीतिक हैसियत, उपयोगिता को कम से कमतर करने के लिए?? यह भी ध्यान रखना होगा कि उपजातियां तथाकथित सवर्ण जातियों में भी हैं।

एक ओर बड़ा प्रश्न है---क्या धार्मिक समूहों यथा मुसलमान, ईसाई, सिख आदि में भी जाती-उपजाती पूछी जाएगी? इस्लाम, ईसाई आदि में तो सैद्धांतिक आधार पर तो जाती प्रथा मानी नही जाती, तो फिर इसका उपयोग क्या होगा? क्या इससे इन धर्मों में पिछड़ों, अति पिछड़ों की पहचान कर उनके लिए सरकारी नौकरियों, शिक्षण संस्थानों में दाखिले आदि में इन आंकड़ों का उपयोग होगा? क्या यह संविधान सम्मत होगा या फिर इनके लिए संविधान में संसोधन होगा, जिसका वर्तमानं सरकार वाला दल पुरजोर विरोध करता है??

एक ओर बड़ा प्रश्न है कि क्या जाती जनगणना के पश्चात, इसके आंकडों के आधार पर, OBC वर्ग के लिये सरकारी नौकरियों की उपलब्धता में कोई परिवर्तन किया जाएगा? क्या उच्चतम न्यायालय द्वारा बनाई गई आरक्षण की 50% की सीमा को बदल कर पिछड़ों की जनसँख्यानुसार नौकरियों, शैक्षणिक संस्थानों दाखिलों की वर्तमान व्यवस्था में परिवर्तन का साहस सरकार करेगी?? वैसे 50% आरक्षण सीमा सार रूप से, EWS के लिए 10% आरक्षण के बाद समाप्त सी ही तो है। हाँ, EWS आरक्षण के बाद सवर्ण वर्ग के लिए स्वत: 60% का आरक्षण हो गया क्योंकि वर्ग में शामिल नही है।

क्या जातियों की जनगणना से सम्बंधित प्रपत्र सार्वजनिक होगा? क्या इस पर सभी राजनीतिक पार्टियों से चर्चा होगी??

और अंत में क्या सरकार निजी क्षेत्र में भी रोजगार में जाती/वर्ग आधारित आरक्षण लागू करेगी, जैसी कुछ राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों की मांग है???

–अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह,
आई.ए.एस. (से.नि.)

सरकार के लिए राजस्व प्राथमिकता है या लोगों का स्वास्थ्य?

अशोक कुमार

हेल्थ ईज़ वेल्थ का हिन्दी में मतलब 'स्वास्थ्य ही धन है' होता है जिसे 'नेक तंदुरुस्ती लाख नियामत' भी कहा जाता है जिसका मतलब है – अच्छा स्वास्थ्य हमेशा धन से ऊपर होता है। वाक्यांश हेल्थ ईज़ वेल्थ का गहरा अर्थ है और यह हमारे जीवन में अच्छे स्वास्थ्य के महत्व को दर्शाता है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, और यह कि अच्छा स्वास्थ्य जीवन में सफलता और खुशी का आधार है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भारत में खाने में प्रयोग होने वाली कई ऐसी चीजें हैं जिन पर प्रतिबंध लगाया गया है या उपयोग को सीमित किया गया है। इनमें से कुछ प्रमुख वस्तुएँ इस प्रकार हैं: कुछ सिंथेटिक रंग। उच्च सोडियम वाले जंक फूड, कुछ कीटनाशक जैसे एल्ड्रिन, डीडीटी, एंडोसल्फान आदि, कुछ कृत्रिम स्वीटनर, तंबाकू और निकोटीन: किसी भी खाद्य पदार्थ में इनका उपयोग प्रतिबंधित, कुछ कृत्रिम स्वीटनर, सैसाफ्रास ऑयल, ब्रॉमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल, दवाओं पर प्रतिबंध, फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाएं, कुछ दर्द निवारक दवाएं, कुछ एंटी-एलर्जिक दवाएं जैसे ब्रोमेलैन, प्रोटीएज, कुछ सिंगल यूज्ड माइक्रो प्लास्टिक्स, प्लास्टिक्स आदि प्रतिबंधित हैं।

सिगरेट और तंबाकू से होने वाली कुल मौतों में यकृत कैंसर का विशिष्ट प्रतिशत बताना संभव नहीं है, यह स्पष्ट है कि तंबाकू का उपयोग यकृत कैंसर के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है और भारत में होने वाली लाखों तंबाकू-संबंधी मौतों में योगदान देता है। तंबाकू नियंत्रण के प्रयास और जागरूकता बढ़ाना इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध आंकड़ों और हालिया घटनाओं को देखते हुए, यह कहना सुरक्षित है कि पिछले 5 वर्षों में भारत में कच्ची या जहरीली शराब के सेवन से हजारों लोगों की मौत हुई है। सरकारी आंकड़े केवल 2020 तक के हैं, और उसके बाद भी कई बड़ी घटनाएं हुई हैं जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये आंकड़े संभवत: कम करके आंके गए हैं, क्योंकि कई मौतें रिपोर्ट नहीं की जाती हैं। कच्ची शराब का अवैध उत्पादन और बिक्री एक गंभीर समस्या बनी हुई है, खासकर गरीब और ग्रामीण क्षेत्रों में। शराबबंदी के आर्थिक प्रभाव जटिल हो सकते हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था की संरचना, कार्यान्वयन की प्रभावशीलता और अन्य कारकों पर निर्भर करते हैं। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि शराबबंदी से राजस्व में कमी आ सकती है और अवैध शराब के व्यापार में वृद्धि हो सकती है, जबकि अन्य अध्ययनों में सकारात्मक सामाजिक और स्वास्थ्य परिणाम देखे गए हैं। हानिकारक उत्पादों से राजस्व कमाने के बजाय लोगों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। एक महत्वपूर्ण मुद्दा है कि क्या सरकारें राजस्व के हितों को स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से ज़्यादा प्राथमिकता दे रही हैं? यह सच है कि जिन वस्तुओं से सरकार को या तो बिल्कुल राजस्व नहीं मिलता या बहुत कम मिलता है, उन्हें बंद करने में अक्सर हिचकिचाहट नहीं दिखाई जाती। इसके विपरीत, शराब और सिगरेट जैसे उत्पाद, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं, लेकिन सरकार को महत्वपूर्ण राजस्व प्रदान करते हैं, आसानी से बंद नहीं किए जाते। इस स्थिति को देखकर यह तर्क देना स्वाभाविक है कि सरकार के लिए राजस्व प्राथमिकता है, न कि लोगों का स्वास्थ्य।

वित्तीय और नैतिक विचारों के बीच एक जटिल खींचतान है। सरकार का तर्क अक्सर यह होता है कि उस राजस्व का उपयोग अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा (हानिकारक उत्पादों से होने वाली बीमारियों के इलाज सहित), बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिए किया जाता है। उनका यह भी कहना हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध से अवैध व्यापार को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होगा और गुणवत्ता नियंत्रण भी नहीं रहेगा।

हालांकि, एक स्वस्थ आबादी किसी भी देश की सबसे बड़ी संपत्ति होती है। हानिकारक उत्पादों से होने वाली बीमारियों का बोझ न केवल व्यक्तियों और उनके परिवारों पर पड़ता है, बल्कि यह स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर भी भारी दबाव डालता है और देश की समग्र उत्पादकता को कम करता है।

सरकार हानिकारक उत्पादों से राजस्व अर्जित करके अप्रत्यक्ष रूप से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के इलाज के लिए धन जुटा रही है, जबकि इन उत्पादों का सेवन स्वयं ही स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है।

कई लोग यह मानते हैं कि सरकार को दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। एक स्वस्थ आबादी अंतत: अधिक खुशहाल और अधिक उत्पादक होगी, जो अर्थव्यवस्था के लिए भी फायदेमंद होगा। राजस्व के अन्य स्थायी और स्वास्थ्यकर स्त्रोत खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

यह कहना सही होगा कि राजस्व एक महत्वपूर्ण कारक है जो सरकार के फैसलों को प्रभावित करता है। इन उत्पादों पर लगाए गए टैक्स सरकार के लिए आय का एक बड़ा स्त्रोत होते हैं, जिसका इस्तेमाल विभिन्न विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं में किया जाता है। अगर सरकार अचानक से इनका उत्पादन बंद कर दे, तो उसे एक बड़े राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ेगा, जिससे अन्य जरूरी सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

हालांकि, यह कहना कि सरकार को सिर्फ राजस्व का ध्यान रहता है और स्वास्थ्य की परवाह नहीं है, पूरी तरह से सही नहीं होगा। सरकारों ने इन उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं:-

उच्च कर: इन उत्पादों पर भारी टैक्स लगाया जाता है ताकि इनकी कीमत बढ़े और लोग इनका कम सेवन करें।

स्वास्थ्य चेतावनी: इनके पैकेटों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी छापी जाती है ताकि उपभोक्ताओं को खतरों के बारे में पता चले।

विज्ञापन पर प्रतिबंध: इनके विज्ञापन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं ताकि इनका प्रचार न हो।

जागरूकता अभियान: सरकार समय-समय पर इनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाती है।

इन कदमों से यह पता चलता है कि सरकार स्वास्थ्य के प्रति भी चिंतित है, लेकिन वह एक साथ कई पहलुओं को ध्यान में रखकर नीतियां बनाती है। अचानक से उत्पादन बंद करने के कुछ नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं, जैसे कि:-

अवैध व्यापार: अगर उत्पादन बंद हो जाए तो इन उत्पादों का काला बाजार पनप सकता है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होगा और गुणवत्ता नियंत्रण भी नहीं रहेगा।

1.रोजगार का नुकसान: इन उद्योगों में काम करने वाले लाखों लोगों की रोजी-रोटी छिन सकती है!

यू.एस. ने निषेध के दौरान शराब पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की (1920-1933)। इसके कारण: अवैध उत्पादन और तस्करी, संगठित अपराध में वृद्धि, कर राजस्व में कमी, सार्वजनिक स्वास्थ्य में इतना सुधार नहीं हुआ कि प्रतिबंध के कारण व्यापक समस्याएं उत्पन्न हो सकें। इसलिए, सरकार एक ऐसा रास्ता अपनाने की कोशिश करती है जिसमें राजस्व भी बना रहे और लोगों के स्वास्थ्य पर भी कम से कम नकारात्मक प्रभाव पड़े। यह एक नाजुक संतुलन है जिस पर लगातार बहस और विचार-विमर्श होता रहता है।

यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर समाज में लगातार बहस होनी चाहिए और सरकारों पर यह दबाव बनाना चाहिए कि वे नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता दें, भले ही इसके लिए कुछ राजस्व का नुकसान उठाना पड़े। इस स्थिति से ऐसा प्रतीत होता है कि राजस्व प्राथमिक है, और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

वास्तविकता यह है कि राजस्व और स्वास्थ्य दोनों ही सरकारों के लिए आवश्यक हैं और इन्हें एक दूसरे के विपरीत नहीं देखा जाना चाहिए। एक आदर्श स्थिति वह है जहां सरकारें एक ऐसा संतुलन बनाती हैं जो आर्थिक विकास को बढ़ावा दे और अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करे।

भारत के संदर्भ में:-

भारत में, स्वास्थ्य सेवा एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें सरकारें लगातार निवेश कर रही हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य सभी नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। साथ ही, सरकार राजस्व बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठा रही है ताकि इन और अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सेवाओं के लिए धन उपलब्ध हो सके।

यह कहना मुश्किल है कि भारतीय सरकारों के लिए वर्तमान में राजस्व स्वास्थ्य से अधिक महत्वपूर्ण है या इसके विपरीत। सरकार की नीतियां और बजट आवंटन दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए दिखाई देते हैं। हालांकि, समय-समय पर प्राथमिकताओं में बदलाव हो सकता है जो आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं।

अंतत:, एक जिम्मेदार सरकार का लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह राजस्व और स्वास्थ्य के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाए रखे ताकि देश का सतत विकास हो सके और सभी नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित हो सके।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

बॉर्डर इलाकों में बीएसएफ लोगों को दे रही है ड्रोन की ट्रेनिंग

ग्रामीणों को ड्रोन के बारे में जानकारी देने के साथ ही एक ड्रोन को उड़ाकर भी बताया

बीकानेर, (निसं)। पाकिस्तान की ओर से बार-बार ड्रोन अटैक होने के बाद बॉर्डर के गांवों में लोगों को ड्रोन के बारे में जानकारी दी जा रही है। बताया जा रहा है कि किस तरह की आवाज आती है और इस ड्रोन से किस तरह की हरकत हो सकती है। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी बीएसएफ के जवानों और अधिकारियों ने बीकानेर बॉर्डर से सटे गांवों में ड्रोन एक्टिविटी के प्रति जागरूक किया।

बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र जाट ने बताया कि पहलगांव आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिससे घबराकर पाकिस्तान बॉर्डर के गांवों में लगातार ड्रोन एक्टिविटी बढ़ा रहा हैं। बीकानेर ने गांवों ड्रोन के बारे में ग्रामीणों को सामान्य ट्रेनिंग दी गई कि किस तरह इसका पता चल सकता है। अगर कोई ड्रोन उनके क्षेत्र में घूम रहा है तो ग्रामीणों को क्या एक्शन लेना है।

डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) ने बताया कि आने वाले समय में हमारे पड़ोसी देश से ड्रोन की गतिविधियां और भी अधिक बढ़ सकती है। इससे निपटने के लिए हर समय तैयार रहना पड़ेगा। आम आदमी को पता होना चाहिए कि ड्रोन कैसे काम करता है और इससे दुश्मन देश को क्या फायदा मिल सकता है। युद्ध जैसे हालात के दौरान यदि आपको कहीं कोई संदिग्ध वस्तु ड्रोन जैसी दिखाई देती है तो तुरंत ही इसकी सूचना बीएसएफ इंटेलिजेंस को देनी है। ड्रोन के माध्यम से सिर्फ हमले नहीं होते बल्कि देश की सूचना भी एकत्र की जाती है। काफी ऊंचाई पर उड़ने वाले ये ड्रोन कई बार वीडियो और फोटोग्राफी करते हैं। इसलिए ड्रोन का पता चलते ही बीएसएफ को बताना होगा। ड्रोन के माध्यम से बीकानेर, श्रीगंगानगर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी भी होती है। दोनों देशों के तस्कर एक दूसरे से बात करके ड्रोन के माध्यम से अफीम, स्मैक और अन्य मादक पदार्थ ड्रोन से ही फेंकते हैं।

ग्रामीणों को ड्रोन के बारे में जानकारी देने के साथ ही एक ड्रोन को उड़ाकर भी बताया गया। ड्रोन किस तरह से आवाज करता है और ऊंचाई पर उड़ रहे ड्रोन का पता कैसे चल सकता है। ग्रामीणों के साथ सरपंच विजय सिंगड़ भी उपस्थित रहे।

बंद किए गए नाल एयरपोर्ट के सभी रूट फिर से खुले

बीकानेर, (निसं)। भारत द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई के बाद बंद किए गए नाल एयरपोर्ट के सभी रूट अब खोल दिए गए हैं। चार्टर्ड और मेडिकल इमरजेंसी फ्लाइट्स को अनुमति मिल गई है। दिल्ली रूट पर 15 मई से उड़ान बहाल होने की संभावना है, जबकि जयपुर रूट के लिए यात्रियों को शुक्रवार तक इंतजार करना पड़ सकता है। देश की सुरक्षा स्थितियों को देखते हुए कुछ दिन पहले बंद किए गए बीकानेर के नाल एयरपोर्ट के सभी रूट बंद कर दिए थे।

एयरपोर्ट प्रशासन ने सामरिक दृष्टि से उठाए गए एहतियाती कदमों के बाद अब परिस्थितियों को सामान्य मानते हुए अब सभी रूट खोलने का निर्णय लिया है। एयरपोर्ट निदेशक राजेन्द्र सिंह बघेला ने बताया कि नाल एयरपोर्ट से अब चार्टर्ड प्लेन और मेडिकल इमरजेंसी के लिए एयर एंबुलेंस की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है। हालांकि, नियमित फ्लाइट संचालन की तिथि अभी पूरी तरह सुनिश्चित नहीं है।

> **■ दिल्ली की फ्लाइट आज से संभव, जयपुर रूट के लिए इंतजार करना पड़ सकता है**

बीकानेर से दो फ्लाइटस संचालित होती हैं। पहली इंडिगो की बीकानेर से दिल्ली डेली फ्लाइट, जो 15 मई से उड़ान भर सकती है। दूसरी, एयरलाइंस एयर की फ्लाइट है, जो बीकानेर से जयपुर होते हुए दिल्ली जाती है और सप्ताह में सोमवार व शुक्रवार को संचालित होती है। यह फ्लाइट शुक्रवार से शुरू हो सकती है।

हालांकि, एयरपोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उड़ानों की पुनर्बहाली यात्री भार और अन्य तकनीकी पहलुओं पर निर्भर करेगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे उड़ान से पहले संबंधित एयरलाइंस से जानकारी प्राप्त कर लें। सामरिक दृष्टिकोण से नाल एयरपोर्ट एक संवेदनशील जोन में आता है। इसलिए किसी भी आपात स्थिति में तत्परता बनाए रखने और नागरिक उड्डयन को संतुलित रूप से संचालित करने के लिए यह निर्णय आवश्यक था। अब रूट खुलने से न केवल स्थानीय लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि आपातकालीन सेवाएं भी बहाल हो सकेंगी।

राशिफल गुरूवार 15 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 2:08 तक, शिव योग प्रात: 7:02 तक, वणिज करण दिन 3:17 तक, चन्द्रमा आज दिन 2:08 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:41 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:23 तक, चर 10:43 से 12:23 तक, लाभ अमृत 12:23 से 3:43 तक, शुभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:43, सूर्यास्त 7:03

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन

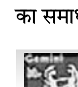

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मन का भय समाप्त होगा। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

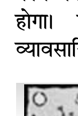

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

सिंह

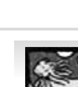

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग मिलेगा।

तुला

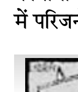

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

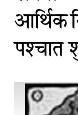

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

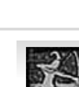

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

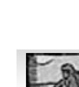

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

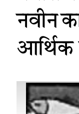

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

नेपाली गैंग ने की चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर कांग्रेस नेता के घर लूटपाट

नौकर दम्पति सहित दो साथियों ने दी वारदात को अंजाम

- सास-बहू मेट्रो मास हॉस्पिटल में भर्ती
- कांग्रेस नेता संदीप चौधरी रहे चुके हैं भूमि विकास बोर्ड के अध्यक्ष
- पुलिस ने की इलाके में नाकाबंदी, फिलहाल नहीं लगा कोई सुराग

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में बुधवार सुबह नेपाली गैंग के नौकर दम्पति सहित उनके दो साथियों ने कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस जानकारी में सामने आया कि गैंग ने नेता की मां और पत्नी को चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लूट कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेकर इलाके में नाकाबंदी करवाई, लेकिन नेपाली गैंग के सदस्यों को कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज सहित खंगालने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि वैशाली नगर थाना इलाके के आनंद नगर इलाके के रहने वाले भूमि विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर लूट की वारदात हुई है। जहां मुख्य आरोपी नेपाली नौकर काजल और भरत ने उनकी मां कृष्णा (75) और उनकी पत्नी ममता (43) को चाय में नशीला पदार्थ पिला दी। बेहोश होने के बाद आरोपियों ने दो अन्य साथियों को बुलाकर लूटपाट कर फरार हो गए। पुलिस जानकारी में सामने आया कि कांग्रेस नेता संदीप ने बुधवार सुबह साढ़े सात बजे पहले मां और फिर पत्नी को फोन किया। लेकिन दोनों ने नहीं उठाया। इसके बाद बेटी राजश्री को फोन किया। राजश्री ने कमरे से निकलकर देखा तो दादी और मां दोनों कमरे में बेहोश थी। कांग्रेस नेता फिर पड़ोस में रहने वाले भांजे रोहित को कॉल किया। रोहित ने अपने पिता को भेजा। जहां दोनों महिला बेहोशी हालत में मिलने पर मेट्रो मास हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। घटना के वक्त संदीप चौधरी का 13 साल का बेटा राजदीप भी घर पर ही था। बताया जा रहा कि कांग्रेस नेता के परिवार ने नेपाल के रहने वाले पति-पत्नी को 10 दिन पहले ही खाना बनाने के काम पर रखा था। फिलहाल मुख्य आरोपी नौकर पति-पत्नी के साथ उनके दो साथियों की तलाश की जा रही है। जयपुर शहर में नाकाबंदी भी कराई गई है।

2346 फार्मासिस्ट का पदस्थापन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग रिक्त पदों पर भर्ती एवं पदस्थापन के कार्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 2346 फार्मासिस्ट की नियुक्ति करते हुए उन्हें प्रदेशभर में विभिन्न रिक्त पदों पर पदस्थापित किया है।

बीकानेर तकनीकी विवि. में कुलगुरु नियुक्त

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो.अखिल रंजन गर्ग को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. अखिल रंजन गर्ग के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की सफल क्रियान्विति के निर्देश

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उनको स्वागत किया गया।

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने इस दौरान बैंक अधिकारियों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की प्रगति जानकारी प्राप्त की।

दक ने योजना को समुचित रूप से क्रियान्वित करते हुए अधिक से अधिक पात्र ऋणी सदस्यों को योजना से लाभान्वित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से योजना के संबंध में की जा रही कार्यवाही और अब तक की प्रगति की जानकारी ली। एसएलडीबी के प्रबंध निदेशक श्री जितेन्द्र प्रसाद ने अवगत कराया कि योजना के तहत 13 मई तक 21 हजार 812 पात्र ऋणियों को नोटिस तामील करवाये जा चुके हैं तथा कुल 921 मामलों में 21.96 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक भूमि विकास बैंकों के स्तर पर वसूली में सहयोग एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए एसएलडीबी से प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

इस दौरान सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि जिन प्राथमिक बैंकों में प्रगति आशानुरूप नहीं है, वहां अधिक फोकस किया जाए। उन्होंने कहा कि 70 वर्ष में पहली बार राज्य सरकार भूमि विकास बैंकों के ऋणी सदस्यों के लिए यह महत्वपूर्ण योजना लेकर आई है, जिससे भूमि विकास बैंकों की आर्थिक स्थिति सुधरेगी और ऋणी सदस्यों को मुख्यधारा में आने व पुनः निवेश ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अतः अधिकारी पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए योजना की सफल क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री ने बैंक परिसर में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश के किसानों की खुशहाली और दीर्घकालीन सहकारी साख संरचना के पुनरूद्धार की कामना की। एसएलडीबी की महाप्रबंधक उषा कपूर सहित अन्य बैंक अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी चार हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय की जयपुर नगर द्वितीय टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए कार्रवाई करते हुये मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को चार हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी जयपुर नगर द्वितीय को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी स्कूल के बच्चों का रिकॉर्ड अपलोड करने के लिए यूडाईस कोड आवेदन पत्र को संशोधित कर जारी करने की एवज में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार 15 हजार रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा था व दबाव बनाकर 10 हजार रूपये पूर्व में व 1000 रूपये सत्यापन के दौरान प्राप्त कर लिये।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर मुख्यालय की जयपुर नगर द्वितीय टीम ने बुधवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जिस पर एसीबी जयपुर नगर द्वितीय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश किलानिया के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सांगानेर ग्रामीण जयपुर सुरेन्द्र कुमार को 4 हज़ार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

बस सारथियों को हटाने पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएसआरटीसी में सालों से संविदा पर कार्यरत बस सारथियों को हटाने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में आरएसआरटीसी के एमडी और कार्यकारी निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश सुभाष चन्द व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुरेंद्र लांबा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता आरएसआरटीसी में सालों से संविदा पर बस सारथी पद पर रहकर कंडक्टर का काम कर रहे हैं। रोडवेज ने गत 5 फरवरी को एक आदेश जारी कर सिविल डिफेंस से जुडे स्वयं सेवकों को बस सारथी के पद पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही इन स्वयं सेवकों को बस सारथी के कार्य का प्रशिक्षण भी दिया है। याचिका में कहा गया कि उन्हें अंदेशा है कि रोडवेज उन्हें हटाकर इन स्वयं सेवकों को उनके स्थान पर संविदा पर लेना चाहता है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाई

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को यातायात पुलिसकर्मियों को धूप से आंखों के बचाव के लिए सन-ग्लासेज वितरित किये गये एवं साथ ही निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जोसफ ने बताया कि किसी भी शहर में जाते हैं तो पुलिस का चेहरा सर्वप्रथम ट्रैफिक पुलिस कर्मी के रूप में नजर आता है और आज आपका चेहरा और स्मार्ट बनाया गया है। जयपुर यातायात पुलिस को स्मार्ट बनाया गया है। जिससे आपको धूप में ट्रैफिक रेगुलेट करने में और सुविधाजनक होगा। उन्होने कहा कि यातायात पुलिस का ध्येय केवल यातायात को सुगम एवं सरल बनाना होना चाहिए। पिछले कुछ समय में जयपुर शहर में अमेरिका के उपराष्ट्रपति सहित कई वीआईपी विजिट के दौरान ट्रैफिक पुलिस के बंदोबस्त की सराहना की गई एवं हाल ही में विद्याधर नगर में आयोजित बड़ी कथा की सफलता ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की मेहनत एवं लगन रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को यातायात पुलिसकर्मियों को निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जयपुर पुलिस कमिश्नर ने यातायात पुलिसकर्मियों को धूप से आंखों के बचाव के लिए सन-ग्लासेज वितरित किये गये एवं निर्धारित गति से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध ऑनलाईन कार्यवाही के लिए हैंडहेल्ड स्पीड लेजर गन युक्त चार मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस को पेट्रोलिंग के लिए पांच हॉवरबोर्ड स्कूटर उपलब्ध कराये गये इनके द्वारा शहर के मॉल्स, मुख्य मार्गो पर यातायात संचालन में सुविधा होगी। आमजन को सुगम एवं सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराने के लिए शहर के चौराहों,तिराहो पर तैनात यातायात कर्मियों को कड़ी धूप एवं हीटवेव के दौरान ऑखों की सुरक्षा के लिए सन-ग्लासेज एवं होमगार्ड हेतु रात्रि में यातायात संचालन के दौरान सुरक्षा हेतु रिफ्लेक्टिव जॉकिट वितरित किये गये। पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा स्वप्रेरणा से सीएसआर एक्टिविटी के तहत यातायात पुलिस जयपुर को सन-ग्लासेज, आईरन बैरीकेड्स उपलब्ध कराये गये है।

व्हाट्सअप बॉट के जरिये एलआईसी प्रीमियम का भुगतान कर सकेंगे

जयपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने आज व्हाट्सअप बॉट के माध्यम से प्रीमियम भुगतान के लिये ऑनलाइन सुविधा का अनावरण किया।

इस फीचर का शुभारंभ 9 मई को सीईओ और एमडी सिद्धार्थ महान्ति के द्वारा सभी प्रबंध निदेशकों एम.जगन्नाथ, तवलेश पांडे, सतपाल भानु और आर. दुरैस्वामी और निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। यह विकल्प एलआईसी ग्राहकों को प्रीमियम का भुगतान ऑनलाइन करने का एक और वैकल्पिक विकल्प प्रदान करेगा। पंजीकृत ग्राहक पोर्टल उपयोगकर्ता भुगतान के लिये देय पॉलिसियों का पता लगाने के लिये व्हाट्सअप नंबर का उपयोग कर सकते हैं। और सीधे व्हाट्सअप बॉट के द्वारा भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक के प्रीमियम के लिये देय पॉलिसियों की पहचान करने से लेकर भुगतान और रसीद बनाने तक का कार्य किया जायेगा। सीईओ महान्ति ने कहा कि यह विकल्प एलआईसी के ग्राहकों के लिये संचालन के कार्य को आसान बनाएगा और तेजी से बढ़ रहे व्हाट्सअप के माध्यम से कही से भी कभी एलआईसी प्रीमियम का भुगतान करने के लिये एक आसान उपकरण होगा।

छह साल से कोचिंग सेंटर्स के लिए न कानून बना ना गाइडलाइन लागू हुई : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने से जुडे मामले में सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि साल 2019 से इस संबंध में कानून बनाने की बात हो रही है, लेकिन अभी तक कोचिंग संस्थानों को रेगुलेट करने का कानून नहीं बना है। इसके अलावा कानून बनने तक बनाई गई गाइडलाइन को भी लागू नहीं किया जा रहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि आत्महत्याओं को लेकर न्यायमित्र की ओर से पूर्व में पेश आंकड़ों का सत्यापन किया गया है। इस साल जनवरी माह से 8 मई तक 14 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है। दूसरी ओर एक कोचिंग सेंटर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन है। जिस पर 23 मई को सुनवाई होनी है। ऐसे में तब तक हाईकोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं दिया जाए। इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए मामले की सुनवाई दो सप्ताह बाद रखी है।

जन सेवा का उदाहरण बनी मुख्यमंत्री की जन-सुनवाई

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील, सेवाभावी और सर्वस्पर्शी कार्यों की त्रिवेणी ने आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करने का एक तंत्र सुविकसित किया है। जन सेवा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री शर्मा के सुस्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में जनता की समस्याओं का समयबद्धता निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई ने जनसेवा का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

छह पुलिसकर्मी कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को ''कांस्टेबल ऑफ दी मंथ'' के अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बुधवार को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को "कांस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि अप्रैल माह 2025 का "कांस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित महिला कांस्टेबल पुलिस थाना बजाजनगर अन्नपूर्णा ने कार्य बड़ी मेहनत लग्न एवं रूचि से कुशलतापूर्वक राजकार्य सम्पन्न किया है। वहीं जिला पश्चिम के कांस्टेबल पुलिस थाना बगरू हंसाराम ने ज्वैलर्स की दुकान में हथियार दिखाकर सोने-चांदी के गहने लूटने के घटना स्थल एवं आने-जाने के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकार्डिंग देखकर व आस-पास के लोंगो से जानकारी प्राप्त कर वारदात को अंजाम देने वाले अज्ञात आरोपियों को चिन्हित कर आरोपी सोहेल, कन्हैयालाल व प्यारेलाल को दस्तयाब कर लूटे हुये गहने व वारदात में प्रयुक्त हथियार एवं वाहन को बरामद करवाने में अहम भूमिका निभायी। जिला उत्तर के कांस्टेबल पुलिस थाना विद्याधनगर महिपाल ने वांछित ईनामी अपराधी आदित्य कुमावत को चिन्हित कर कड़ी मेहनत व आसूचना संकलित कर गिरफ्तार कराया व अन्य वाहन चोरी की वारदतों का खुलास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। जिला दक्षिण के पुलिस थाना श्यामनगर के कांस्टेबल पवन कुमार ने शातिर चैन स्नैचर वारिस खान को गिरफ्तार करवाने में एस्कार्ट सर्विस के नाम पर लूटमार करने वाली गैंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में एक अन्य प्रकरण में चार नकबजन एवं दो खरीददारों को गिरफ्तार करवाकर 25 लाख रूपये का माल बरामद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। यातायात शाखा पूर्व के कांस्टेबल हरीश कुमार ने जयपुर शहर के व्यस्ततम गोविन्द मार्ग पर हॉक में तैनात रहते हुये आमजन को सुगम यातायात प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक कार्यवाही करते हुये यातायात को सुगम संचालन में देर रात्री तक ड्यूटी कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

'महिला उद्यमी ऋण योजना' के तहत सस्ती ब्याज दरों पर मिलेगा ऋण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी सदस्यों को लखपति दीदी बनाने की दिशा में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस मुहिम में अब राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजीविका के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के साथ ही राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप श्री अन्न उत्पादों को कॉनफेड एवं सहकारी उपभोक्ता भंडारों के उपहार केन्द्रों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा कॉनफेड के माध्यम से राजीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय में वृद्धि की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में यह अभिनव पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कॉनफेड एवं 33 जिला उपभोक्ता सहकारी भण्डारों के 78 उपहार विक्रय केन्द्रों पर राजीविका महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों के साथ ही श्री अन्न उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध करवाए जाएंगे।

राजपाल ने बताया कि जयपुर के भवानी सिंह रोड़ स्थित कॉनफेड के नवजीवन सुपर बाजार में एक काउंटर विशेष रूप से राजीविका के उत्पादों की बिक्री एवं डिस्प्ले के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

सहकार मसाला मेले में श्री अन्न से बने उत्पाद बने आकर्षण का केन्द्र

जयपुर। सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले में इस बार श्री अन्न से बने उत्पाद खास आकर्षण का केन्द्र बने हैं। जयपुरवासियों को ये उत्पाद खास पसंद आ रहे हैं और

- मेले में जमकर हो रही श्री अन्न से बने उत्पादों की खरीददारी

वे उत्साह के साथ इनकी खरीददारी कर रहे हैं।

मेले में कॉनफेड की स्टॉल के साथ ही लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न से बने उत्पाद उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम होने के कारण इन प्रोडक्ट्स की विशेष रूप से डिमांड देखने को मिल रही है। मेले में कॉनफेड की स्टॉल पर सुश्री अम्बिका ने बताया कि उनके यहां मिलेट मिक्स, रोस्टेड ज्वार, रोस्टेड बाजरा, रागी के बिस्किट, ओट्स बिस्किट, ज्वार की नान खटाई आदि उत्पाद उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों द्वारा खूब पसंद किए जा रहे हैं। वहीं, के.डी. स्वयं सहायता समूह, राजीविका-करौली की स्टॉल पर आदि शर्मा ने बताया कि उनकी स्टॉल पर श्री अन्न से बने 11 वैरायटी के कुकीज उपलब्ध हैं, जो उनकी माता द्वारा घर पर ही तैयार किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि स्टॉल पर आने वाले ज्यादातर लोगों को ये बहुत पसंद आ रहे हैं और इनकी अच्छी बिक्री हो रही है।

सहकार मसाला मेले में कॉनफेड की स्टॉल के साथ ही लगभग 25 स्टॉल्स पर श्री अन्न से बने उत्पाद उपलब्ध हैं।

इसी प्रकार, नव्या स्वयं सहायता समूह, जयपुर की स्टॉल पर मिलेट कुकीज के साथ ही श्री अन्न के पास्ता, नूडल्स, पोहा और सूजी भी उपलब्ध हैं। स्टॉल पर मौजूद मनीष जैन ने बताया कि 5 प्रकार के श्री अन्न सावां, कुटकी, कोदो, कांगनी और छोटी कांगनी भी उनके यहां उपलब्ध है। स्वास्थ्य को लेकर जागरूक लोग इन प्रोडक्ट्स को पसंद कर रहे हैं और जमकर खरीददारी भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री अन्न और श्री अन्न से बने ये उत्पाद मधुमेह, कैंसर, थायराइड, मोटापा, आर्थराइटिस, एनीमिया, हृदय रोग, वात रोग आदि के उपचार में सहायक होते हैं। कोटा जिला सहकारी उपभोक्ता सहकारी संघ की स्टॉल पर पीयूष शर्मा ने बताया कि उनके यहां मखाना मिक्स फलाहारी दलिया, मल्टी ग्रेन दलिया, रागी के फ्लेक्स, सावां के रोस्टेड फ्लेक्स, श्री अन्न का दलिया, शुगर फ्री गेहूं रहित आटा आदि उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को अब श्री अन्न का महत्व समझ में आ रहा है और जो भी ग्राहक ये प्रोडक्ट्स खरीदकर ले जा रहे हैं वे इन्हें खरीदने के लिए वापस भी आ रहे हैं।

मेले में खरीददारी के लिए पहुंच रहे लोग भी इन श्री अन्न उत्पादों की जमकर तारीफ कर रहे हैं। जयपुर के सिद्धार्थ नगर की निवासी विमला मीणा ने बताया कि उनके पति चिकित्सक हैं और परिवार में सब स्वास्थ्य को लेकर जागरूक हैं, इसलिए श्री अन्न से बने उत्पादों को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि मेले में कम दामों में शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिल रहे हैं। गांधी नगर निवासी अनिता ने कहा कि खान-पान में बदलाव के कारण लोगों में कई प्रकार की बीमारियां घर कर रही हैं।

अजमेर में तीन मंजिला इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में भीषण आग लगी

आग से शोरूम का सामान जलकर राख हुआ, लाखों का नुकसान हुआ

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर में बुधवार सुबह आशागंज रोड स्थित संत कंवरराम स्कूल के पास स्थित तीन मंजिला बिल्डिंग के इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग धीरे-धीरे तीन मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। आग से शोरूम में रखा इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में दरार आ गई, जिसके चलते आस-पास की अन्य बिल्डिंग को भी खाली करवा लिया है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गए। दमकल विभाग की चार से अधिक गाड़ियों ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में लगी आग को दमकल कर्मियों ने बुझाया।

- **आग इतनी तेज थी कि बिल्डिंग में दरारें आ गई, आसपास की अन्य बिल्डिंग को भी खाली करवा लिया गया**

आशागंज रोड स्थित संत कंवरराम स्कूल के पास बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब खालसा इलेक्ट्रॉनिक के तीन मंजिला शोरूम में करीब 8:30 बजे शोरूम में अचानक धुंआ उठता दिखाई दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और कुछ ही देर में पूरी बिल्डिंग को अपने चपेट में ले लिया। शोरूम में रखे इलेक्ट्रॉनिक सामान कूलर, एसी, पंखे पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग के कारण बिल्डिंग की दीवारों व पट्टियों में दरारें आ गईं, जिसके बाद आसपास की अन्य इमारतों और दुकानों को खाली करवाया गया। आग की सूचना मिलते ही रामगंज थाना पुलिस, क्लॉक टावर थाना प्रभारी, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) गजेंद्र सिंह, पुलिस उपअधीक्षक ओमप्रकाश सहित प्रशासन के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत कार्य के लिए सिविल डिफेंस, बिजली विभाग और पीडब्ल्यूडी को भी बुलाया गया। ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया और आसपास के लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं मौके पर विधायक अनिता भदेल भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

आग लगने से बजा बैंक का सायरन :- बिल्डिंग के पास पंजाब नेशनल बैंक का सायरन भी आग की लपटों के बीच बज उठा। राहत की बात यह रही कि समय पर कार्रवाई होने से कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन की प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। आवासीय बिल्डिंग में व्यवसायिक गतिविधि संचालित हो रही थी, इसमें इलेक्ट्रॉनिक शोरूम, गोदाम और मसालों का व्यवसाय भी संचालित किया जा रहा था। हैरानी की बात यह है कि बिल्डिंग में किसी भी प्रकार के अग्निशमन यंत्र मौजूद नहीं थे। एक बार फिर नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही उजागर हुई।

मारवाड़ में भीषण गर्मी का कहर, हीट वेव का अलर्ट जारी

जोधपुर, (कासं)। ज्येष्ठ का महीना शुरू होने के बाद से ही पश्चिमी राजस्थान में अब लगातार गर्मी व तेज धूप का कहर बढ़ता जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद गुरुवार से एक बार फिर गर्मी के तेवर तीखे हो जाएंगे।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने के बाद 15 मई से गर्मी के तेवर तीखे होंगे। पंद्रह मई से उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के जिलों में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। अधिकांश भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने व तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है।

जोधपुर व बीकानेर संभाग के सीमावर्ती क्षेत्रों में 15 मई से अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री दर्ज होने व कहीं-कहीं हीट वेव का नया दौर शुरू होने की संभावना है। बुधवार को भी जोधपुर में तापमान चालीस डिग्री के ऊपर रहा। तीखी धूप के साथ हवा में अधिक नमी ने झकझोरने वाली गर्मी पैदा कर दी। गर्मी के कारण शहरवासी हलकान हो गए। सूर्यनगरी में बुधवार को न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। सुबह दस बजे धूप इतनी तीखी हो गई कि सीधे धूप में निकलना मुश्किल हो गया। दोपहर में अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच गया। गर्मी तेज होने की वजह से शहरवासी पसीना-पसीना होते रहे।

अधेड़ के शव की पहचान हुई

टोंक, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र में सोमवार को मिले शव की शिनाख्त अजमेर जिले के उरेश उदावत के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डिग्गी थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे स्थित अविका नगर टोल प्लाजा के पास मिले अधेड़ के शव की पहचान अजमेर के सरवाड़ थाना क्षेत्र का सुरेश उदावत के रूप में हुई है। वहीं परिजनों के अनुसार सुरेश उदावत शराब का आदी था और ज्यादातर समय घर से बाहर रहता था। परिजनों को सूचना मिली कि मालपुरा अस्पताल में एक अधेड़ का शव रखा हुआ है, परिजनों ने मालपुरा अस्पताल की मॉर्च्युरी में पहुंचकर उसकी शिनाख्त की।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com
क्रमांक : निविजा/2025-26/ई -04 दिनांक :- 14.05.2025
(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 04/2025-26
नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 35.75 लाख के कुल 01 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 15.05.2025 एवं अंतिम तिथि 26.05.2025 तथा निविदा खुलने की तिथी 27.05.2025 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है। UBN No. UNP2526WSOB00023
राज.संवाद/सी/25/2306 अधीक्षण अभियन्ता, नगर निगम, उदयपुर

PANCHAYAT SAMITI MANDRAYAL, DISTT. KARAULI
Dispatch No: -PSM/Acc./2025-26/664 Date-02/05/2025
E-Notice Inviting Bid No. 01/2025-26
Bids for Annual Rate contract for Material Supply of Construction Work, Equipment Arrangement and Drilling of Handpump/Tubewell bore & installation in panchayat samiti mandrayal, district karauli are invited interested bidders from 02.05.2025 time 10.00 Am upto 16.05.2025 Time 12:00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state website. The approximate value of the procurement is Rs. 200.00 Lacs
UBN NO:- ZKR2526GLRC00037
NIB CODE:-ZKR 252640023
Block Development Officer
Panchayat Samiti Mandrayal
DIPR/C/6124/2025

शराब के लिए बदमाशों ने एक ही बस में दो बार लूटपाट की

घटना को लेकर वीडियो भी सामने आया है, पुलिस जांच कर रही है

डूंगरपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के पाटिया और फिर डूंगरपुर के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एक ही बस से दो बार लूटपाट हुई। पहले पाटिया में 3 बदमाशों ने 24 हजार 500 रुपए लूट लिए। 12 घंटे बाद 15 साथियों को लेकर बदमाश फिर आए और मोदर के पास बस पर हमला कर दिया। लट्ठ-पत्थरों से बस से जांच फोड़ दिए। सवारियों से मारपीट कर लूटपाट की। हमले में 1 महिला समेत 3 सवारियों को चोटें भी आई। घटना को लेकर वीडियो भी सामने आया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

- **पहले पाटिया में तीन बदमाशों ने बस में 24500 रुपए लूट लिए**
- **12 घंटे बाद 15 साथियों को लेकर बदमाश फिर आए और मोदर के पास बस पर फिर हमला कर दिया**
- **सवारियों से मारपीट कर लूटपाट की, हमले में एक महिला समेत तीन सवारियों को चोटें आई**

मनीषा ट्रेवल्स के संचालक विजय पुत्र ईश्वर गरासिया निवासी खेड़ाघाटी फला गमेती की ओर से पहले पाटिया थाने और फिर बिछीवाड़ा थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 12 मई को सवारियां लेकर वह बेणेश्वर धाम गया था। सवारियां उतारने के बाद वह वापस बस लेकर जा रहा था। पाटिया थाना क्षेत्र में गंगानगर के पास जाते ही दो बाइक पर तीन बदमाश आए। बदमाशों ने बस को रुकवाकर शराब पीने के लिए पैसे मांगे। मना करने पर बदमाशों ने बस का फाटक खोलकर मारपीट की और जेब से 24 हजार 500 रुपए लूट लिए। हो हल्ला होने पर बदमाश बाइक छोड़कर ही भाग गए। बाद में पाटिया थाना पुलिस को दोनों बाइक सौंप दी। पाटिया थाना पुलिस को रिपोर्ट दी गई।

संचालक विजय ने बताया कि इसके बाद दूसरे दिन 13 मई को बस में सवारियों को लेकर देव सोमनाथ की ओर ले जा रहा था। मोदर गांव के पास जाते ही रोड पर 15 बदमाश हाथों में लट्ठ, पत्थर लेकर खड़े थे। बदमाशों ने बस को रोककर हमला कर दिया। बस के सभी कांच फोड़ दिए। बदमाश रूट पर चलने के लिए हफ्ता देने की मांग करने लगे। हफ्ता देने से मना करने पर बदमाश बस में चढ़ गए। बस में बैठी करीब 30 सवारियों को लट्ठ, पत्थरों से बदमाशों ने डराया धमकाया और उनसे भी लूटपाट की। बदमाश सवारियों से भी कैश ओर अन्य चीजें लूट ली, लेकिन लोगों से कितनी लूट हुई, इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है। वहीं, मारपीट की वजह से एक महिला सहित तीन सवारियों को गंभीर चोटें आई है।

फरार वांछित आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में 15 माह से फरार जिला स्तरीय पांच हजार रूपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी व मेहन्दवास थानाधिकारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने थाने के प्रकरण एनडीपीएस एक्ट में 15 माह से फरार व पांच हजार रुपए का इनामी आरोपी रमेश पुत्र लादूराम बैरवा निवासी मोरडा थाना मेहन्दवास हाल निवासी एजेन्सी एरिया देवली जो शातिर किस्म का अपराधी था, जो बार बार मोबाइल सिम व अपना नाम पता बदलकर अलग-अलग जगह छुपकर रह रहा था। जिसको टीम द्वारा अहमदपरा चौकी से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया, जिसको न्यायालय के समक्ष पेश किया जावेगा।

इसी क्रम में देवली वृत्ताधिकारी रामसिंह जाट व दूनी थानाधिकारी हेमन्त जनागल के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना देवली के स्मैक तस्करी के मामले में दो साल से फरार पांच हजार के इनामी को तकनीकी व मुखबीर की सूचना पर स्मैक तस्करी के मामले में आरोपी बंटी बंजारा पुत्र बहादूर बंजारा निवासी जीवा नायक का खेडा थाना गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ को गत रात्रि को गिरफ्तार किया जाकर जिसे न्यायालय के आदेश पर पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। मुल्जिम ने पिछले दो साल में हैदराबाद व चैन्नई शहरों में कम्बल व कुर्सियां बेचने का काम करते हुए फरारी काटी थी।

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID-eepheddn1bkn@gmail.com
Contact No. 0151-2941473
No. 309-328 Date: 02.05.2025
Notice Inviting Bid : 12-15/2025-26
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 16.05.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 202.80 Lacs. UBN No. PHE2526WSRC01989, PHE2526WSRC01990, PHE2526WSRC01991, PHE2526WSRC01992
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
(Rajiv Dutta) Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/6145/2025

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/1337 दिनांक :- 13.05.2025
:-ई-निविदा सूचना-2025-26:-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 26.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB04487) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ
राज.संवाद/सी/25/2232

छात्रा ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। धम्बोला थाना क्षेत्र के गडापट्टापीठ गांव में एक नाबालिग ने आत्महया कर ली। मृतका की पहचान असीना के रूप में हुई है। वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। घटना मंगलवार सुबह की है। असीना का शव उसके घर के बाहर एक पेड़ से लटका मिला।

सोमवार शाम को उसका अपने भाई से झगडा हुआ था। असीना ने इस बारे में अपने पिता आशीष कटारा को फोन पर बताया था। आशीष कटारा और उनकी पत्नी गुजरात में मजदूरी करते हैं। उनके तीन बच्चे घर पर रहते थे। झगड़े की जानकारी मिलने पर पिता ने फोन पर दोनों बच्चों को डांटा था। उन्होंने वापस आकर मामला सुलझाने की बात कही थी। माता-पिता भी गुजरात से तुरंत घर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पेड़ से उतारा। शव को सीमलवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया।

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण
पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर, टेलीफोन नम्बर - 0141-2600032
ई-मेल आई.डी. :- adma.jaipur@gmail.com
क्रमांक :- कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2025-26/526 दिनांक :- 09/05/2025
ई-बिड संख्या - 02/2025-26
आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण, जयपुर स्थित स्मारकों/संग्रहालयों में विभिन्न सिविल एवं विद्युत कार्यो हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है।
(ई-बिड संख्या-02/2025-26 की कुल लागत राशि रूपये 425.51 लाख)
NIB Code : ADA2526A0003
बिड यू.बी.एन. नम्बर :- ADA2526SSOB00008, ADA2526WSOB00009, ADA2526WSOB00010, ADA2526WSOB00011
राज.संवाद/सी/25/2245 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

सीकर पुलिस 148 बांग्लादेशियों को लेकर जोधपुर पहुंची, डिपोर्ट किया

अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी यहां अपनी शरणस्थली समझकर अवैध रूप से टिके हुए थे

जोधपुर, (कांस)। भारत में अवैध रूप से रहने वाले प्रवासियों विशेषकर पाक और बांगलादेशियों को अब डिपोर्ट किया जाने लगा है। जोधपुर से बुधवार को 148 बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया गया है। अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी यहां अपनी शरणस्थली समझकर अवैध रूप से टिके हुए थे। अब भारत एक्शन मूड में है। भारत इन अवैध रूप से रह रहे लोगों को देश से बाहर निकलने का क्रम शुरू कर चुका है और पहली खेप जोधपुर से रवाना कर दी गई है। जोधपुर से 148 अवैध बांग्लादेशियों को डिपोर्ट करने की कार्रवाई शुरू हुई है। इन बांग्लादेश्यों को पहले जोधपुर से पश्चिम बंगाल ले जाया जाएगा और उसके बाद पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार पिछले कुछ समय से देखने को मिल रहा है कि कुछ लोग भारत को अपनी शरणस्थली मान बैठे हैं। जब चाहे भारत में आकर अवैध रूप से रहने लग जाते हैं और भारत में अपने दस्तावेज भी बना लेते हैं। उनके खिलाफ पिछले कुछ दिनों से राजस्थान पुलिस ने विशेष अभियान चलाया और पूरे प्रदेश में 1008 बांग्लादेशी पकड़े गए। जिला जयपुर रेंज में 761 बांग्लादेशी पकड़े गए। सीकर में कुल 394 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए। दस्तावेजों की जांच के बाद 148 बांग्लादेशी नागरिकों की पहली खेप लेकर सीकर पुलिस जोधपुर पहुंची और यहां से एयर फोर्स स्टेशन से इन्हें पश्चिम बंगाल के लिए रवाना किया गया। इन सभी लोगों को पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। इन सभी बांग्लादेशों को लेकर सीकर पुलिस आज जोधपुर पहुंची, जहां इन्हें एयर फोर्स स्टेशन के अंदर ले जाया गया और फिर यहां से इन्हें पश्चिम बंगाल भेजने की कार्रवाई शुरू हुई।

स्कूल से पोषाहार चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के आकाशवाणी केंद्र के पीछे स्थित राजकीय संस्कृत स्कूल, नवाडेरा में हुई पोषाहार चोरी के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- **पुलिस ने पहले ही एक आरोपी अमित रोत और एक नाबालिग को पकड़ा था**

प्रिंसिपल भारती भील की शिकायत पर दर्ज मामले में 28 अप्रैल को दोपहर एक बजे से शाम छह बजे के बीच स्कूल से 1 क्विंटल 71 किलोग्राम गेहूं की चोरी हुई थी। इसके बाद 2-3 मई की रात में फिर से स्कूल से 81 किलो चावल चोरी हो गए। जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सैन के निर्देश पर पुलिस ने पहले ही एक आरोपी अमित रोत और एक नाबालिग को पकड़ा था। पूछताछ में इन्होंने अपने साथी राहुल का नाम बताया। पुलिस ने राहुल और चोरी का माल खरीदने वाले अनिल कलाल को गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से चोरी के दो गैस सिलेंडर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल नवाडेरा का रहने वाला है, जबकि अनिल पटेल उदयपुरा का निवासी है। पहले गिरफ्तार किया गया अमित रोत डोलवरिया ओडा का रहने वाला है, जो अपने मामा के यहां नवाडेरा में रह रहा था।

सरकारी स्कूल से पोषाहार चोरी के दो और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

हाईकोर्ट व लोअर कोर्ट का समय आज से बदलेगा

जोधपुर, (कांस)। राजस्थान हाईकोर्ट व प्रदेश की सभी लोअर कोर्ट का समय ग्रीष्मकाल 15 मई से 27 जून तक की अवधि के लिए बदल जाएगा। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के रजिस्ट्रार (प्रशासन) शैलेंद्र व्यास ने सोमवार को इसकी अधिसूचना जारी की है।

ग्रीष्मकाल अवधि के दौरान हाईकोर्ट का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। इस बीच लंच टाइम 10:30 से 11 बजे तक रहेगा। वहीं कार्यालय समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा और इनके लिए लंच टाइम 10:30 से 10:45 बजे तक रहेगा।

इसी तरह अधीनस्थ न्यायालय का समय भी सुबह 8 से दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा। अधीनस्थ न्यायालय के ऑफिस का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा। कोर्ट और इनके ऑफिस में लंच टाइम सुबह 10 से 10:15 बजे तक रहेगा। इन कोर्ट के पीठासीन अधिकारी सुबह 7:30 से 8 बजे और दोपहर 12:30 बजे से 1 बजे तक अपने चैंबर्स में कार्य करेंगे।

JKK Jawahar Kala Kendra, Jaipur
जवाहर कला केन्द्र
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
खुली निविदा सूचना संख्या-JKK/258, 259 & 260/Store/2025-26
JKK GSTIN - 08AAAJJ0462D1ZM

		NIB JKK2526A0006 UBN: JKK2526GSOB00006	NIB JKK2526A0008 UBN: JKK2526SSOB00008	NIB: JKK2526A0007 UBN:JKK2526SSOB00007
1	उपापन अधिकारी	अतिरिक्त महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक	अतिरिक्त महानिदेशक
2	बोली का संक्षिप्त विवरण	जवाहर कला केन्द्र के ग्राफिक स्टूडियो एवं कार्यालय उपयोग हेतु स्टेशनरी/आर्ट एण्ड क्राफ्ट सामग्री आपूर्ति हेतु दर निविदा अनुबंध	जवाहर कला केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों हेतु स्टेण्डी/बैनर/फ्लेक्स आदि से प्रिन्टिंग कर विज्ञापन के कार्य की आपूर्ति	जवाहर कला केन्द्र द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु विभिन्न प्रकार के मुद्रण पोस्टर, ब्रोशर, निमंत्रण पत्र, पम्पलेट,टिकट, प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र इत्यादि कार्य के आपूर्ति हेतु
3	बोली की अनुमानित लागत	रूपये 6.00 लाख (मय जी.एस.टी.)	रूपये 9.50 लाख (मय जी.एस.टी.)	रूपये 6.00 लाख (मय जी.एस.टी.)
4	बोली का प्रकार	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा	खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा
5	बोली विक्रय (Download) प्रारंभ करने की दिनांक एवं समय	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:00 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:30 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)	दिनांक 13.05.2025 अपरान्ह् 4:30 बजे (Can be downloaded from http://sppp.raj.nic.in & jkk.artandculture.rajasthan.gov.in)
6	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी	दिनांक 16.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे	दिनांक 19.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे	दिनांक 19.05.2025 अपरान्ह् 3:00 बजे
7	बोली प्रपत्र की कीमत	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	रूपये 500/- डी.डी./बैंकर्स चैक अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।
8	बोली प्रतिभूति (Bid Security)	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 12,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी. आर. अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 19,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी. आर अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।	लागत राशी का 2 प्रतिशत राशी रूपये 12,000/-डी.डी./बैंकर्स चैक/एफ.डी. आर. अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के नाम से देय होगा। इसे बोली प्रपत्र के साथ संलग्न कर जमा करना अनिवार्य है।
9	तकनीकी बोली खोलने की दिनांक	दिनांक 16.05.2025 को अपरान्ह् 5.00 बजे	दिनांक 20.05.2025 को अपरान्ह् 2.00 बजे	दिनांक 20.05.2025 को अपरान्ह् 2.00 बजे
10	वित्तीय बोली खोलने की दिनांक व समय	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा	तकनीकी बोली में सफल बोली दाताओं को सूचित किया जायेगा
11	बोली जमा कराने/खोलने का स्थान	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004	जवाहर कला केन्द्र, जयपुर जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर - 302004
12	बोली की वैद्यता अवधी	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस	बोली जमा कराने की तिथी से 90 दिवस
13	आपूर्ति अवधि	आपूर्ति आदेश दिये जाने पर ग्राफिक स्टूडियो एवं कार्यालय उपयोग हेतु स्टेशनरी/आर्ट एण्ड क्राफ्ट सामग्री स्टोर अनुभाग को निर्देशित अवधि में आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।	आपूर्ति आदेश दिये जाने बैनर/फ्लेक्स प्रिन्टिंग से संबंधित कार्य कार्यक्रम तिथि से 2 दिवस पहले अथवा निर्देशानुसार निर्धारित स्थान पर लगाया जाना अनिवार्य होगा।	आपूर्ति आदेश दिये जाने पर विभिन्न प्रकार के मुद्रण पोस्टर, ब्रोशर, निमंत्रण पत्र, पम्पलेट, टिकट, प्रमाण-पत्र, पहचान-पत्र इत्यादि से संबंधित कार्य कार्यक्रम तिथि से 2 दिवस पहले अथवा निर्देशानुसार निर्धारित स्थान पर लगाया जाना अनिवार्य होगा।
14	बोली हेतु अधिकृत अधिकारी	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र,जयपुर	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर	अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर

1. बोली दाता, बोली दस्तावेज में उल्लेखित निर्धारित समयावधि में जवाहर कला केन्द्र, जयपुर के स्टोर अनुभाग से बोली शुल्क जमा करवाकर बोली प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं,या स्वयं जवाहर कला केन्द्र की वेबसाइट से डाउनलोड करने की स्थिति में बोली शुल्क जरिये डिमाण्ड ड्राफ्ट (अतिरिक्त महानिदेशक, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर) जमा कराना होगा। बोली शुल्क व बोली प्रतिभूति राशि के अभाव में बोली दाता को तकनीकी रूप से असफल माना जायेगा व उनकी वित्तीय बोली स्वीकार नहीं की जायेगी। उक्त कार्य के संबंध में किसी प्रकार की सूचना एवं स्पष्टीकरण हेतु किसी भी कार्य दिवस में इस कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।
2. बोली प्रस्ताव पूर्ण रूप से भरा हुआ मय हस्ताक्षर एवं संलग्नों के साथ उपरोक्तानुसार निर्धारित तिथि तक इस कार्यालय के सहायक अभियन्ता के कक्ष में रखे सील-बंद बाक्स में निर्धारित समय एवं तिथि पर जमा करावें। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त बिड बिना किसी विचार के निरस्त कर दी जावेगी। बोली प्राप्त होने में हुई देरी के लिये विभाग किसी भी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।

अतिरिक्त महानिदेशक
जवाहर कला केन्द्र, जयपुर
राज.संवाद/सी/25/2310

गोपालपुरा बाईपास पर आधी अधूरी मिलिंग बन रही हादसों का कारण

कई वाहन चालक फिसल कर दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं, दस दिन से आधा अधूरा काम छोड़ हुआ है

जयपुर। गोपालपुरा बाइपास पर हो रही आधी अधूरी मिलिंग से दुपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। जेडीए के जोन 5 में गोपालपुरा बाइपास पर सड़क पर डामर बिछाने का काम चल रहा है।आतिश मार्केट के पास गंगा जमुना पेट्रोल पंप से लेकर निर्माण नगर और श्यामनगर जाने वाली सड़क पर पुरानी डामर हटाने का काम चल रहा है। डामर हटाई तो है लेकिन वो भी आधी अधूरी है। इससे सड़क पूरी तरह से साफ नहीं हो पाई है। डामर के मोटे-मोटे पेच अभी भी सड़क पर बिछे हुए हैं।

चालीस एमएम हटानी थी, दस में काम चलाया

सड़क से पुरानी डामर हटाई जाती है तो वह चालीस एमएम तक हटानी पड़ती है जिससे पुरानी डामर पूरी तरह साफ होकर जीएसबी दिखने लगे। इसके बाद नई डामर बिछाने का काम होता है जिससे सड़क में पकड़ भी बनती है और काम भी बेहतर होता है।

मौके पर मौजूद प्रत्यदर्शियों ने बताया कि सड़क पर किनारे-किनारे तो डामर हटाई हुई दिख रही है लेकिन सड़क के बीच में पुरानी डामर और मोटे मोटे पेचवर्क दिख रहे हैं। इससे पूरी सड़क का अलायनमेंट बिगड़ गया है। वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। फिसल कर गिर रहे हैं। कईयों के तो चोट भी आ गई है।

इंजीनियर मौके पर नहीं

मौके पर हालात को देखते हुए लग रहा है कि जोन के एक्सईएन, एईएन मौके पर जाकर नहीं देखते। ठेकेदार गोकुलनाथ ने यहां डामर बिछाने और पुरानी डामर हटाने का काम ले रखा है। पुरानी डामर जिस तरीके से आधी अधूरी हटाई है उसे देख कर नहीं लग रहा कि यहां किसी नौसिखिए ने काम कराया है। मिलिंग मशीन से डामर हटाई तो है लेकिन पूरी चालीस एमएम डामर नहीं हटाई है। कहीं पर सड़क ऊंची है तो कहीं नीची है। साथ ही डामर हटाने के बाद सड़क को भी साफ नहीं किया जिससे सड़क पर कंक्रीट फैली हुई है। मोड पर घुमाव के वक्त दुपहिया वाहन चालक जैसे ही ब्रेक लगाते है तो गाड़ी फिसल जाती है।

कई दिन से आधा अधूरा काम

इस सड़क पर कई दिनों से आधा अधूरा काम पड़ा हुआ है।

सड़क पर मिलिंग करके छोड़ दिया है जिससे वाहन चालक का बैलेंस बिगड़ रहा है।

वाहन ढंग से नहीं चल पा रहे हैं और फिसलकर दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। यहां पूरी तरह अब तक तो पूरी तरह से मिलिंग होकर नई सड़क भी बन जाती है।

नई सड़क भी पुरानी लगने लगी

गोपालपुरा बाइपास पर आतिश मार्केट के सामने नई सड़क बनी है। इस सड़क में डामर की मात्रा इतनी कम है कि सड़क सफेद दिखाई देने लगी है। गोपालपुरा बाईपास से रोजाना करीब पचास हजार वाहन गुजरते है। ऐसे में यहां 40 एमएम की मोटी डामर वाली सड़क बननी चाहिए थी। ठेकेदार गोकुलनाथ ने इतना हलका और घटिया काम किया है कि सड़क सफेद दिखाई देने लगी है।

सड़क की मोटाई लगभग 18-20 एमएम है जिसमें डामर की मात्रा 2.5 प्रतिशत दिखाई दे रही है।

सड़क बनाने के एक महीने में ही यह सफेद दिखाई देने लगी है जिसमें डामर साफ हो गई है और कंक्रीट दिखाई दे रही है।

अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए सहित एक तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए की तस्करी करने वाले सप्लायर को पकड कर उसके पास से 7.08 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए और परिवहन में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए पचास हजार रुपये आंकी गई है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने बगरू थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए की तस्करी करने वाले सप्लायर संजय गुर्जर निवासी मोखमपुरा जिला जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया है और उसके पास से पचास हजार रुपये कीमत की 7.08 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए और परिवहन में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित यह अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए छोटू गुर्जर निवासी अवानिया से लेकर आया है। जिसकी वह छोटी-छोटी पुडिया बना कर मणिपाल यूनिवर्सिटी के आसपास छात्र-छात्राओं को अपनी बाइक से घूम-घूम कर बेचता है। पुलिस आरोपी से अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ कर रही है।

सार-समाचार

मोबाइल चोरी करने वाली मेरठ गैंग का शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ध्यान भटका कर कार में से मोबाइल चोरी करने वाली सक्रिय मेरठ गैंग के एक शातिर बदमाश को पकडा है। पुलिस ने आरोपी के पास से मोबाइल सहित चार लाख रुपये के तीन मोबाइल भी बरामद किए गए है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गांधी नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ध्यान भटका कर कार में से मोबाइल चोरी करने वाली सक्रिय मेरठ गैंग के शातिर बदमाश रिजवान उर्फ रज्जू निवासी मेरठ (यूपी) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से दो आईफोन सहित एक सैमसंग मोबाइल जब्त किए गए है। जिनकी बाजार कीमत चार लाख रुपये है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने का आदि है और नशा पूर्ति के लिए राहगीरों का ध्यान भटका कर उन्हे चकमा देकर कार से मोबाइल चोर करके अपने साथियों के साथ बैठकर मेरठ फरार हो जाते है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

गौरांशी राठौड़ ने प्राप्त किए 94 प्रतिशत अंक

जयपुर। सेंट एंजिला सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा गौरांशी राठौड़ ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। गौरांशी राठौड़ का कहना है कि वह एक अच्छी प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहती हैं। उनका कहना था कि परीक्षा में तबीयत खराब होने के कारण उसके नंबर कम आए हैं। उसे 95 प्रतिशत से अधिक अंक आने की उम्मीद थी। वह अपनी सफलता का श्रेय अपनी बड़ी बहन मुस्कान राठौड़ और अपने ताऊजी डॉक्टर वीरेंद्र राठौड़ को देती हैं जिनकी प्रेरणा से सफलता हासिल कर रही हैं।

विज्ञान शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। बीआईटी मेसरा में रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री एवं जिला परिषद जयपुर द्वारा विज्ञान शिक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा (जयपुर कैंपस) में 12 व 13 मई को हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. पीयूष तिवारी और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. पुनीत शर्मा की उपस्थिति में हुआ, जिन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। यह आयोजन रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी) के 'यूसुफ हमीद इंस्पिरेशनल साइंस प्रोग्राम' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य विज्ञान शिक्षकों को सक्रिय शिक्षण तकनीकों से परिचित कराना था रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री बेंगलुरु की ओर से 3 ट्रेनरों द्वारा कार्यशाला में सहयोग किया गया। कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क था और इसमें जयपुर व आसपास के सरकारी एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के 227 से अधिक विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का आरंभ पहले दिन सुबह 10 बजे हुआ, जिसमें 'सक्रिय शिक्षण की ओर बढ़ना' नामक सत्र में शिक्षकों को पारंपरिक शिक्षण विधियों से हटकर अधिक सहभागिता-आधारित तकनीकों से परिचित कराया गया। शिक्षकों ने समूहों में कार्य कर कक्षा योजनाओं का निर्माण किया और उन पर आधारित गतिविधियां प्रस्तुत कीं।

समीक्षा माथुर को पी.एच.डी.

जयपुर। समीक्षा माथुर को मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर की ओर से पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उन्हें यह उपाधि 'चार्टिंग द कॉन्ट्ययूर्स ऑफ लीगल पर्सनैलिटी एंड रेस्पॉन्सिबिलिटी ऑफ इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन्स विद स्पेशल रेफरेंस टू ग्लोबल हेल्थ इमर्जेंसीज' विषय पर शोध के लिए दी गई। उन्होंने अपना शोध कार्य डॉ. सोनू अग्रवाल के निर्देशन में पूरा किया है।

'गुरु की कृपा से प्रभु की प्राप्ति संभव'

जयपुर। गंगवाल पार्क, आदर्श नगर में आयोजित भागवत कथा में ललित सम्प्रदायाचार्य महंत संजय गोस्वामी ने कहा कि गुरु की कृपा से ही प्रभु की प्राप्ति संभव है, प्रह्लादजी को बचपन से ही श्री नारदजी ने प्रभु भक्ति में लगा दिया था जो प्रभु प्राप्ति में सहायक बना और साथ ही कहा कि भगवान की भक्ति निर्भय होकर करनी चाहिए।

जांच में विभिन्न फर्मों के 52 में से 24 सैंपल अमानक पाए गए

जयपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के खाद्य सुरक्षा दल ने 3 मार्च से 13 मार्च तक चलाए गए विशेष होली अभियान के तहत विभिन्न फर्मों के 52 नमूने जांच हेतु लिए थे जिसके बाद जांच में 52 में से 24 नमूने अमानक स्तर के पाए गए हैं। इनमें से 3 फर्मों के नमूने अनसेफ और 17 फर्मों के 21 नमूने सब-स्टैण्डर्ड पाए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि कार्यवाही में लिए गए 52 नमूनों में से 24 नमूने अमानक पाये गये। सीएमएचओ डॉ. शेखावत ने बताया कि सभी अमानक पाये गये प्रकरणों को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाना प्रक्रियाधीन है। अनसेफ पाए गए प्रकरणों में सजा का प्रावधान है एवं सब स्टैण्डर्ड पाये गये प्रकरणों में जुर्माने का प्रावधान है।

अतिक्रमण हटाकर आठ ट्रक सामान जब्त

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की सतर्कता शाखा ने बुधवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए आठ ट्रक सामान जब्त किया है। इस सम्बन्ध में हेरिटेज निगम सतर्कता शाखा उपायुक्त पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव और आयुक्त अरुण हसीजा के निर्देश पर बुधवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें दस्ते ने परकोटे में बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, घी वालों का रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, चांदपोल, खजाने वालो का रास्ता, कल्याण जी का रास्ता, शास्त्री नागर, मदीना कालोनी आदि स्थानों पर कार्रवाई की और सड़क और फुटपाथ पर हो रहे अस्थाई अतिक्रमण को हटा सामान जब्त कर निगम के गोदाम में जमा करा दिया। उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इस दौरान बाजार में व्यापारियों को माइक के जरिए अतिक्रमण नहीं करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि आगे भी अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नृत्य नाटिका से जीवंत हो उठी राजस्थानी संस्कृति

जयपुर। नृत्यांशी कला सोसायटी जयपुर की ओर से जवाहर कला केंद्र के रंगायन ऑडिटोरियम में नारी रो कल-आज नृत्य नाटिका आयोजित की गई। इस दौरान 21 महिलाओं को आइडियल वूमेनिया अवॉर्ड से नवाजा गया।

आतंकवाद पर भारत ने जीरो टॉलरेंस के संकल्प को क्रियान्वित कर दिखाया : फेंस

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (फेंस) जयपुर चेप्टर की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मलेन में फेंस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुज माथुर, जयपुर चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल, उपाध्यक्ष एडवोकेट देवेश कुमार बंसल एवं महासचिव पुष्कर उपाध्याय ने संबोधित किया।

जयपुर। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच जयपुर चेप्टर ने आतंकवाद के विरुद्ध पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल एवं अन्य अर्धसैनिक बल, गुप्तचर, वैज्ञानिक एवं तकनीकी एजेंसियों की "ऑपरेशन सिन्दूर" द्वारा की गई अदम्य सटीक प्रहार क्षमता की सराहना की है।

स्वास्थ्य कल्याण गामा भवन जयपुर में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच (फेंस) जयपुर चेप्टर की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मलेन में फेंस के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ले.ज. (रि.) अनुज माथुर, जयपुर चेप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल, उपाध्यक्ष एडवोकेट देवेश कुमार बंसल एवं महासचिव पुष्कर उपाध्याय ने एकमत से जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को की गई निर्दोष नागरिकों की जघन्य हत्या के अपराधी पाकिस्तानी सैन्य प्रमुख सैयद असीम मुनीर अहमद शाह पर निर्मम हत्या का मुकदमा चलाए जाने और पाकिस्तान सरकार से उसे भारत को सुपुर्द करने की मांग की

डॉ. एस एस अग्रवाल ने कहा कि फेंस ने भारत सरकार से सीमावर्ती क्षेत्र में सैनिकों और वहां रह रहे नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यकता के अनुसार बंकरों की संख्या बढाई जाने की अनुशंषा की हैं फेंस ने ऑपरेशन सिन्दूर के घटनाक्रम में भारतीय सेना की अदम्य साहस और ऑपरेशन की सफलता को विद्यालयों तथा विश्व विद्यालयों के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किये जाने की भी अनुशंषा की है

सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि भारत सरकार और प्रशासन के अभूतपूर्व एकीकृत अभियान ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के अनेक ठिकाने, प्रशिक्षण गृह और कैंपों को ध्वस्त करके ऐतिहासिक विजय प्राप्त कर न केवल पहलगाम में इस्लामिक आतंकवादियों द्वारा निर्दोष भारतीयों की धर्म पूछकर नृशंस हत्या करने पर उन्हें कठोर सबक सिखाया है साथ ही भारत ने आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस के अपने संकल्प को भी क्रियान्वित कर दिखाया है।

जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आज

जयपुर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 15 मई को जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स को दिया गया आपात स्थिति से निपटने का प्रशिक्षण

- सक्षम जयपुर अभियान के तहत जागरुकता कार्यशाला
- श्री भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान में नागरिक सुरक्षा विभाग ने किया आयोजन

जयपुर। नियंत्रक आपदा प्रबंधन एवं जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिले में नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को सीकर रोड स्थिति श्री भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान में आपदा प्रबंधन जन जागरुकता कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुदेशकों ने सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स को आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान बचाव एवं उपायों की जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया।

उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा अमित शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण एवं युद्ध काल के दौरान बचाव के तरीकों से रूबरू करवाया गया। साथ ही ब्लैकआउट के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारियां दी गई। इस दौरान आपातकालीन बचाव पद्धितयों, सीपीआर, बेसिक फायर एवं फायर एक्सटिंग्विशर संचालन अभ्यास भी करवाया गया।

उन्होंने बताया कि जयपुर सक्षम अभियान के तहत नागरिक सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में जिले के अलग-अलग स्थानों पर प्रतिदिन नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आमजन को हर आपात परिस्थिति में स्वयं एवं अन्य लोगों के बचाव के लिए बुनियादी प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही आपात स्थिति में क्या करें क्या ना करें गाइडलाइन की भी जानकारी प्रदान की जा रही

बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन प्लानिंग के साथ तय समयावधि में पूरा करे : राजन विशाल

- 'योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र किसानों को दिया जाये'

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, हरियालो राजस्थान कार्यक्रम, मिशन कर्मयोगी पोर्टल, विधानसभा प्रश्न और ई-फाईल सहित अन्य विषयों की प्रगति की समीक्षा की।

शासन सचिव ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं को पूरी प्लानिंग से टाईम लाईन बनाकर तय समयावधि में पूर्ण करें। योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र किसानों को दिया जाये।उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर पात्र कृषकों को लाभान्वित करें, जिससे किसान विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी उपज और आमदनी में वृद्धि कर सके।

बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, बीज मिनिकिट वितरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, मृदा शक्ति संवर्धन योजना, पॉली हाऊस, ग्रीन हाऊस, ड्रिप, स्प्रिंक्लर इरिगेशन, प्याज भण्डार गृह, सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र स्थापना सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने बैठक में हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत कृषि विभाग द्वारा लगाये जा रहे पौधों की भी समीक्षा की। इसके साथ ही राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्ट समिट के तहत हुए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के एमओयू की प्रगति की भी समीक्षा की।बैठक में आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (रसायन) एच.एस. मीणा, संयुक्त निदेशक उद्यान (विस्तार) राजेन्द्र सिंह सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अवनी जैन को 94 फीसदी अंक मिले

जयपुर। पल्ल्वी जैन ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में 93.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किये है।

दो नशा कारोबारी चढे पुलिस के हत्थे

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के मौजमाबाद थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने एक होटल में दबिश की कार्रवाई करते हुए दो नशा कारोबारियों को पकड़ा और उनके पास से 392 ग्राम अफीम और 1.20 किलोग्राम डोडा-चूरा सहित छिलका भी जब्त किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। मौजमाबाद थाना पुलिस और डीएसटी ने थाना इलाके में स्थित हरिओम चौधरी होटल तन नासनोदा में दबिश देकर नारायण जाट और हनुमान राम को गिरफ्तार किया है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सेना और प्रधानमंत्री का जताया जाएगा आभार : रामलाल शर्मा

तिरंगा यात्रा 15 को, सीएम भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ होंगे शामिल: भूपेंद्र सैनी

जयपुर। भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा 15 मई को निकाली जाएगी। जयपुर के अल्बर्ट हॉल से शुरू होने वाली यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ उपस्थित रहेंगे।

तिरंगा यात्रा अभियान के प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि प्रदेशभर में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रति जबरदस्त समर्थन है। आमजन के इस उत्साह और जोश को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रदेश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अगुवाई में होने वाली इस तिरंगा यात्रा में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकी और पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देने वाले कुशल नेतृत्वकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सेना के प्रति आभार जताया जाएगा।

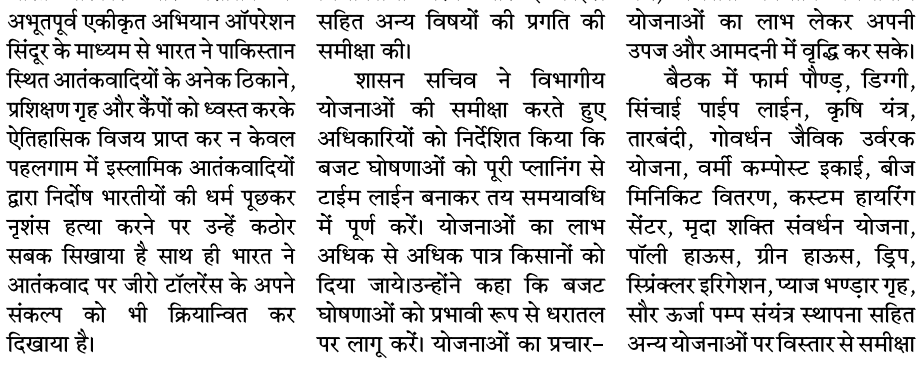

तिरंगा यात्रा के लिए तैयारी बैठक में प्रदेश समन्वयक भूपेन्द्र सैनी और जयपुर संभाग समन्वयक रामलाल शर्मा मौजूद थे।

तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस यात्रा की व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई।

तिरंगा यात्रा अभियान के जयपुर संभाग समन्वयक एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सेना और प्रधानमंत्री का आभार जताया जाएगा।

यात्रा गुरुवार सुबह 10 बजे अल्बर्ट हॉल से शुरू होगी और बड़ी चौपड़ तक जाएगी। यात्रा न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए चौपड़ पर संपन्न होगी। वहां पर भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और शौर्य को सलाम करते हुए देश की सुरक्षा के लिए जवानों का आभार व्यक्त किया जाएगा।

बैठक में तिरंगा यात्रा प्रदेश समन्वयक अंकित चैची, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह, हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य, पूर्व विधायक एवं तिरंगा यात्रा जयपुर संभाग समन्वयक रामलाल शर्मा, विमल अग्रवाल, रघुनाथ नरेडी, प्रेम सिंह बनवासा, जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल, जयपुर देहात उत्तर अध्यक्ष सुरेश सैनी, जयपुर देहात दक्षिण अध्यक्ष राजेश गुर्जर, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश प्रवक्ता डॉ अपूर्वा सिंह, नगर निगम जयपुर हैरिटेज महापौर कुसुम यादव, नगर निगम जयपुर ग्रेटर उपमहापौर पुनीत कर्णावट, भवानी सिंह राजावत, पूर्व मीडिया संयोजक विमल कटियार, आदर्श नगर विधानसभा प्रत्याशी रवि नैय्यर, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती, विधि प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक सौरभ सारस्वत, जयपुर शहर महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह पुरूवंशी, मुकेश राष्ट्रवादी आदि उपस्थित रहे।

पार्कों में गुणवत्ता पूर्ण हो रख रखाव और विकास कार्य : पूनम शर्मा

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की उद्यान समिति चेयरमैन पूनम शर्मा ने बुधवार को समिति के सदस्यों के साथ बैठक की।

बैठक में उद्यानों से संबंधित विकास कार्यों के एजेंडों पर चर्चा की गई और निगम अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।

चेयरमैन पूनम शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम क्षेत्र में लगभग 250 पार्क आते है। जिनमें आमजन अच्छे स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रकृति और वातावरण के नजदीक जाता है। ऐसे में हमें सभी पार्कों के सफाई व्यवस्था सुदृढ करनी चाहिए, साथ ही जिन पार्कों में मरम्मत कार्य और सौंदर्यकरण कार्य होना चाहिए, वहां गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराएं जाएं। उन्होंने कहा कि अब पार्कों के विकास कार्य कागज में नहीं धरातल पर दिखने चाहिए। साथ ही चेयरमैन पूनम शर्मा ने बताया कि मानसून सीजन आने वाला है, ऐसे में इस बार वृहद स्तर पर पौधारोपण कोई जाएं, जिसमें जनप्रतिनिधि, आमजन, नागरिक विकास समिति, मोहल्ला समिति, एनजीओ, संस्थाओं का सहयोग लिया जाएं।

TSC Global Awareness Day: Spreading Hope and Knowledge

TSC Global Awareness Day, observed annually on May 15, aims to raise awareness about Tuberous Sclerosis Complex (TSC), a rare genetic disorder that causes non-cancerous tumours to grow in vital organs like the brain, heart, kidneys, and skin. This day is dedicated to educating the public, supporting affected families, and promoting early diagnosis and research. With no known cure, TSC impacts each person differently, making awareness and understanding critical. Global landmarks are lit in blue to honour those living with TSC and to inspire hope. Together, we can shine a light on TSC and push for progress.

#THE MEME ECONOMY

Turning Online Humour into Real Income

How digital creators are monetizing internet humour through content strategy, brand partnerships, and social media virality.

In the digital era, humour has become more than just a form of entertainment, it has evolved into a viable career path. Memes, once confined to casual internet culture, are now central to a growing industry where online humour translates into real income. The rise of social media platforms like Instagram, YouTube, and X (formerly Twitter) has paved the way for meme creators to generate revenue through a mix of content creation, influencer marketing, and brand collaborations.

At the core of this shift is the increasing value that brands place on relatability and engagement. Unlike traditional advertising, memes offer bite-sized content that's instantly shareable and emotionally resonant. Their ability to convey messages quickly and humourously makes them an effective marketing tool, especially among younger audiences. This demand has led to the emergence of a new kind of digital professional: the meme strategist.

Meme creators often begin by building niche pages or personal brands around specific themes, pop culture, social commentary, workplace humour, or everyday struggles. Once a significant follower base is established, monetization opportunities follow. Common income sources include sponsored posts, affiliate marketing, paid partnerships, platform-based monetization (such as Instagram Reels bonuses or YouTube ad revenue), and merchandise sales.

Many creators operate anonymously, running meme pages that cater to highly specific demographics. These micro-communities offer valuable targeting for advertisers, who seek out these creators for their influence within certain segments. Meme pages that maintain consistent engagement often attract attention from startups, tech firms, lifestyle brands, and even traditional companies looking to modernize their digital presence. The mechanics of success in this field are rooted in timing, creativity, and data. Viral

content depends on cultural relevance and algorithmic reach. Meme creators track performance metrics like engagement rate, shares, reach, and audience retention to refine their content strategy. The goal is to balance humour with visibility while maintaining an authentic voice.

Brands have also adapted by incorporating meme culture into their marketing strategies. Several companies now employ social media teams dedicated to trendspotting and meme creation. These teams develop campaigns that mimic the organic humour of internet culture while subtly promoting products or services.

However, the profession is not without its challenges. The need for constant creativity and quick responsiveness to trends can lead to content fatigue and burnout. Meme creators must also navigate evolving platform policies, copyright considerations, and audience expectations.

Despite these challenges, the meme economy continues to grow. Influencer marketing reports indicate significant year-on-year growth in digital content monetization, with humour-based accounts among the highest-performing categories. As audiences seek authentic, entertaining content over traditional promotions, meme creators are well-positioned to thrive. What was once a casual pastime has now become a structured, monetizable craft. Internet humour, in its many formats, has carved out a legitimate space in the creator economy, transforming laughter into livelihood and redefining the future of digital careers.

Osman Ali Khan, the last Nizam with Jawaharlal Nehru.

The Nizam also made unsuccessful attempts to seek intervention of the United Nations. Nizam by a cablegram, dated 21 August 1948, approached the United Nation's Security Council under Article 35 (2) 'that a grave dispute had arisen between Hyderabad and India, which unless settled in accordance with the international law and justice, was likely to endanger the maintenance of International peace and security and bound to create Communal war through Indian subcontinent.' Jose Arce, the Argentinean delegate to the U.N. Security Council, took strong objection at the Indian Government's act of Army action on Hyderabad State. He described that, "The March of the Indian troops on the Capital of Hyderabad reminds me of the March of Italian troops towards the Abyssinian Capital."

Osman Ali Khan, the last Nizam with Jawaharlal Nehru.

Operation Polo

Story of Hyderabad

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

Sardar Patel, the Liberator of the State of Hyderabad, being welcomed by the Nizam of the Hyderabad.

Labelled 'one of the shortest, happiest wars ever seen,' the integration of the princely state of Hyderabad in 1948 was anything but that. Read about the truth behind the creation of an Indian Union, the fault lines left behind, and what they signify.

In 1947, when the British left and India became Independent, the princely states had the choice/option to either join India or Pakistan or remain independent. Being one state not under the British rule, Hyderabad opposed the idea of a merger with India in 1947. Home Minister Sardar Patel requested Osman Ali Khan Asaf Jah VII, the last Nizam of the princely, to join India, but he refused. Instead, he declared Hyderabad as an independent nation (Azad Hyderabad) on August 15, 1947. Lord Mountbatten proposed the Heads of Agreement deal in June 1948, which gave Hyderabad the status of an autonomous dominion nation under India. India was ready to sign the deal and did so but the Nizam refused on the grounds that he wanted complete independence or the status of a dominion under the British Commonwealth of Nations.

Initially targeting zamindars and deshmukhs, the Communists soon launched a full-scale revolution against the Nizam. Beginning in mid-1946, the Razakar-Communist battle became increasingly violent, with both sides using cruel tactics. Fear of a Communist state and accession, Hyderabad signed a ceasefire agreement with the dominion of India in November 1947, preserving all prior agreements save for the stationing of Indian soldiers in the state. Hyderabad broke the agreement in all areas: foreign affairs, defence, and communications, interfering with border and railway trade, and secretly lending Pakistan 15 million pounds. The authorities of the new Dominion of India were fearful of India becoming Balkanized if Hyderabad remained independent. According to A G Noorani, Indian Prime Minister Jawaharlal Nehru was concerned with putting an end to what he referred to as Hyderabad's 'secessionist effort,' but he preferred negotiations and viewed military action as the last choice. Home Minister Sardar Patel, on the other hand, took a firm position and had no tolerance for negotiations, ordering the seizure and annexation of Hyderabad. India invaded the state on September 13, 1948, following a crushing economic blockade, fearful of the establishment of a Communist state in Hyderabad and the rise of violent Razakars. The Nizam then signed an instrument of accession, thereby joining India.

The secret arms collection of Nizam from Pakistan, unabated atrocities of Razakars and the rising sway of the Communists over thousands of villages hastened the Union Government for a forcible accession of the Hyderabad State. In particular, the Government of India was alarmed at the fast growing strength of the Communist Party in Telangana region. In the summer of 1948, Indian officials, especially Patel, signaled an armed action against Hyderabad. Britain encouraged India to resolve the issue without the use of force, but refused Nizam's requests for help.

Jayanto Nath Chaudhuri (L) talking with Syed Ahmed El Edroos.

#HISTORY

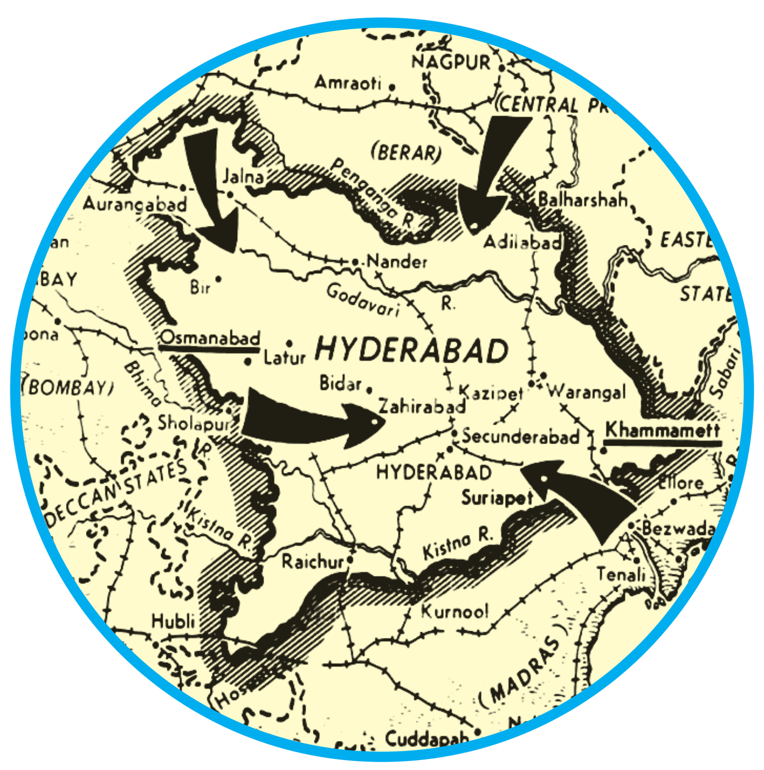

Seeking UN intervention

The Nizam also made unsuccessful attempts to seek intervention of the United Nations. Nizam by a cablegram, dated 21 August 1948, approached the United Nation's Security Council under Article 35 (2) 'that a grave dispute had arisen between Hyderabad and India, which unless settled in accordance with the international law and justice, was likely to endanger the maintenance of International peace and security and bound to create Communal war through Indian subcontinent.' Jose Arce, the Argentinean delegate to the U.N. Security Council, took strong objection at the Indian Government's act of Army action on Hyderabad State. He described that, "The March of the Indian troops on the Capital of Hyderabad reminds me of the March of Italian troops towards the Abyssinian Capital." The idea of Hyderabad arming itself aided by Pakistan did not go down well with the Indian Government. Sardar Patel described the idea of an independent Hyderabad as 'an ulcer in the heart of India which needed to be removed surgically.' India decided to annex Hyderabad. This operation was named Operation Polo, and at times, it was also referred to as Operation Caterpillar. Though it was only a five-day war that began on September 13 and lasted till September 18, it was significant as the Indian Army took over a powerful state and Hyderabad was ceded to India.

Emergency declared

A state of Emergency was declared when 36,000 Indian troops entered Hyderabad because the government was apprehensive about how the rest of India would react. It is estimated that 32 were killed and 97 injured on the Indian side and 490 killed and 122 wounded from Hyderabad. The Commander-in-Chief of Armed Forces, General Roy Boucher opposed the military action against Hyderabad due to preoccupation of army in Kashmir. However, the troops were commanded by Major General J N Choudhary. It was a two pronged attack, the main force moving along the Sholapur-Hyderabad road covering a distance of 186 miles, while another division commanded by Major General Rudra marched along the Vijayawada-Hyderabad Road. On 9th of September 1948, the Nehru's government took the decision to resort to Police Action to remove 'the cancer of Hyderabad in the belly of India.'

The Indian Army under the overall supervision of Lt. General Rajendra Singh, General Officer Commanding-in-Chief, Southern Command entered into Hyderabad on the morning of 13th September, 1948. Though they gave a little resistance during the first two days, the Razakars and Nizam's forces fled from the field. On 17th September, 1948, the Nizam's forces, under the command of Syed Ahmed El-Edroos, surrendered to the government of India. The Nizam accepted his defeat and Hyderabad became a part of Indian Union.

After the Police Action, the Nizam informed the UN Secretary-General by cablegram, dated 22 September 1948, that he had withdrawn the complaint and that the delegation to the Security Council, which had been sent at the instance of his former government, had ceased to have any authority to represent him or his State. With the surrender of Nizam and Hyderabad state, the last and the biggest princely State of India had become an integral part of the Indian Union.

rajeshsharma1049@gmail.com

From Independence to Integration, Sardar Patel's Role In Unifying Hyderabad.

#LIFESTYLE

Wake Up, Naturally!

Ditch the Coffee, 7 Simple Habits to Boost Your Morning Energy the Natural Way!

Let's be honest, mornings can be rough. The alarm rings, you hit snooze (once, maybe twice), and then drag yourself out of bed with a groggy brain and a to-do list that's already overwhelming. For many, the first instinct is to reach for a steaming cup of coffee. But what if you could energize your mornings without relying on caffeine?

Whether you're cutting back on coffee, trying to beat the crash, or just curious about natural energy boosts, here are 7 tried-and-true ways to supercharge your mornings, no coffee required.

1. Hydrate

Your body is slightly dehydrated when you wake up, and that sluggish feeling could be due to a lack of water, not a lack of caffeine. Drinking a glass of water first thing in the morning helps jump-start your metabolism, flush out toxins, and rehydrate your cells.

Pro Tip: Add a slice of lemon or a pinch of sea salt to your water for an extra kick of electrolytes.

2. Let the Light In

Natural light is your body's best alarm clock. Exposure to sunlight triggers your brain to stop producing melatonin (the sleep hormone) and increase serotonin (the mood and focus hormone). Within minutes, you'll feel more alert and motivated.

What to Do: Open the curtains as soon as you wake up. If it's still dark outside, consider using a daylight-simulating lamp to mimic sunrise.

3. Move Your Body

Exercise might be the last thing you feel like doing in the morning, but even five minutes of movement can work wonders. Stretching, yoga, or a brisk walk can boost blood circulation, release endorphins, and shake off that morning grogginess.

Quick Fix: Try a short 'wake-up workout' routine, 10 jumping jacks, 10 squats, 10 arm circles, and a 30-second plank.

4. Take a Contrast Shower

Nothing wakes up your nervous system like a contrast shower, alternating between hot and cold water. The cold water stimulates circulation, increases alertness, and gives your body a jolt of natural energy, while the warm water soothes muscles and promotes relaxation.

How to Do It: Start with warm water for a minute, switch to cold for 30 seconds, and repeat this cycle 2-3 times. End with cold water for a lasting energy boost.

5. Fuel Up Smartly

What you eat (or don't eat) in the morning plays a huge role in your energy levels. Skip the sugar-laden cereals and pastries, opt for a breakfast that balances protein, healthy fats, and complex carbs.

Top Choices:

- Greek yogurt with berries and nuts
- Whole grain toast with avocado
- A smoothie with spinach, banana, almond butter, and plant-based milk

These foods provide steady energy without the crash that often follows a sugary or carb-heavy breakfast.

6. Try Deep Breathing or Meditation

It might sound counterintuitive, but slowing down your breath can actually wake up your mind. Deep breathing sends oxygen to your brain and calms your nervous system, helping you feel more centered and clear-headed.

Quick Try: Use the 4-7-8 method, inhale for 4 seconds, hold for 7, and exhale slowly for 8. Repeat this 3-4 times. Meditation apps like Headspace or Insight Timer offer short, energizing morning sessions that can ground you before the day begins.

7. Set a Positive Intention

Sometimes, all you need to energize your day is the right mindset. Take a few moments each morning to set a simple, positive intention, something that gives your day direction and meaning.

Examples:

- "Today, I will focus on progress, not perfection."
- "I will bring calm to my chaos."
- "I will choose kindness, especially towards myself."

This gentle mental nudge sets the tone and gives you a sense of control, something that even caffeine can't always deliver.

Bonus: The Power of Routine
The real magic happens when you turn these habits into a consistent routine. When your body knows what to expect, it begins to work with you, not against you, in the morning. Experiment with these strategies and find the mix that works best for your lifestyle.

THE WALL

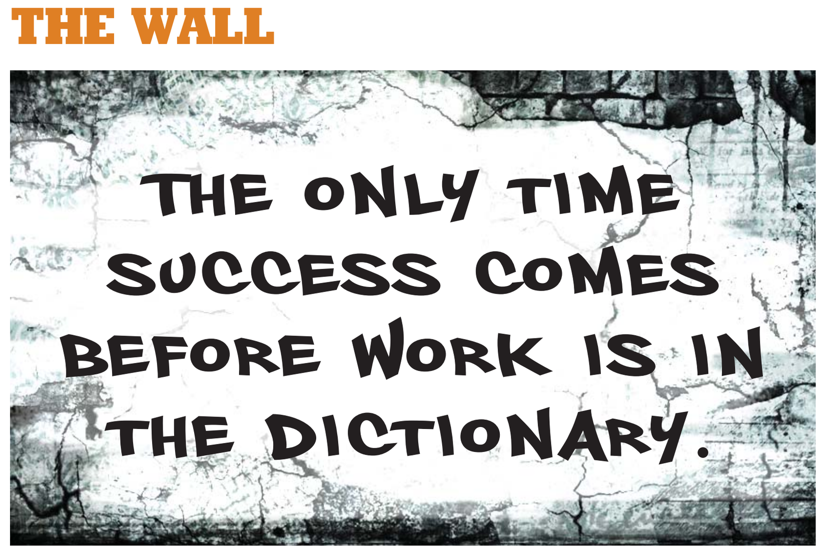

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

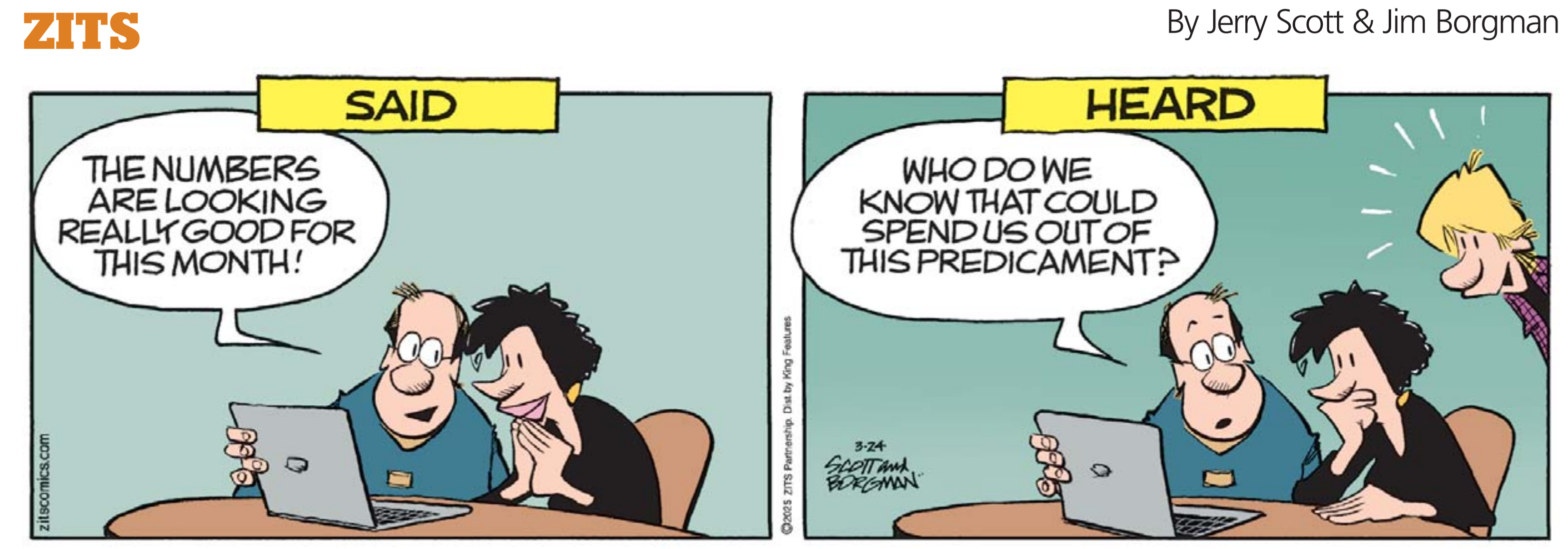

करोड़ों रूपये की ठगी का फरार इनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

आरोपी ने लोगों से प्रोपर्टी में निवेश कराकर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी

कोटा, (निसं)। लोगों से प्रोपर्टी में निवेश कराकर करोड़ों रूपयों की ठगी करने के मामले में फरार चल रहे इनामी आरोपी को रामपुरा कोतवाली पुलिस टीम ने जयपुर से गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि स्थाई वारंटी, फरारी काट रहे आरोपियों की धरपकड़ के लिये विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के तहत फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर समस्त थानों के थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। शहर एसपी ने बताया कि करोड़ों रूपयों की ठगी में फरार 5 हजार रूपये के इनामी स्थाई वारंटी आरोपी इरफान अंसारी ने लोगों को रूपये दुगने करने का सपना दिखाकर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी, जिसके विरूद्ध विभिन्न न्यायालयों में कई प्रकरण लम्बित है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से 16 वारंट जारी किये गये थे। जिसके कारण आरोपी इरफान अंसारी का रेंज स्तरीय मोस्ट वांटेड टॉप 10 सूची में चयन किया था। शहर एसपी ने बताया कि फरार ईनामी आरोपी की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक राजेश कुमार टेलर के निर्देशन में रामपुरा कोतवाली थाने के उपनिरीक्षक थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

रामपुरा कोतवाली पुलिस ने ठगी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

- आरोपी के खिलाफ विभिन्न न्यायालयों से 16 वारंट जारी किये गये थे, परिवार के साथ जयपुर में रह रहा था

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आरोपी के रिश्तेदारों में उसकी काफी तलाश की, लेकिन जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी इरफान अंसारी परिवार सहित कई वर्षो से फरार चल रहा है।

शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम को तकनीकी आधार व मुखबीर द्वारा आरोपी के जयपुर में खो-नागोरियन क्षेत्र में छुपे होने की सूचना मिली। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने खोनागोरियन क्षेत्र में आरोपी इरफान अंसारी के छुपने के संभावित ठिकानों पर रैकी कर आरोपी को जे.एन.यू. अस्पताल, खोनागोरिया जयपुर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी ने लोगो को प्रोपर्टी में निवेश कर रूपये दुगने करने के नाम पर करोड़ों रूपयों की ठगी की थी। पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

होटल से अवैध मादक पदार्थ सहित दो जने गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। मोखमपुरा पुलिस ने नशा कारोबारियों को गिरफ्तार कर उनके पास 392 ग्राम अफीम व 1 किलो 200 ग्राम डोडा-पोस्त चूरा बरामद किया है।

- अफीम व डोडा-पोस्त चूरा व छिलका जब्त किया

आनंद शर्मा उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने बताया कि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर अधिक से अधिक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में डीएसटी टीम जिला जयपुर ग्रामीण की आसूचना पर इलाका थाना मौखमपुरा में थानाधिकारी मौजमाबाद उमराव सिंह मय जाब्ता तथा डीएसटी टीम जयपुर ग्रामीण के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा आसूचना संकलन कर एनएच 48 पर नासनोदा के पास हरिओम चौधरी होटल तन नासनोदा पर दबिश देकर होटल में बैठे दो संदिग्ध व्यक्तियों नारणाराम पुत्र भूराराम जाट निवासी माचरों की ढाणी रामसर का कुआं थाना सिणधरी जिला बाड़मेर व हनुमान राम पुत्र ठाकराराम जाट निवासी देलुआ की ढाणी बनाकों का बेरा थाना सदर बाड़मेर जिला बाड़मेर की तलाशी ली तो व्यक्ति हनुमान राम के पास एक प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ अफीम 392 ग्राम मिला तथा दूसरे व्यक्ति नारणाराम की तलाशी ली तो उसके पास से प्लास्टिक की थैली में अवैध मादक पदार्थ 1 किलो 20 ग्राम डोडा-पोस्ट चूरा व छिलका मिला। दोनों नशे के कारोबारियों को बिना लाइसेंस व परमिट के मादक पदार्थ की सप्लाई करने पर मौके पर ही गिरफ्तार किया जाकर कब्जे से अफीम व डोडा-पोस्त चूरा व छिलका को जब्त किया गया तथा दोनों के खिलाफ पुलिस थाना मौखमपुरा पर एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ कहां से लेकर आते हैं तथा किस किसको सप्लाई करते हैं इसके संबंध में पूछताछ की जा रही है।

मोखमपुरा पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया।

गैस सिलेण्डर में आग लगी, किचन जला

कार्यक्रम के दौरान देवरानी-जेठानी खाना बना रही थी, लीकेज से पकड़ी आग

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार की सुबह एक घर में सामाजिक प्रोग्राम के चलते किचन में देवरानी-जेठानी काम वाली बाई के साथ मिलकर खाना बना रही थी। अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। घबराकर महिलाएं किचन से भागी। घरवालों ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। हिम्मत दिखाते हुए एक युवक जलता हुआ सिलेंडर मकान के फर्स्ट फ्लोर से लेकर बाहर आया और बुझाया। इस हादसे में पूरा किचन चल गया और कुछ बिस्तर भी जल गए। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

- एक युवक जलता हुआ सिलेंडर मकान के फर्स्ट फ्लोर से लेकर बाहर आया और बुझाया

एएसआई ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि पाली जनता कॉलोनी जाट छात्रावास के सामने की तरफ रहने वाले मनोज पंवार पुत्र लक्ष्मीनारायण पंवार के फूफाजी के देहांत होने पर बुधवार को उनके घर पर सामाजिक प्रोग्राम था। इसको लेकर उनकी पत्नी संतोष अपनी देवरानी ममता और काम वाली बाई के साथ मेहमानों के लिए खाना बना रहे थे। सुबह के करीब सवा सात बजे अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। घबराकर तीनों किचन से बाहर आ गई। मनोज पंवार दौड़ के मकान के फर्स्ट फ्लोर पर गया जहां किचन था। बिस्तर गीला कर सिलेंडर पर डाला लेकिन आग स्पीड से लग रही थी और सिलेंडर बुझा नहीं। पीड़ित मनोज पंवार ने घटना को लेकर गैस सिलेंडर एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया।

जैसलमेर : जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी ने बुधवार को शहर के रामगढ़ रोड स्थित सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ सीमा सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात की। इस अवसर पर बाड़मेर-जैसलमेर पूर्व सांसद कैलाश चौधरी, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, कंवराजसिंह, भाजपा जैसलमेर अध्यक्ष दलपत हिंगड़ा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर सीमा सुरक्षा बल के जवानों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी तथा उनके अदम्य साहस और देशभक्ति के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

नाबालिग किशोरी का पांच साल तक देहशोषण

अजमेर, (कासं)। अजमेर में एक नाबालिग किशोरी के साथ 5 साल तक दुराचार और ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है। पीड़िता ने गंज थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती कर उसे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने अश्लील फोटो-वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और बाद में शादी से इनकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता ने बताया कि कुछ साल पहले आरोपी ने सोशल मीडिया पर दोस्ती का प्रस्ताव रखा जिसे उसने ठुकरा दिया था। इसके बावजूद आरोपी ने संपर्क बढ़ाया और उसे प्रेमजाल में फंसा लिया। वह पीड़िता के घर आने लगा और परिवार की गैरमौजूदगी में शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। विरोध करने पर उसने शादी का झांसा दिया और दुराचार किया।

- पुलिस में शिकायत दी, शादी का झांसा देकर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया

पीड़िता ने बताया कि पांच साल तक आरोपी शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाता रहा। बाद में वह जॉब का बहाना बनाकर अजमेर से चला गया। जब पीड़िता ने संपर्क किया तो उसने शादी से इनकार कर दिया और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर जेएलएन अस्पताल में मेडिकल करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मेट को अश्लील मैसेज करने पर पालिका रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई की

परिजनों ने भी पालिका में जमकर हंगामा किया, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ

रूपवास, (निसं)। नगर पालिका में एक मेट के द्वारा रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई कर देने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर मेट के परिजनों ने भी नगर पालिका में जमकर हंगामा किया। इस घटना का एक वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात रोजगार सहायक ने मेट के नंबर पर गलत मैसेज किए थे। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद पुलिस रोजगार सहायक को थाने लेकर आई। नगरपालिका में काम कर रही मेट के भाई ने बताया कि कल रात करीब 10 बजे रूपवास नगर पालिका में तैनात रोजगार सहायक दिनेश चंद ने मेरी बहन को अश्लील वीडियो भेजे। मेरी बहन ने इसके बारे में मुझे बताया। इसके बाद में नगर पालिका पहुंचा और वहां मौजूद लोगों और अधिकारियों को रोजगार सहायक द्वारा किए गए मैसेज दिखाए, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और रोजगार सहायक दिनेश चंद को थाने ले गई।

रूपवास में नगर पालिका के रोजगार सहायक की चप्पलों से पिटाई की।

थानाधिकारी पन्ना लाल ने बताया कि सूचना मिली थी कि नगर पालिका में कोई विवाद हो रहा है। जाकर पता किया तो किसी दिनेश चंद का विवाद होना पाया गया। जिसके बाद दिनेश चंद को थाने लाया गया। दूसरे पक्ष ने अभी तक दिनेश चंद के खिलाफ कोई शिकायत नहीं दी है। वहीं नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी योगेश कुमार पिप्पल ने बताया कि सूचना मिली है कि नगर पालिका के रोजगार सहायक ने किसी लड़की को गलत मैसेज किए है। जिसके बाद तुरंत प्रभाव से रोजगार सहायक दिनेश चंद को भरतपुर नगर निगम के लिए रिलीव कर दिया गया। दिनेश चंद संविदा पर काम कर रहा था।

- पुलिस मौके पर पहुंची और रोजगार सहायक को थाने ले गई
- 'रोजगार सहायक दिनेश चंद को भरतपुर नगर निगम के लिए रिलीव किया, संविदा पर काम कर रहा था'

नंबर कम आने पर छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में एक दसवीं कक्षा के छात्र ने घर में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, जो कोटा में मां के साथ जवाहर नगर इलाके के तलवंडी क्षेत्र में किराये से रहकर पढ़ाई कर रहा था। मामले में जानकारी के अनुसार सीबीएसई दसवीं कक्षा का रिजल्ट घोषित होने के बाद छात्र ने यह कदम उठाया है। उसके दसवीं में 61 प्रतिशत नंबर आये थे। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि तलवंडी इलाके में एक दसवीं कक्षा के छात्र ने फांसी का फन्दा लगा लिया। जो अपनी मां के साथ रहता था पिता बाहर रहते हैं। जब मां ने उसे फंदे पर लटका देखा तो उसे अन्य लोगों की मदद से नीचे उतार कर निजी अस्पताल में ले गये जहां उपचार के दौरान छात्र की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में कार्यवाही पूरी कर मृतक छात्र के शव को परिजनों को सौंप दिया है।

- मृतक छात्र मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, किराये के मकान में रहता था

बाल विवाह रुकवाया

सलूंबर, (कासं)। जिला प्रशासन सलूंबर एवं गायत्री सेवा संस्थान की संयुक्त पहल से सराडा ब्लॉक के गांव बलुआ में हो रहा एक बाल विवाह समय रहते रोका गया।

गायत्री सेवा संस्थान के जिला समन्वयक पायल कनेरिया तथा फील्ड समन्वयक रमेश चौबीसा को सूचना प्राप्त हुई कि एक नाबालिग बालक का विवाह होने जा रहा है। सूचना मिलते ही प्रशासन को सूचित किया गया। तत्परता दिखाते हुए अतिरिक्त विकास अधिकारी केदार नारायण, सहायक विकास अधिकारी हरीश, ग्राम विकास अधिकारी नरेश कुमार प्रजापत, पटवारी गोकुलचंद मीणा मौके पर पहुंचे। मौके पर विवाह की पूरी तैयारियां चल रही थीं, टेंट लग चुका था और मेहमान भी पहुंच चुके थे। जब बालक के दस्तावेजों की जाँच की गई, तो यह स्पष्ट हुआ कि उसकी आयु मात्र 19 वर्ष है जबकि कानूनी रूप से विवाह हेतु न्यूनतम आयु 21 वर्ष होनी चाहिए। प्रशासन द्वारा परिवार को समझाइश की गई जिसके पश्चात परिजनों ने विवाह को स्थगित करने पर सहमति जताई और भविष्य में बालिग होने तक विवाह न करने का लिखित रूप में आश्वासन दिया। उसी समय टेंट हटवाए गए और विवाह की अन्य तैयारियां भी रुकवा दी गई।

अनूपगढ़ में बारिश के साथ गिरे ओले

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ में मौसम में अचानक बदलाव आया। तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हुई। इसके साथ चने के आकार के ओले भी गिरे। दिन में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास था। उमस भरे मौसम के बीच उत्तर-पश्चिम दिशा से तेज हवाएं चलीं। आसमान काले बादलों से ढक गया। हवा की तीव्रता से कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूट गई। करीब 30 मिनट तक मूसलाधार बारिश हुई। मौसम के इस बदलाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। नेशनल हाईवे 911 पर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा कारणों से बिजली विभाग ने बिजली आपूर्ति रोक दी। प्रशासन ने वाहन चालकों से धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की। किसानों को फसलों के नुकसान की चिंता है।

एएसआई की कार पलटी, एक हाथ टूटा

पाली, (नि.सं.)। पाली में कार पलटने से एएसआई का हाथ टूट गया और बॉडी में कई जगह चोटें आई। इलाज के लिए मंगलवार देर रात को उन्हें पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया, जहां उनके टूटे हाथ का ऑपरेशन होगा। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारी भी हॉस्पिटल पहुंचे।

- घायल एएसआई का अस्पताल में इलाज जारी, अधिकारी मिलने पहुंचे

पाली जिले के गुड़ा एंदला थाने के खौड़ चौकी में कार्यरत पुखराज मंगलवार रात को गुड़ा एंदला से कोरवा जा रहे थे। इस दौरान कोरवा के निकट उनकी गाड़ी नाले में फंस कर पलट गई। हादसे में उन्हें चोटें आई और एक हाथ फ्रेक्चर हो गया। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे उन्हें इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनका उपचार किया गया। घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीण रतनाराम देवासी, गुड़ा एंदला कपूराराम सहित कई पुलिसकर्मी बांगड़ हॉस्पिटल पहुंचे और घायल की सेहत की जानकारी ली।

चोरी व नकबजनी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

निवाई थाना क्षेत्र में नकबजनी व चोरी मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में नकबजनी व चोरी की हुई वारदात के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया है। मृत्युन्जय मिश्रा, उप-अधीक्षक निवाई व निवाई थाना प्रभारी रामजीलाल द्वारा गठित टीम ने पाइप फैक्ट्री में कार्यरत रामलाल से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ व फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी फुटेज के साक्ष्य के आधार पर आरोपी रामलाल पुत्र रामबिलास मीणा निवासी रूपवास को डिटेन कर अनुसंधान किया गया तो उसने 5 तारों का बण्डल चुराकर अजय पुत्र लेखराज खटीक निवासी गंगाविहार कॉलोनी गोनेर थाना शिवदासपुरा जिला जयपुर को कबाडी के बेचना स्वीकार किया। अजय को डिटेन कर पूछताछ के दौरान वारदात में शामिल होना स्वीकार किया। इस दौरान चोरी किये गये तारों के बण्डलों को भी उनके कब्जे से जब्त किया तथा उक्त घटना में प्रयुक्त की गई एक मोटरसाइकिल को भी जब्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

अमराबाद सरकारी स्कूल के शिक्षक पर छात्रा को अगवा करने का आरोप

दौसा/रामगढ़ पचवारा, (निसं)। अमराबाद सरकारी स्कूल के शिक्षक धनपाल मीणा पर छात्रा को अगवा करने का आरोप लगा है। परिजनों ने झांपदा थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई है। घटना के विरोध में बुधवार को ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर धरना दिया। ग्रामीण आरोपी की गिरफ्तारी और छात्रा की बरामदगी की मांग कर रहे थे। धरना प्रदर्शन करीब पांच घंटे चला। सूचना पर लालसोट के एएसपी दिनेश अग्रवाल, एसडीएम बद्री नारायण मीणा, तहसीलदार मदन लाल मीणा और थाना अधिकारी रामशरण गुर्जर मौके पर पहुंचे। शिक्षा विभाग के अधिकारी भी स्कूल पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से समझाइश कर ताला खुलवाया और प्रदर्शन खत्म करवाया।

जानकारी के अनुसार, आरोपी शिक्षक 2014 से अमराबाद स्कूल में पदस्थ है। वह शादीशुदा है। परिजनों ने बताया कि 8 मई को शाम 4 बजे छात्रा अपनी छोटी बहन के साथ स्कूटी से प्रैक्टिकल की फाइल लेने जा रही थी। निर्झरना के पास आरोपी ने स्कूटी को टक्कर मारी। फिर जमात चौराहे के पास दोबारा टक्कर मारकर दोनों बहनों को गिरा दिया। इसके बाद 22 साल की बड़ी बहन को जबरन अपनी गाड़ी में डालकर फरार हो गया। छोटी बहन किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाने में मामला दर्ज कराया गया।

ग्रामीणों ने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया।

प्रदर्शन में शामिल भामाशाह प्रहलाद मीणा ने कहा कि ऐसे शिक्षक को शिक्षा विभाग से बर्खास्त किया जाना चाहिए। 8 मई को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इस दौरान भामाशाह प्रहलाद मीणा, सरपंच राकेश हल्कारा, हीरा लाल मीना, घासी लाल मीणा, उमाशंकर मीणा, शोराम पटेल, भरत मीणा, अमरचंद पटेल, सहित आदि मौजूद रहे। एएसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि परिजनों ने पास सबूत थे। उन्होंने मौके पर ही जांच अधिकारी को बुलाकर बयान दर्ज करवाए है। आश्वासन दिया गया है कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी।

- परिजनों ने झांपदा थाने में अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई, छात्रा की बरामदगी की मांग की
- घटना के विरोध में ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर धरना दिया

शिविर आयोजित

शाहपुरा। प्रधान डाकघर के पोस्ट मास्टर एवं अधिकारियों की उपस्थिति व मार्गदर्शन में सेंट एम एम एकेडमी विद्यालय में दो दिवसीय आधार कार्ड एवं डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी हेतु शिविर का आयोजन किया गया। संस्था संस्थापक एडवोकेट अरुण टांक ने बताया कि शाहपुरा प्रधान डाकघर की तरफ से दो दिवसीय आधार कार्ड शिविर का आयोजन 13 व 14 मई को किया गया जिसमें कुल 67 आधार कार्ड, बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट्स, नाम व जन्मतिथि करेक्शन,फोटो अपडेट आदि कार्य हुये तथा डाकघर की लाभकारी योजनाओं को सीधा जनता तक पहुंचाने की इस अनूठी पहल का स्वागत किया।

शाहपुरा नगरपालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रविश खटाणा एवं पार्षद पूनम शर्मा ने जनता तक पहुंच कर आधार कार्ड में समस्याओं के समाधान करने के कार्य की सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार समय-समय पर शाहपुरा के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार के शिविर का आयोजन होना चाहिए। इस अवसर पर आधार कार्ड ऑपरेटर पूरण रूडला एवं शिवाजी ईमित्र संचालक नवरत्न चावला के द्वारा आधार कार्ड संबंधित कार्य किया गया।

महायज्ञ 17 मई से शुरू

नारायणपुर। कस्बे के राजपुरा मोहल्ले में स्थित माधवानंद सरस्वती परमहंस आश्रम में 17 मई से नव दिवसीय 21 कुण्डीय रूद्र महायज्ञ का शुभारंभ किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियाँ इन दिनों पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष अर्जुन लाल यादव ने बताया कि साध्वी विदुषी सरस्वती के सान्निध्य में बीते दो महीनों से महायज्ञ की व्यापक तैयारी की जा रही है, जो अब अंतिम चरण में है। यज्ञ का शुभारंभ 17 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। रूद्र महायज्ञ का आयोजन पंडित वेदप्रकाश यज्ञाचार्य की देखरेख में विधिपूर्वक संपन्न होगा।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल सैयद उस्मान पुत्र सईद सुल्तान निवासी 24369, सूरजपोल गोटा फेक्ट्री, इस्लामिया विद्यालय के सामने, जयपुर का छोटा पुत्र सैयद इस्माईल मेरे मुवक्किल के कहने में नही है एवं मेरे मुवक्किल से लड़ाई-झगडा, दुर्व्यवहार करता है, उसने मेरे मुवक्किल का जीना दूश्वार कर रखा है, इसलिए मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र सैयद इस्माईल को दिनांक 6-5-2025 को अपनी समस्त चल-अचल संपति से बेदखल कर दिया है, इसलिए सैयद इस्माईल का मेरे मुवक्किल की चल-अचल संपति से कोई संबंध व हक अधिकार नही रहा है तथा सैयद इस्माईल के द्वारा किये जाने वाले किसी भी कृत्य संव्यवहार के बारे में मेरे मुवक्किल की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। अतः सूचित रहे।

(सिराज उद्दीन) एडवोकेट, मो.9414386336

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 15/2025

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री विकास सोनी ने पंजीकृत प्रन्यास होप बास्केट फाउण्डेशन 46, ग्राउण्ड फ्लोर जी-2 लक्ष्मण पथ, निवारू रोड, श्री रामपुरी कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 43 जयपुर 2021 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास की बैठक में प्रस्ताव पारित कर प्रन्यासी श्री दीपक गुप्ता व श्रीमती निशा गुप्ता को प्रन्यास के प्रन्यासी पद से निष्कासित कर उनके स्थान पर श्री कैलाश सोनी व श्री नवीन कुमार सोनी को नवीन प्रन्यासी पद से निष्कासित कर उनके स्थान पर श्री कैलाश सोनी व नवीन प्रन्यासी मनोनीत कर उरके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 14.5.25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइन्दा तारीख पेशी 20.6.25

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय

राजस्थान आवासन मण्डल अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in

Phone 0141-2782772

क्रमांक- DHC-II/ 1755 दिनांक 07/03/2025

जाहिर आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा **आवास संख्या 54/157, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 123.00** वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन **श्रीमती सलीना वॉटसन पत्नी श्री जस्टिन रॉय** को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1589 दिनांक 20.05.1994 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 14.03.1995 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 199 दिनांक 02.05.2008 के द्वारा **श्रीमती सलीना वॉटसन पत्नी श्री जस्टिन रॉय** के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 11.06.2008 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती सलीना वॉटसन की मृत्यु दिनांक 19.11.2011 को हो जाने के कारण इनके पुत्र **श्री रोनाल्ड रॉय पुत्र श्री जस्टिन रॉय** के द्वारा मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के **7 दिवस** में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक **श्री रोनाल्ड रॉय पुत्र श्री जस्टिन रॉय** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जिला परिषद के सदस्यों ने बिजली, पानी और सड़कों की बदहाली को लेकर हंगामा किया

दौसा। जिला परिषद की साधारण सभा बुधवार को जिला प्रमुख हीरालाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें जिला परिषद के सदस्यों ने जिले की बुनियादी समस्याओं बिजली, पानी और सड़कों की बदहाली को लेकर जमकर हंगामा किया, साथ ही दही बड़े के टिफिन लहराते हुए कहा कि हम यहां दही बड़े खाने नही, जनता की समस्याओं के समाधान के लिये आये है। गुस्साए सदस्यो ने जल जीवन मिशन में लिप्त अधिकारी व ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही नही की गई तो अगली सभा मे जलदाय विभाग के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करने की चेतावनी दी है।

सभा के दौरान विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं नागरिकों का हक हैं और इन्हें उपलब्ध कराना संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि जिले में हालात दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे न तो जनता की समस्याओं की सुनवाई कर रहे हैं और न ही समाधान की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहे हैं।

साधारण सभा की बैठक में उपस्थित विधायक दीनदयाल बैरवा, अधिकारी तथा सदस्य।

सदस्यों ने बताया कि जिले भर में जल संकट गहराता जा रहा है। गांवों में हैंडपंप खराब पड़े हैं, कुएं सूख चुके हैं और टैंकरों से जलापूर्ति की कोई मुकम्मल व्यवस्था नहीं की गई है। जलदाय विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे। सदस्यों ने आरोप लगाया कि पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और न ही पूर्ण पालना रिपोर्ट दी गई।

बिजली कटौती बनी जनजीवन की आफ़त

बैठक में बिजली संकट भी प्रमुख मुद्दा रहा। सदस्यों ने बताया कि जिले में लगातार बिजली की अघोषित कटौती की जा रही है। भीषण गर्मी में यह कटौती आम जनता के लिए गंभीर समस्या बन चुकी है। बिजली विभाग मेंटेनेंस के नाम पर बिजली गायब कर देता है, लेकिन वास्तव में मामूली हवा चलने पर भी आपूर्ति बाधित हो जाती है। गिरे हुए बिजली के खंभों को कई-कई दिन तक नहीं उठाया जाता और ट्रांसफार्मर जलने के बाद भी महीनों तक बदले नहीं जाते।

सड़कें बनी हादसों की वजह

परिषद सदस्य भोमाराम बैरवा ने मलारणा रोड की हालत पर चिंता जताते हुए कहा कि खराब सड़क के चलते क्षेत्र में आवागमन बाधित है। वहीं, खुरी से चांदराणा मार्ग के दोनों ओर की कीकर झाड़ियों के कारण अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन सफाई या छंटाई की कोई व्यवस्था नहीं की गई।

जिला प्रमुख ने दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश जनप्रतिनिधियों की तीखी टिप्पणियों के बाद जिला प्रमुख हीरालाल सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों का शीघ्र और ठोस समाधान सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीएम आरएस चौहान, सीईओ नरेंद्र मीणा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, लेकिन अधिकांश अधिकारी जवाबदेही के सवालों पर चुप्पी साधे रहे। जिला परिषद सदस्य मेधराज नांदरी ने दही बड़े की टिफिन लहराते हुए कहा कि हम यहां दही बड़े खाने नही आये है, जनता की मूलभूत सुविधाएं मिले, जनता की समस्याओं का समाधान हो इसके लिए आये है। दौसा जिले में पेयजल संकट गहरा गया है, जल जीवन मिशन का कार्य पिछले दो वर्षों से अधूरा पड़ा हुआ है, जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है, जहां पाइप लाइन बिछाई गई है, वहां खुदे रोड़ को आजतक ठीक नही किया गया है। बिना भुगतान व कार्य पूर्ण हुए जल जीवन मिशन ग्राम पंचायतों को सौंप दी गई है, ग्राम पंचायत का सरपंच अपूर्ण कार्य को पूर्ण कराने के लिए ठेकेदार के चक्कर लगा रहे। भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए।

■ जिला परिषद की साधारण सभा बुधवार को जिला प्रमुख हीरालाल सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई

मिष्ठान भण्डारों का निरीक्षण एवं सैम्पल कार्यवाही की

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे ष्शुद्ध आहार मिलावट पर वारष अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक व अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा, एडीएम डॉ. ओमप्रकाश सहारण के निर्देशन एवं सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के नेतृत्व में बुधवार को कोटपूतली में विभिन्न मिष्ठान भण्डारों का निरीक्षण एवं सैम्पल कार्यवाही की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि कोटपूतली में मैसर्स श्री सैनी स्वीट्स एवं ज्यूस कॉर्नर से मिल्क केक एवं बेसन लड्डू, मैसर्स श्याम स्वीट्स ज्यूस कॉर्नर से मिल्क केक, मैसर्स श्री बालाजी रसगुल्ला भण्डार से मिल्क केक का सैंपल लिया गया। उक्त नमूनों को प्रयोगशाला जयपुर में भिजवाया जायेगा एवं जाँच रिपोर्ट आने पर एक्ट के तहत नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण के दौरान मिष्ठान भण्डारों को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये गये एवं खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य पदार्थो के रखरखाव एवं फूड सेफ्टी से संबंधित नियमों की जानकारी दी गई।

देवली के कई वार्डों के नलों में गंदे पानी की आपूर्ति पर भड़के पार्षद जैन

देवली । प्रत्येक वर्ष बढ़ती गर्मी के हालातो के बीच शहर के विभिन्न क्षेत्रो जल समस्या उत्पन्न होती चली आ रही है तो वहीं नलों में गंदे पानी की जलापूर्ति आदि समस्या भी गंभीर बनी हुई है। इसको लेकर देवली नगर पालिका सभागार में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता कालूराम मीणा ने अधिशासी अधिकारी सुरेश कुमार मीणा पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन पालिका उपाध्यक्ष सौरभ जिंदल सहित पालिका मंडल के सदस्य गण उपस्थित रहे बैठक में मुद्दा छाया रहा की शहरी जल योजना की विभिन्न प्रस्तावित स्कीम का शहर वासियों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है बैठक में मौजूद पार्षद भीमराज जैन ने जानकारी मैं बताया कि शहर के साकेत कॉलोनी में पिछले 4 वर्षों से जलापूर्ति आवश्यकता अनुसार नियमित रूप से नहीं हो पा रही है इस समस्या को इसी क्रम में उपखंड अधिकारी को संबंधित मंत्री के नाम ज्ञापन दिए जा चुके हैं इस दौरान पार्षद भीमराज जैन ने पूर्व में दिए ज्ञापन का हवाला दे देते हुए पानी की समस्या के मामले में काफी जलदाय विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथ लिया और बताया कि शहर के कई वार्डों में बदबूदार गंदा पानी नलों में आपूर्ति के दौरान आ रहा है इस गंभीर समस्या से जलदाय विभाग के अधिकारियों को कई बार सूचना देकर अवगत करवा चुके हैं लेकिन शहर वासियों की उक्त समस्या का कोई निस्तारण नहीं हो पा रहा है।

इस दौरान पार्षद भीमराज जैन ने यह भी कहा कि राज्य सरकार की ओर से पीने के पानी की उक्त योजना के लिए लगभग 33 करोड़ रुपए स्वीकृत हो चुके है। इस योजना में देवपुरा बनास नदी के किनारे 6 मीटर व्यास के दो ओपन वाल बनाने, देवपुरा रोड पर शमशान घाट के पास 2 एमएलडी के वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने, पंप सेट लगाने, पावर कनेक्शन, पुराने नल कनेक्शन बदलने, पीएलसी स्काडा सिस्टम का कार्य, राइजिंग पाइपलाइन का कार्य एवं पांच विभिन्न उच्च जलाशय का निर्माण कार्य शामिल है।

जैन ने बताया कि इसी प्रकार जल योजना देवली के अमृत 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित योजना में कुल राशि 497.94 करोड़ है। इसके तहत देवपुरा ओपन वेल से पटेल नगर फिल्टर प्लांट तक मुख्य संचरण पाइपलाइन बिछाने का कार्य, देवपुरा में जैक्वेल की सफाई, पटेल नगर में फिल्टर प्लांट के सुदृढ़ीकरण का कार्य, कीर मोहल्ला और गाड़िया लुहार बस्ती में पाइप लगाने का कार्य, पुराने कनेक्शन बदलने एवं 5 वर्ष का संचालन संधारण का कार्य शामिल है।

■ कई वर्षों से शहर में पीने के पानी की बनी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो पार्षद भीमराज जैन करेंगे आंदोलन

कलक्टर को ज्ञापन सौंपा

भरतपुर (निस)। पैट्रोल पम्पों पर आमजन के लिए सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर ग्राहक पंचायत ने जिला कलक्टर को सौंपा ज्ञापन। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जयपुर प्रान्त के प्रान्तीय सह संगठन मंत्री घनश्याम के निर्देशन एवं जिलाध्यक्ष बाबूलाल कटारा के नेतृत्व में आज पैट्रोल पम्पों पर आमजन के लिए सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर ग्राहक पंचायत की ओर से जिला कलक्टर भरतपुर को ज्ञापन सौंपा गया। ग्राहक पंचायत की ओर से यह मांग की गई कि पैट्रोलियम और प्राकृतिक नियामक से प्राप्त लाइसेंस के अनुसार आमजन के लिए उपलब्ध होने वाली सुविधाओं को बहाल करवाया जावे। ज्ञापन में बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर हवा भरने, पीने के पानी, शौचालय, फोन कॉल, फर्स्ट एड, फायर सेफ्टी, शिकायत बॉक्स, ओपनिंग क्लोजिंग टाइम, मालिक और पेट्रोलियम कंपनी जानकारी, क्रेडिट कार्ड से भुगतान आदि सुविधाएं आमजन के लिए उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ज्ञापन के माध्यम से जिला कलक्टर से सभी पेट्रोल पंप पर आमजन के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जांच करवाने की मांग भी की गई।

पुरुषार्थी समाज सेवा और सिमरन में हमेशा आगे : संजय शर्मा

अलवर राज्य के वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि पुरुषार्थी समाज सेवा और प्रभु के सिमरन में हमेशा आगे रहा है जिससे सभी को प्रेरणा मिलती है।

शर्मा ने मोहल्ला नवाबपुरा में स्वामी गंगाधर गुरुद्वारे में खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट की ओर से लगाए गए वाटर कूलर के लोकार्पण अवसर पर यह बात कही।

इस अवसर पर शर्मा ने कीर्तन में भाग लिया और लंगर किया। ट्रस्ट की ओर से दौलत राम हजरती और कृष्ण कुमार हजरती ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने वन मंत्री का स्वागत किया जिसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र तनेजा, नेक कमाई फाउंडेशन से मुखय कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा और सौरभ कालरा, जिला पुरुषार्थी समिति तथा अपना घर आश्रम की ओर से अशोक आहूजा, पंजाबी खत्री एकता मंच की ओर से राजू धवन, तांगा स्टैंड रामलीला से हरिकिशन खत्री, कॉमर्स कॉलेज के प्रिंसीपल डा. सत्यभान यादव, मनोहर झाम, तिलक झाम, अशोक राजा जोशी, धर्मेन्द्र अदलकखा, जगदीश गिज्जा और आशीष तनेजा आदि थे। अंत में दौलत राम हजरती ने आभार जताया।

■ स्वामी गंगाधर गुरुद्वारे में किया वाटर कूलर का उद्घाटन

कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने राज्य के वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा का स्वागत किया।

युवकों पर किया जानलेवा हमला, मामला दर्ज

देवली। शहर के बस स्टैंड परिसर में सोमवार रात दो युवकों के साथ मारपीट करने का मामला पुलिस थाने में दर्ज हुआ है। इसे लेकर पीड़ित जतीन बैरवा और तुषार खटीक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें बताया कि बस स्टैंड परिसर में अनिल ग्वाला और धर्मा साहू ने उनके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों से अपमानित भी किया। शिकायत के अनुसार, दोनों युवक बस स्टैंड पर चाय पीने गए थे, जहां अनिल, ग्वाला और धर्मा साहू ने उन्हें बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में ले जाकर मारपीट की। जतीन बैरवा ने पुलिस को बताया कि आरोपी दोनों युवकों ने उनके साथ लोहे के पाइप से मारपीट की जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। इस मारपीट में उनके पूरे शरीर पर गंभीर चोटें आईं हैं। तुषार खटीक को लोहे की चेन से मारा गया जिससे उनके घुटने और पैरों में गहरे घाव हो गए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि दोनों युवकों को जातिसूचक शब्दों से भी अपमानित किया गया है। और उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस दोनों युवकों के साथ हुई मारपीट को लेकर जानकारी ली इससे पहले मारपीट दौरान बस स्टैंड में लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।

घटनास्थल पर मौजूद लोगों में से कुछ लोगों ने दोनों युवकों को धर्मशाला का गेट खोल कर छुड़वाया इसके बाद युवक घायल अवस्था में पुलिस थाने पहुंचे जहां युवकों ने खुद पर आप बीती की घटना बताते हुए पुलिस को रिपोर्ट दी इस पर पुलिस ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इसके बाद पुलिस ने पीड़ित जतीन बैरवा पुत्र भंवर लाल बैरवा एवं तुषार खटीक पुत्र छीतर लाल खटीक निवासी बंगाली कॉलोनी से घटनास्थल की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है । और अनुसंधान के लिए देवली पुलिस उपाधीक्षक को इस मामले की सूचना पहुंचा दी ।

सरकार ने समाधान करने के लिए हमें आपके बीच में भेजा है : कलेक्टर

किशनगढ़ बास । कोटकासिम किशनगढ़ बास सड़क मार्ग पर तिजारा विधानसभा क्षेत्र के गोठडा गांव के राजकीय विद्यालय में जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस जनसुनवाई में 35 प्रकरण अलग-अलग लोगों ने समस्याओं से जुड़े कलेक्टर के समक्ष रखें जिन पर कलेक्टर संबंधित विभागों के अधिकारियों से ग्रामीणों के सामने जवाब मांगा और तुरंत प्रभाव से समाधान के निर्देश दिए।

गांव में पानी की किल्लत को लेकर रात्रि चौपाल में कलेक्टर के सामने शिकायत लेकर पहुंची महिलाओं की परेशानी सुनने के बाद कलेक्टर ने उपस्थित पेयजल विभाग के अधिकारी को महिलाओं के बीच बुलाया और कहा यह महिला पानी के लिए आई है इनकी समस्या का समाधान करें । इसके अलावा अतिक्रमण, भूमि विवाद, नामांतरण, चारागाह भूमि पर कब्जा व अवैध निर्माण कार्य, पेंशन, पुलिस, पंचायत से पट्टा दिलाने, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग के संबंध में शिकायत दर्ज की गई कलेक्टर ने समाधान हेतु मौके पर अधिकारीयों को निर्देश प्रदान किए।

रात्रि चौपाल पर महिलाओं की पानी की शिकायत पर अभियंता से जबाब मांगते कलैक्टर किशोर कुमार।

■ तिजारा क्षेत्र के गोठडा गांव में रात्रि चौपाल का हुआ आयोजन, 35 शिकायतें की दर्ज

जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया ,भूमि पैमाइश के कारण आपसी विवाद, आवासीय क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों में पुलिस सहायता लेकर समस्या का निस्तारण करें। प्रकरणों को लेकर ना बैठे, अपने क्षेत्राधिकार में नहीं होने पर उच्च स्तर पर संपर्क कर निपटाएं। अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर परिवादी से व्यक्तिगत संपर्क करते हुए एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करें।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने ग्राम वासियों को गांव का पानी गांव में तथा खेत का पानी खेत में रखने एंव जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को पानी की विकराल समस्या से बचने के लिए वर्तमान में सभी ग्रामीणों से घर-घर जल संरक्षण करने साथ ही बरसात के पानी को संरक्षित करने की अपील की। उन्होंने सरकार द्वारा चलाए जा रही पीएम सूर्य घर योजना तथा जल शक्ति अभियान के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया तथा खेतों में डीएपी की जगह यूरिया और एसएसपी के मिश्रण का उपयोग करने के फायदे गिनाये।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री जयन्त पारीक पुत्र श्री राधेश्याम पारीक एवं श्रीमती अर्चना पारीक धर्मपत्नि श्री जयन्त पारीक, निवासी- पुराने बैंक पोस्ट के पास, माउन्ट आबू, सिरोही, राजस्थान की पुत्री शताक्षी पारीक अपने माता पिता के कहने में नहीं है तथा अपने माता पिता से अलग निवास कर रही है। जिसके कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने समस्त संबंध समाप्त करते हुये उसे अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। आज के बाद शताक्षी पारीक का मेरे अभिभाष्यगण एवं उनकी किसी भी सम्पति से कोई सम्बन्ध एवं सरोकार नही रहेगा। यदि आज के बाद किसी भी व्यक्ति के द्वारा इनसे किसी प्रकार का कोई लेनदेन या संव्यवहार किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वयं की होगी। सूचित रहे।

(पूनम चन्द्र शाह) एडवोकेट, मो.9529883555

आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल मैहरूद्दीन मेवाती पुत्र श्री जमालुदीन मेवाती निवासी- ए-2, सूर्य नगर, वैनाड, बोयतावाला, जयपुर के पुत्र फुरकान मेवाती उनके कहने मे नही है। इन्हे मेरे मुवक्किल अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। आज के बाद मेरे मुवक्किल से उनके पुत्र फुरकान मेवाती का कोई लेना देना नही है। मेरे मुवक्किल ने अपने उक्त पुत्र से अपने सभी सम्बन्धो को समाप्त कर लिये है। आज से फुरकान मेवाती द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के प्रति मेरे मुवक्किल उत्तरदायी नही होंगे। यदि कोई भी व्यक्ति फुरकान मेवाती से किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार रखेगा, तो वह इसका स्वय जिम्मेदार होगा। इसमे मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी व जवाबदेही नही होगी। सुचित रहे।

जयपुर दिनांक

(ओम प्रकाश खींची) एडवोकेट
मो. 9828639777

कार्यालय नगर निगम जयपुर हैरिटेज

(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, बड़ी चौपड़, जयपुर) (लैण्ड प्रकोष्ठ)

क्रमांकः एफ-6( )उपा. लैण्ड(सा.प्र.)/ननिज./2024/2308 दिनांकः 03/01/025

सार्वजनिक सूचना इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा मूल भूखण्ड संख्या बी-8ई, बनीपार्क विस्तार, जयपुर क्षेत्रफल 416.6 वर्गगज का नीलामी पुष्टि पत्र तथा भू.सं. ई-8बी, बनीपार्क विस्तार, जयपुर का कब्जा पत्र श्री वी.के. मित्तल पुत्र श्री सूरजभान मित्तल के नाम से जारी किया गया था। तत्पश्चात् दिनांक 02.03.23 को नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा मूल भूखण्ड में से भू.सं. ई-8ए क्षेत्रफल 229.16 वर्गगज का श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल के नाम से उपविभाजन स्वीकृति पत्र जारी किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड उपहार पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर भू.सं. ई-8ए, बनीपार्क विस्तार, जयपुर क्षेत्रफल 229.16 वर्गगज का नगर निगम जयपुर हैरिटेज द्वारा श्री मनीष मित्तल पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार मित्तल के पक्ष में पट्टा जारी किया जाना है। इस पट्टा जारी किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, लैण्ड) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

(हंसा मीणा) उपायुक्त (लैण्ड) नगर निगम जयपुर हैरिटेज

नाम परिवर्तन

मैं विरेन्द्र सिंह ये घोषित करता हूं की मेरा नाम पहले वोटर आईडी में विरेन्द्र था और अभी मेरे आधार व पेन कार्ड में विरेन्द्र सिंह है। तथा मुझे मेरे आधार व पेन कार्ड के नाम से भविष्य जाना जाये। दोनों व्यक्ति सेम है।

मैंने मेरा नाम साजिद खान से बदलकर साजिद पुत्र श्री मोहम्मद सलीम रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहम्मद साजिद के नाम से जाना जावे। पता - 614 जे.पी. कॉलोनी सेक्टर नं. 3 शास्त्रीनगर जयपुर।

I Nirmala Mishra, W/o Shiv Sharan Mishra Resi- VPO- Sarwan, Tehsil-Tarabganj, Gonda UP. have changed my Name from Nirmala Mishra to Vimla. vide Affidavit dated 14/05/2025 before, Jaipur

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक जि. जयपुर
टोडा वगैरह बनाम घीसा वगैरह
वाद पत्र सं. 190/2006
वाद विभाजन एवं स्थायी निषेधाज्ञा

बनाम -1-राहुल पुत्र स्व. बालकिशन 2.अल्का पुत्री स्व. बालकिशन पत्नि राजेन्द्र झुंझुनूंवाला, 3- संध्या पुत्री स्व. बालकिशन पत्नि मित्रसेन 4- वर्षा पुत्री स्व. बालकिशन पत्नि राजीव सेठी समस्त जाति अग्रवाल निवासी लोट्स हाउस, न्यू मैरिन लाईन्स मुम्बई महाराष्ट्र।

उपरोक्त आपके विरूद्ध उपरोक्त के बाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 22-05-25 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस माह से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल, सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद तारीख 25-04-25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा से लगाकर दिया गया है।

मोहर

न्यायाधीश
उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

साधारण प्रारूप
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्याक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-01 स्थान जयपुर महानगर द्वितीय
चमन सिंह निर्वाण विरूद्ध रामसिंह राजावत व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना पत्र संख्या TI 25 सन् 2025

नाम नरपत सिंह पुत्र जसवंत सिंह राजावत जाति राजपूत पता प्लाट न. 227 मोती विहार 21 न. बस स्टेंड पांच्यावाला सिरसी रोड जयपुर उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।

अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 13 माह 5 सन् 25 को आठ बजे ए. एम. पूर्वान्ह में स्वां या अपने प्लीडर द्वारा जिले सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।

यह तारीख 14 माह 5 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

रीडर ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम-01, जयपुर महानगर द्वितीय

खोया पाया

मेरे मकान 11/1386 मालवीय नगर जयपुर का मूल अलॉटमेंट लेटर जोकी राम सबलानी के पक्ष में है- मालवीय नगर में कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें 7878687845 ज्योति देवी

संख्या कच्छावा के नाम से रजिस्टर्ड प्लाट नंबर 32, ग्रीन त्रिवेणी फेज द्वितीय नीदड, आमेर सीकर, रोड जयपुर के विक्रय पत्र 09.03/2015 का मूल साइड प्लान खो गया है मिलने पर सूचित करें, संध्या कच्छावा मो. 9828136502

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर की आवासीय योजना-गिरधारीपुरा, जयपुर के प्लॉट नंबर ए-245 का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र व साईट प्लान, जेडीए द्वारा जारी मूल पट्टा कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सूचित करें। - तीजा-मोबाईल नम्बर 6377752758

मेरे मकान नंबर 4/320 सैक्टर, मालवीय नगर का अलोटमेंट लेटर नंबर L/P-3/22 कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें। कमल जालान पुत्र जुगल किशोर जालान 8209950713

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम-01 स्थान जयपुर महानगर द्वितीय
चमन सिंह निर्वाण विरूद्ध रामसिंह राजावत व अन्य
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं सीएस 40 सन् - 2025

स्थान प्लाट न. 227 मोती विहार 21 न. बस स्टैण्ड पांच्यावाला सिरसी रोड जयपुर ने आपके विरूद्ध के लिए वाद पंजीकृत किया है। आपका इस न्यायालय (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस माह से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल, सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह तारीख 14 माह 5 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

रीडर ग्रेड-प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
क्रम-01, जयपुर महानगर द्वितीय

Office of The Gram Panchayat KOTRI DHAYALAN Khandela

sno:- tender/2025-26/SPL date:-14.05.2025

TENDER NOTICE

E-tenders are invited under open tener process from registered contractors/contractors etc. for CLEANING AND SANITATION WORK in Gram panchayat KOTRI DHAYALAN in the financial year 2025-26. Detailed details of tenders can be seen on sppp.rajasthan.gov.in The UBN NUMBER of the tender is PIT2526SSRC00072

VDO
GP KOTRI DHAYALAN

parsasak
GP KOTRI DHAYALAN

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT ANATPURA PS-SRIMADHOPUR (SIKAR)

No.Eproc/2025-26/41 Date:- 14/05/25

E-Tender Notice No. 02/2025-26

Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat ANATPURA Panchayat Samiti SRIMADHOPUR (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, 6.00 PM of 22-05-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http;//eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat ANATPURA Office in all working days.

UBN:- SMD2526GLRC00052

ADMINISTRATOR
GRAM PANCHAYAT ANATPURA
PANCHAYAT SAMITI
SRIMADHOPUR

VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER
GRAM PANCHAYAT ANATPURA
PANCHAYAT SAMITI
SRIMADHOPUR

प्ररूप-10 नियम 6 (7) देखिए ।

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगरपालिका मण्डल, देवली (टोंक) राज.

क्रमांक-न.पा.दे./कृषि भूमि/2025-26/11287 दिनांक :-14.05.25

लोक सूचना

श्री द्वारका प्रसाद भूषण पुत्र श्री जेसीराम ढोली, निवासी विवेकानन्द कॉलोनी, देवली, तह. देवली, जिला टोंक ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम ग्राम	राजस्व का नाम	खसरा सं.	रकबा/क्षेत्र	मास्टर प्लान में दर्शित भू-उपयोग	भू-उपयोग का प्रकार
तह. जहाजपुर जिला भीलवाड़ा	ऊंचा	1788/1244	0.2408 है.	मास्टर प्लान में विशेष क्षेत्र	विशेष क्षेत्र से आवासीय

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 14.05.2025 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका देवली

संक्षिप्त

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। कंकाली धाम नोहटा में संत शंकरगिरी महाराज के सानिध्य में नौ दिवसीय 51 कुंडीय सहस्त्रचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा को लेकर बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों महिला पुरुषों की भीड़ उमड़ पड़ी। एडवोकेट रामजीलाल चौधरी ने बताया कि कलश यात्रा को विधिवत पूजा अर्चना करके बैंड बाजे के साथ बालाजी मंदिर से रवाना किया गया। कलश यात्रा गांव के मुख्य मार्गो से होते हुए कंकाली माता मंदिर से होते हुए कथा स्थल पहुंची। जहां विद्वान पंडितों के सानिध्य में कलशों की स्थापना की गई। इस अवसर पर हनुमान सिंह, हनुमान चौधरी, दशरथसिंह नोहटा, डॉ. देवेन्द्र शर्मा, रामराय चौधरी, सुरज्ञान चौधरी, रामफूल रैगर, पण्डित राजेन्द्र शर्मा एवं विजेन्द्र शर्मा सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

आईएएस बनने पर महेन्द्र का किया स्वागत

मालपुरा। ाम्बेडकर विचार मंच मालपुरा के तत्वाधान मे बुधवार को अम्बेडकर भवन रेल्वे स्टेशन पर हाल ही मे आईएएस बने महेन्द्र वर्मा का भव्य स्वागत अभिनन्दन किया गया। गजेन्द्र बोहरा ने बताया कि गोयला निवासी महेन्द्र रेगर आईएएस बनने के बाद पहली बार अपने ननिहाल मालपुरा पहुंचने पर रेगर समाज मे हर्ष की लहर दौड पडी। महेन्द्र को राजस्थानी पगडी पहना अम्बेडकर जी का छाया चित्र भेंट किया गया। इस दौरान महेन्द्र वर्मा ने मौजूद युवाओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि पढाई के साथ-साथ समाज से जुडाव होना बैहद जरूरी है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर व्यवहारिक तरीके युवाओं को बताये गये तथा सफलता के लिये असफलता से डरने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढने की प्रेरणा दी। महेन्द्र के इस मार्गदर्शन से युवाओं ने कडी मेहनत व लग्न से आईएएस बनने व समाज का गौरव बढाने का विश्वास दिलाया।

अवैध अफीम व डोडा पोस्त चुरा बरामद

दूदू। निकटवर्ती मोजमाबाद थाने की पुलिस एवं डीएसटी टीम के द्वारा ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग मोखमपुरा थाना क्षेत्र में नासनोता के पास संचालित होटल के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ अफीम व डोडा पोस्त चुरा बरामद कर दो नशा कारोबारियों कोई गिरफ्तार कर लिया थाना प्रभारी उमराव सिंह के अनुसार हरिओम चौधरी होटल के पास पुलिस टीम ने दबिश देकर नारणाराम जाट वह हनुमान प्रसाद जाट निवासी बाड़मेर को गिरफ्तार कर प्लास्टिक की थैली में बेच रहे अवैध अफीम 392 ग्राम व 1 किलो 20 ग्राम डोडा पोस्त चुरा व छिलका बरामद कर मोकमपुरा पुलिस थाने में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी।

आराध्या जायसवाल ने किया नाम रोशन

निवाई। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में डॉ. केएन मोदी ग्लोबल स्कूल निवाई की कक्षा 10वीं की छात्रा आराध्या जायसवाल ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करके निवाई का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्या ने बताया कि विद्यालय के कक्षा 10वीं का छात्रा आराध्या जायसवाल ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि छात्रा आराध्या जायसवाल ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया है। उन्होंने बताया कि आराध्या जायसवाल प्रशासनिक सेवा में कार्यरत होकर समाज सेवा का कार्य करना चाहती हैं।

जिला स्तरीय जनसुनवाई गुरूवार को

कोटपूतली। जिले में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित समाधान हेतु त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के अंतर्गत 15 मई गुरुवार को प्रातः 11 बजे जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट भवन के सभागार में जिला स्तरीय सतर्कता समिति एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा।

निरीक्षण के दौरान बंद मिले उप स्वास्थ्य केन्द्र

कोटपूतली। बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने बुधवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर-आरोग्य परम धनम् उप स्वास्थ्य केन्द्र बनका व चतुर्भुज का निरीक्षण किया। इस दौरान उप स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मचारियों की घोर लापरवाही सामने आई। निरीक्षण के दौरान दोनों उप स्वास्थ्य केन्द्र बंद मिले।

निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए कार्यों में गति लाए : कलेक्टर

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने परिवेदनाओं के समयबद्ध निराकरण के संबंध में समीक्षा बैठक ली।

- जिला कलक्टर ने ली बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की प्रगति एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं के समयबद्ध निराकरण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं की बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार कार्यों को पूर्ण कर उसे मूर्त रूप देवे।

उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक बजट घोषणा की डीपीआर, निविदा, कार्य प्रारम्भ होने तथा कार्य समाप्ति की दिनांक को निर्धारित कर मॉनिटरिंग करें। राज्य सरकार स्तर के बिन्दुओं से अवगत करावे ताकि उनका समयबद्ध निराकरण कराया जा सके साथ ही विभाग स्तर से इन बिन्दुओं पर समन्वय भी रखें। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग सभी भूमि आवंटन प्रकरणों में भूमि आवंटन की जा चुकी है अतः उन सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से प्रारम्भ कर पूर्ण करें।

उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिये कि सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए प्रत्येक अधिकारी नियमित पोर्टल का अवलोकन करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्ता के साथ न केवल त्वरित निस्तारण किया जाए बल्कि उनकी संतुष्टि स्तर को बढ़ाने हेतु सकारात्मक प्रयास करें।

साथ ही सुनिश्चित करें कि जनसुनवाई में आने वाले प्रकरणों व किसी भी भी माध्यम से प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का भी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण होवे ताकि फरियादियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। उन्होंने निर्देश दिये कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सभी पात्र व्यक्तियों को लाभांवित कराना सुनिश्चित करावें।

इस दौरान एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, यूआईटी सचिव श्रीमती धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षकों का किया सम्मान

निवाई। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रजवास में सम्मान समारोह आयोजन किया गया। जिसमें उप प्रधानाचार्य किशोरकुमार वर्मा का प्रधानाचार्य एवं वरिष्ठ अध्यापक श्रवणलाल जाट का व्याख्याता पद पर पदोन्नित होने पर विद्यालय परिवार ने माला पहनाकर एवं साफा बंधवाकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य किशोरकुमार वर्मा ने विद्यालय विकास में सहयोग हेतु 11 हजार रूपए का आर्थिक सहयोग किया। अध्यापक भवानीशंकर निराला ने कहा कि दोनों शिक्षकों का व्यवहार हमेशा से विद्यालय के प्रति मधुर एवं छात्र व विद्यालय के हितार्थ में रहा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रमेशकुमार जाट, प्रियंका गुर्जर, राजन्ति मीना, मोहनलाल निराला, गजानन शर्मा, हेमराज वर्मा, सोहनलाल वर्मा, रवि वर्मा, दानिशकुमार नोगिया, पुलकित पारीक, प्रेमप्रकाश शर्मा, मुकेशकुमार विजय, बाबूलाल जैन, सुमन जैन, सामिया खान, सोहनलाल वर्मा, राजेशकुमार सोनी व प्रहलाद चौधरी सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

किशनगढ़ बास में सफाई का बुरा हाल, व्यापारियों ने की अधिकारी और अध्यक्ष से शिकायत

किशनगढ़ बास में बिगड़ी सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर करने नगर पालिका पहुंचे व्यापारी।

- नगर पालिका सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप पर पार्षद भी सफाई व्यवस्था को लेकर खड़े कर रहे हैं सवाल
- जिला कलेक्टर के निर्देश पर फरवरी माह में चलाया था सफाई अभियान फिर भी नहीं सुधरी व्यवस्था

किशनगढ़ बास। शहर गांव को साफ सुथरा बनाए, खुले में गंदगी नहीं डालें इसके लिए लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करें,इस प्रकार के निर्देश बैठकों में अधिकारियों को दिए जाते हैं। लेकिन यह निर्देश केवल बैठकों तक ही रहते हैं बैठक से बाहर निकलने के बाद अधिकारी भूल जाते हैं और जगह जगह सड़कों पर फैली गंदगी को देखकर भी अनदेखी कर सीधे निकल जाते हैं ना तो लोगों को खुले में गंदगी नहीं डालने के लिए समझाइश करते हैं और ना ही संबंधित संस्था पर करवाई की जाती है।

बिगड़ी सफाई व्यवस्था को लेकर व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के साथ प्रतिपक्ष नेता उमेश यादव, हरमेश खुराना, मदनलाल अग्रवाल, जनेश भूटानी , विनय गोयल, प्रभु दयाल आदि व्यापारी नगर पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल एवं ईओ मुकेश शर्मा से मुलाकात की ओर समस्या से अवगत कराते हुए सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई। अब सवाल यह उठता है कि बैठकों में दिए जाने वाले इन आदेशों की पालना कहा तक अधिकारी पूरी कर रहे है और सफाई व्यवस्था किस हाल में हों रहीं हैं इस बात की मॉनिटरिंग कभी शायद ही कहीं पर किसी अधिकारी की ओर से की जाती है। नगर पालिका की ओर से किशनगढ़ बास शहर की सफाई पर लगभग 11 लाख रुपए खर्च किए जाते हैं। डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए टिप्पर लगाए हुए हैं जो अधिकांश खराब पड़े हैं।

टिप्पर कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। नगर पालिका अधिकारी पार्षदों के सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप में पार्षद सफाई व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं और कोई अधिकारी समाधान की बात नहीं कर रहा है। सफाई व्यवस्था में लगे सफाई कर्मियों को वेतन के साथ हर महीने दिए जाने वाला पीएफ नहीं मिल रहा। टेंडर के मुताबिक सफाई कर्मचारी नहीं लगे हुए हैं। 40 से 50 कर्मचारी ही सफाई पर लगाएं है। जबकि टेंडर के मुताबिक 100 से अधिक कर्मचारी होने चाहिए। समय पर वेतन और पीएफ का पैसा नहीं मिलने पर कर्मचारियों को बार-बार हड़ताल करनी पड़ती है।

बेजुबान परिंदों के लिए परिंडे लगाकर दाने पानी की व्यवस्था की

परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ अभियान के तहत परिंडे बांधते हुए।

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा द्वारा परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ अभियान के तहत बुधवार को उपजिला अस्पताल पावटा परिसर में अस्पताल अधीक्षक डॉ. देवेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक जाट, डॉ. संतोष वर्मा, डॉ. अनीता शर्मा व उनकी पूरी टीम एवं एनजीओ के प्रधान संरक्षक पंडित द्वारकेश मिश्र के सानिध्य में व बनवारी लाल स्वामी, कैलाश चंद यादव कंपाउंडर के नेतृत्व में परिंदों के लिए परिंडे लगाकर दाने पानी की व्यवस्था की।

एमएसडी एनजीओ अध्यक्ष व सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी ने बताया कि यह जनकल्याण कार्य क्षेत्र के भामाशाह एवं दानदाताओं के सहयोग से चलाया जा रहा है। सभी को मानव जीवन में जन कल्याण के कार्यों में अधिक से अधिक भाग लेना चाहिए और पुण्य के कार्य में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए। अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर परिंडे लगाए व दाने पानी की व्यवस्था की जा रही है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. देवेंद्र शर्मा, डॉ. अशोक जाट, डॉ. संतोष वर्मा, डॉ.रवि बंसल, डॉ.खुशबू अग्रवाल, डॉ. अनीता शर्मा ने बताया कि गर्मियों में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है। ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना-पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते। साथ ही शहरीकरण बढ़ने से पक्षियों की जीवनचर्या और मुश्किल हो गई है। उनके लिए बेहतर जरुरी खाद्य सामग्री एवं पानी को ढूंढ पाने में कठिनाई से जीवन संकट में पड़ जाता है। कई बेजुबान पक्षी इस भीषण गर्मी में प्यास से छटपटाते हुए दम तोड़ देते हैं। इसके लिए उन पक्षियों के लिए पानी उपलब्ध कराया गया ताकि वे पानी की तलाश में दम ना तोड़ दें। वही कैलाश चंद यादव कंपाउंडर ने विभिन्न संगठनों, आम नागरिकों तथासमाजसेवियों से आव्हान किया कि इसकी शुरूआत आप स्वयं भी कर सकते हैं, बस एक परिंडा लगा कर। इसके लिए आप अपनी कॉलोनी, घर, ऑफिस व अन्य सार्वजिनक स्थानों पर परिंडे बांधकर पुनीत कार्य करें ।

हमारे छोटे छोटे प्रयास ही भावी पीढ़ियों को ऐसे पुण्य कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता हरिद्वारी स्वामी, अस्पताल कर्मचारी सुनील वाल्मीकि, राकेश मीणा, अनीता यादव, सुनीता, सुभाष छिपी एवं एनजीओ के सदस्यो सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'स्वच्छ जल एवं स्वच्छता सभी प्राणियों के लिए महत्वपूर्ण'

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुगराजपुरा में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

श्रीमाधोपुर । राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के सौजन्य से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुगराजपुरा में स्वच्छ जल और स्वच्छता कार्यक्रम बन्नालाल गुर्जर सदस्य पंचायत समिति की अध्यक्षता , सुरेश कुमार शर्मा सीबीईओ अजीतगढ़ के मुख्य आतिथ्य, सचिव स्थानीय संघ रामावतार शर्मा एवं ब्लाक समन्वयक हेमंत कुमार शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य, सहायक कमिश्नर एवं प्रधानाचार्य रोहिताश यादव के सान्निध्य में एवं स्काउटर -यूथ एवं इको क्लब प्रभारी गोपालराम यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया

जिसमें पक्षियों के लिए परिंडा अभियान , साफ-सफाई , स्वच्छ जल एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर सीबीईओ सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि स्वच्छ जल और स्वच्छता एक महत्वपूर्ण सतत् विकास लक्ष्य है जिसका उद्देश्य सभी के लिए सुरक्षित और स्वच्छता सुविधाओं तक पंहुच सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम प्रभारी स्काउटर गोपालराम यादव ने स्वच्छ जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। सचिव रामावतार शर्मा ने स्वच्छता सम्बंधित व्यवहारों में बदलाव के बारे में बताया। प्रधानाचार्य रोहिताश यादव ने स्वच्छता कार्यक्रम के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार रखे। उपप्रधानाचार्य रुपाली गर्ग ने स्वच्छता शिक्षा को स्कूल और समुदाय से जोड़ने के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ साथियों ने सहयोग के रुप में परिंडों के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान किया। शारीरिक शिक्षिका अंजु चौधरी ने पुत्र के जन्मदिन पर 11 परिंडे, उपप्रधानाचार्य रुपाली गर्ग ने 11परिंडे, शिक्षिका मीना कुमावत, अनिता कुमारी,संजु सैनी , अध्यापक राजेन्द्र कुमार गुर्जर, मुकेश कुमार, पंचायत शिक्षक विजय कुमार पारीक एवं रत्न कुमार जाट ने पांच पांच परिंडे विद्यालय को दान किए।

जिला कलक्टर ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

जिला कलेक्टर ने निःशुल्क दवा योजना की जांच की ।

- सीएचसी, कृषि उपज मंडी, विद्यालय, सार्वजनिक शौचालय एवं कार्यालयों का किया निरीक्षण

कोटपूतली। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल बुधवार को उपखण्ड बानसूर के दौरे पर रही। जहाँ उन्होंने हरसौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, खेड़ा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बानसूर कस्बे के जनता क्लिनिक, सार्वजनिक शौचालय, कृषि उपज मंडी एवं एसडीएम कार्यालय व उप तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं आवश्यक सुधार के निर्देश दिये। इस दौरान उपखंड अधिकारी बानसूर अनुराग हरित मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खेड़ा का निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था के स्तर को जांचा एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक बैठाकर मिड-डे मील वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करते हुये मिड-डे मील में सप्लाई होने वाले गेंहू, चावल, मसाले, मील का लेखा संधारण, भोजन मेन्यू की जानकारी प्राप्त कर रसोई में नियमित रूप से साफ-सफाई का ध्यान रखते हुये मिड-डे मील तैयार कराने के निर्देश दिये। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता पर असंतोष जाहिर करते हुये बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक भोजन देने के निर्देश दिये।

उन्होंने बच्चों का शैक्षणिक स्तर परखने के लिये बच्चों से संवाद कर अध्यापकों को आवश्यक निर्देश प्रदान किये। साथ ही संस्थान में बैठक, पेयजल, शौचालय व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिये एवं उपस्थिति पंजिका, आईसीटी लैब, चार्ट व अन्य रजिस्टरों की गहनता से जांच की। साथ ही विद्यालय में खराब अवस्था में रखी सैनेट्री पैड की मशीन को सुचारू करने व बालिकाओं को इसके उपयोग के बारे में जागरूक करने के भी निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने बानसूर कस्बे के जनता क्लिनिक एवं हरसौरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, निःशुल्क दवा योजना, जांच योजना, मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु कार्ययोजना, चिकित्सा ईकाई पर बेहतर साफ-सफाई, चिकित्सा संस्थान पर चिकित्सा अधिकारी-प्रभारी कार्मिकों की उपस्थिति, विभाग से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीएचसी के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया।

शौचालय और साफ-सफाई, सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिये। चिकित्सा केंद्र के कार्मिकों को निर्धारित ड्रेस कोड एवं आईडी कार्ड मेंटेन करने, लापरवाही करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही करने एवं सफाई हेतु सम्बन्धित को पाबंद करने के निर्देश दिये। उन्होंने मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के उपायों को अपनाने के निर्देश दिये। दवा भंडार का निरीक्षण कर दवाईयों का पर्याप्त भण्डारण रखने, दवाईयों को व्यवस्थित तरीके से रखने, ओपीडी रजिस्टर में ओपीडी क्रमांक सही से डालने के निर्देश दिये एवं केंद्र पर आगंतुकों से संवाद कर आवश्यक सुधार के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने संस्था पर आने वाले मरीजों को संतोषप्रद सेवायें प्रदान करने एवं निर्धारित समय तक उपस्थित रहने के लिये निर्देशित किया।

विधायक ने किया निरीक्षण

नारायणपुर । क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए 33/11 केवी सब स्टेशन के निर्माण के लिए ग्राम खरवा और नारायणपुर के पास भूमि का चयन कर लिया गया है। मंगलवार को स्थानीय विधायक देवीसिंह शेखावत ने राजस्व और बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। विधायक शेखावत ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्रवासियों को बार-बार बिजली कटौती, वोल्टेज में उतार-चढ़ाव और फॉल्ट की स्थिति में विलंब जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि सब स्टेशन बनने से इन समस्याओं का स्थायी समाधान होगा और आमजन को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। निरीक्षण के दौरान पावरकॉम और बिजली विभाग के अधिकारियों ने भी स्थल की तकनीकी दृष्टि से जांच की और परियोजना को शीघ्र शुरू करने की दिशा में चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि जमीन की उपलब्धता के बाद अब टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी, जिससे कार्य में तेजी लाई जा सके। गौरतलब है कि विधायक शेखावत ने 9 मई को जयपुर डिस्कॉम की एमडी आरती डोगरा से मुलाकात कर नारायणपुर और बानसूर में 33/11 केवी सब स्टेशन की आवश्यकता को लेकर विस्तृत चर्चा की थी।

सार-समाचार

21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के शुभारम्भ पर निकाली कलश यात्रा

मालपुरा । टोडारायसिंह उपखण्ड क्षैत्र की मैहरू ग्राम पंचायत के बालापुरा मे जोडला बालाजी मंदिर मे आयोजित नो दिवसीय 21 कुण्डात्मक श्रीराम महायज्ञ का बुधवार को शुभारम्भ हुआ। यज्ञ के शुभारम्भ पर महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर निकाली भव्य कलश यात्रा। ठाकुरजी के मंदिर से यज्ञकर्ता महामंडलेश्वर 1008 मुनेश्वर दास महाराज व यज्ञाचार्य पंडित अजय कुमार शास्त्री के सानिध्य मे विप्रजनो ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारम्भ किया। सभी महिलाऐं एक वेशभुषा मे राजस्थानी चुंदडी ओढ रामनाम के भजनो पर नाचते-गाते जयकारे लगाते हुये नगर परिक्रमा कर यज्ञ स्थल पर पहुंची। जहां सभी कलशो की सामुहिक आरती की गई तथा दिग्रक्षण कर मंडप मे प्रवेश करवाया गया। यज्ञस्थल पर प्रथम दिन गणपत्ति पूजा,मातृ का पूजन, नान्दी श्राद्ध, पूण्याहवाचन सहित पूजा अर्चना करवाई गई। ब्राह्मण वरण व महाआरती के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन आयोजित किये गये।

शिविर 15 मई को

पावटा। श्री प्रहलाद सहाय गिठाला की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम तुलसीपुरा में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के मुख्य आतिथ्य में 15 मई गुरुवार को निशुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में निम्स हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा मरीजों की आंखों की मोतियाबिंद की जांच कर ऑपरेशन किया जाएगा। वही निम्स हॉस्पिटल के चिकित्सकों द्वारा निशुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर में मरीजों को लाभ प्रदान किया जाएगा। आयोजक विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड के निजी सहायक अनिल चौधरी ने बताया कि शिविर में रजिस्ट्रेशन के लिए सुनील गिठाला, राकेश गिठाला, विकास गिठाला से संपर्क कर सकते है। वही अनिल चौधरी ने बताया कि जीवन में सबसे ज़्यादा ख़ुशी होती है तो वह किसी के चेहरे पर मुस्कुराहट लाने से होती हैं और वह केवल मानव सेवा से ही संभव है। जन कल्याण की भावना ही हमारी पहचान और संस्कृति है और हमे हर संभव ग़रीब और जरूरतमंद लोगों की सेवा करते रहना चाहिए।

कानून की जानकारी दी

नारायणपुर । स्थानीय पुलिस थाना परिसर में बुधवार को थाना प्रभारी ओमप्रकाश मीणा की देखरेख में सुरक्षा सखियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक रवि शर्मा द्वारा सखियों को आत्मरक्षा, महिला सुरक्षा एवं कानून से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर व जागरूक बनाना था, ताकि वे अपने गांवों व समुदायों में अन्य महिलाओं को सुरक्षा, कानून, घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव जैसे मुद्दों पर जानकारी देकर उन्हें सशक्त बना सकें। प्रशिक्षक ने आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने, महिला हेल्पलाइन नंबरों के प्रयोग और पुलिस से संपर्क की उचित प्रक्रिया पर विशेष बल दिया। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा सखियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सुरक्षा की मजबूत कड़ी हैं। इनके माध्यम से महिलाएँ अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही हैं और कानून की जानकारी भी प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने सभी सखियों से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण में सीखी गई बातों को अपने क्षेत्र की अन्य महिलाओं तक पहुँचाएं, प्रशिक्षण शिविर में सुनीता यादव, राधा देवी, सुमन कँवर, बिशन कँवर, संध्या, संगीता सहित कई सुरक्षा सखियाँ उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों को उद्योगों का भ्रमण कराया

भरतपुर (निस)। ग्रामीण उद्यामिता कृषि विकास योजना के तहत विद्यार्थियों के कौशल विकास हेतु कृषि महाविद्यालय भुसावर के विद्यार्थियों को भुसावर के प्रसिद्ध अचार उद्योगों का भ्रमण कराया गया। महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि भुसावर सम्पूर्ण भारत में अचार उद्योग एवं गुणवत्तापूर्ण अचार के लिए जाना जाता है। जैसे आगरा पेठे के लिए प्रसिद्ध है, वैसे ही भुसावर अचार के लिए जाना जाता है। अतः भुसावर के अचार को जी आई टैग मिलना चाहिए। जी आई टैग मिलने से भुसावर के अचार को पहचान मिलेगी, फलस्वरूप अचार ज्यादा कीमत पर बिकना शुरू होगा। इससे भुसावर में अचार उद्योग के विकास में सहायता मिलेगी। स्थानीय स्तर पर पैसे की आवक बढ़ने से भुसावर का विकास होगा तथा रोजगार के अवसर बढेगें। डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि भुसावर क्षेत्र मे आम, नीबू, लिसोडा आदि का उत्पादन होने से अचार के लिए कच्चे माल की आपूर्ति स्थानीय स्तर पर हो जाती है। इसलिए भुसावर के अचार उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

योजनाओं की जानकारी दी

पावटा। विराटनगर उपखंड के ग्राम पंचायत बड़ोदिया में मंगलवार को रात्रि चौपाल को आयोजन किया गया। इसमें विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान ने ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुना। विराटनगर उपखंड अधिकारी अमिता मान ने रात्रि चौपाल में ग्राम पंचायत बड़ोदिया सहित आस-पास के क्षेत्र से आए ग्रामीणों से पेयजल, विद्युत, सड़क, पुलिस, स्वास्थ्य, रसद, आंगनबाड़ी सेवाओं, सामाजिक न्याय व अधिकारिता, मनरेगा सहित अन्य विभागों की सेवाओं का फीडबैक लिया। रात्रि चौपाल कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायत राज संबंधी चार परिवेदना, तहसीलदार संबंधित एक परिवेदना, वन विभाग से संबंधित एक परिवेदना, पीडब्लूडी विभाग से संबंधित एक परिवेदना, सूचना प्रायोगिकी से संबंधित दो पिट्टेड, विद्युत विभाग से संबंधित एक परिवेदना, परिवहन विभाग से संबंधित एक परिवेदना प्राप्त हुई। आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित गति से समाधान करते हुए राहत प्रदान की। वही ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान तहसीलदार लालाराम, सीबीईओ शंकर मीणा, एसएसओ महेंद्र पिंगोलिया, कृषि पर्यवेक्षक कैलाश चंद सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

झांकी निकाली

नारायणपुर । ग्राम पंचायत कोलाहेडा के ग्राम जोधपुरा में बुधवार को श्री श्याम बाल कृष्ण मंडल के तत्वावधान में आयोजित 19वें खाटूश्याम संकीर्तन महोत्सव की शुरुआत भव्य शोभायात्रा और आकर्षक झांकियों के साथ हुई। सरकारी स्कूल के पास आयोजित महोत्सव से पूर्व श्रद्धालुओं की उपस्थिति में श्याम बाबा की शोभायात्रा निकाली गई। कलाकारों ने शिव तांडव और अन्य धार्मिक झांकियों के माध्यम से भावपूर्ण स्वांग प्रस्तुत किए। बाजार में जब झांकियां गुजरीं तो श्रद्धालु उन्हें मोबाइल कैमरे में कैद करते हुए दिखे, जिससे माहौल भक्तिरस से सराबोर हो गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कैलाश चन्द यादव, संरक्षक गिर्राज प्रसाद बागड़ा, कमलेश शर्मा, कपीश यादव, राजेन्द्र यादव, अर्जुन लाल यादव, मुखराम यादव, लालाराम, चेतन यादव, कालूराम यादव, सुल्तान यादव, कानाराम सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्त मौजूद रहे।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रारंभ

श्रीमाधोपुर । ग्राम थोई पटवार हल्के में ग्रामीणों द्वारा राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर में डी.बी. सिविल रीट पीटीशन संख्या 15652/2019 दायर कर गांव की समस्त गोचर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराने की गुहार की गयी थी, जिस पर न्यायालय उपतहसीलदार अजीतगढ़ द्वारा अतिक्रमियों की भौतिक रूप से बेदखली के आदेश पारित किए गए थे। राजस्व टीम द्वारा आज लगभग 50 बीघा गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर कब्जा ग्राम पंचायत को सुपुर्द किया गया। तहसीलदार ने बताया कि राजस्व टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई संपूर्ण अतिक्रमण हटाने तक अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी। तहसीलदार ने अतिक्रमियों को पुनः अतिक्रमण न करने बाबत भी पाबंद किया गया।अतिक्रमण हटने पर ग्रामीणों द्वारा प्रशासन का आभार व्यक्त किया गया।

टक्कर मारी

निवाई। मंगलवार की रात ललवाडी चौराहे पर अज्ञात वाहन ने एक टेम्पू के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक ही परिवार की तीन महिलाओं सहित 5 जने घायल हो गए। सूचना पर थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा मय जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मंगलवार की रात भंवरलाल, रामअवतार, गुड्डी देवी, सुगना देवी व ममता देवी खारोल निवासी निमोला जिला टोंक फागी में आयोजित एक समारोह में शामिल होकर टेम्पू से अपने गांव निमोला मेहन्दवास जा रहे थे। इसी दौरान ललवाडी चौराहे के समीप अज्ञात वाहन ने टेम्पू के टक्कर मार दी। जिससे टेम्पू मे सवार सभी पांचों जने घायल हो गए।

टेस्ट क्रिकेट में वही सफल हुए जिनके पास कहने को कोई कहानी थी। लंबी कहानी जो गीली, सूखी, देशी, विदेशी हर पिच पर लिख के भी खत्म ना हो।

– अनुष्का शर्मा

विराट की पत्नी, कोहली के करियर की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को भारतीय सेना में एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि दी गई है। नीरज चोपड़ा जेवलिन थ्रो में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। अब नीरज को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद दिया गया है। नीरज चोपड़ा को भारत की टेरीटोरियल आर्मी रेगुलेशन, 1948 के पारा-31 के तहत शामिल किया गया है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें लेफ्टिनेंट कर्नल की रैंक दी है। इससे पहले नीरज राजपूताना राइफल्स में सूबेदार के पद पर थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फुटबॉल इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड बनाया है, 900 गोल के साथ।

पाकिस्तान की दुनियाभर में बेइज्जती

पीएसएल में विदेशी खिलाड़ियों ने खेलने से किया मना

नई दिल्ली, 14 मई। भारत में आईपीएल 2025 का दोबारा आयोजन 17 मई से हो रहा है। वहीं इसी दिन से पाकिस्तान में भी पाकिस्तान सुपर लीग का एक बार फिर से आयोजन हो रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते दोनों ही टूर्नामेंट को कुछ समय के लिए रद्द किया गया था। पाकिस्तान ने तो पीएसएल रद्द करने के बाद इसे यूएई में कराने का फैसला लिया था। लेकिन इस मुस्लिम देश की सरकार ने पाकिस्तान को अपने मुल्क में टूर्नामेंट कराने से मना कर दिया। इसके बाद दुनियाभर में पाकिस्तान की खूब बेइज्जती हुई थी।पाकिस्तान की पीएसएल के कारण से फिर एक बार भारी बेइज्जती हुई है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण खिलाड़ी पाकिस्तान की जमीन पर लौटना नहीं चाहते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफसे प्लेयर्स से काफी मिन्नतें की जा रही हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने पाकिस्तान न लौटने का मन बना लिया है। पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस को छोड़कर सभी टीमें इस बात के चलते टेंशन में हैं।

एशिया कप से कटेगा पाकिस्तान का पत्ता? भारत में होगा हॉकी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 14 मई। भारत- पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल हीरो एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है।एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच खेला जाएगा। मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे को इसमें भाग लेना है। ये अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले वर्ल्ड कप का क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने पीटीआई से कहा कि, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा, लेकिन हम सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। उन्होंने कहा कि, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि, अभी टूर्नामेंट में 3 महीने का समय है, लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है।

भारत ने की आईएसएसएफ जूनियर विश्वकप के लिए 36 निशानेबाजों की घोषणा

नई दिल्ली, 14 मई। भारत ने जर्मनी के सहुल में होने वाली आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 के लिए 36 सदस्यीय दल की घोषणा की है। आगामी 19 से 27 मई चलने वाले इस टूर्नामेंट में भाग लेने जा रहे 36 निशानेबाजों में से आठ ने ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी में प्रशिक्षण लिया है। ये आठ निशानेबाज नारायण प्रणव, मुकेश नेलावल्ली, अनुष्का थोकुर, प्राची गायकवाड़, के. तनिष्क नायडू (आरपीओ), साग्निक बनर्जी (आरपीओ), मेलविना एंजेलिन जोएल (आरपीओ) और वेदांत वाघमारे (आरपीओ) हैं। इन सभी एथलीटों ने प्रोजेक्ट लीप के तहत प्रशिक्षण लिया है। नारायण 10 मीटर एयर राइफल जूनियर पुरुष और जूनियर मिक्स्ड टीम स्पर्धाओं में भाग लेंगे, जबकि मुकेश, तनिष्क और साग्निक 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल जूनियर पुरुष स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनुष्का, प्राची और मेलविना 50 मीटर 3पी जूनियर महिला वर्ग में, जबकि वेदांत 50 मीटर 3पी जूनियर पुरुष स्पर्धा में प्रदर्शन दिखायेंगे।

भारत ने सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप में नेपाल को 4-0 से हराया

यूपिया (अरुणाचल प्रदेश), 14 मई। भारतीय फुटबॉल टीम नेपाल पर 4-0 से बड़ी जीत दर्ज कर सैफ अंडर-19 चैंपियनशिप के ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रही। गोल्डन जुबली स्टेडियम में मंगलवार की रात खेले गये मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम टीम ने प्रत्येक हाफ में दो गोल किए। भारत के लिए रोहेन सिंह चपहामायुम ने (28वें, 76वें) मिनट में गोल किए, जबकि स्थानीय खिलाड़ी ओमंग डोडम ने (29वें) और डैनी मेइतेई ने (84वें)मिनट में एक-एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ग्रुप बी में दो मैचों में छह अंक लेकर शीर्ष पर है। वहीं नेपाल दो मैचों में तीन अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम शुक्रवार को ग्रुप ए के उपविजेता मालदीव से भिड़ेगी, जबकि ग्रुप ए विजेता बंगलादेश उसी दिन नेपाल से सेमीफाइनल खेलेगी।

जैस्मीन पाओलिनी इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में

रोम, 14 मई। इटली की टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी ने रूस की डायना श्नाइडर को हराकर इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। छठी वरीयता प्राप्त पाओलिनी ने मंगलवार को खेले गये वर्षा बाधित मुकाबले में रूस की श्नाइडर पर 6-7 (1-7) 6-4 6-2 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ वह 2014 के बाद अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली इटली की महिला टेनिस खिलाड़ी बन गईं।

// 17 मई से फिर शुरू होगा टूर्नामेंट //

आईपीएल 2025 के बाकी बचे मैचों में उपलब्ध होंगे विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली, 14 मई। आईपीएल 2025 का दुबारा आगाज 17 मई से बेंगलुरू से होने वाला है। दोबारा शुरू होने पर इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला आरसीबी और केकेआर के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2025 को भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते विवाद के कारण 9 मई को स्थगित कर दिया गया था।वहीं टूर्नामेंट में अभी शेष मुकाबले 6 वेन्यू बेंगलुरु, जयपुर, दिल्ली , लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। फिर से शुरू होने के ऐलान के बाद फ्रेंचाइजी का ध्यान अब खिलाड़ियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अपने ट्रेनिंग कार्यक्रमों को फिर से संगठित करने और फिर से तैयार करने में है। वहीं विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता पर अभी भी संशय है।फिलहाल गुजरात टाइटंस के जोस बटलर, आरसीबी के जैकब बेथेल और मुंबई इंडियंस के विल जैक्स तीनों ही वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम का हिस्सा हैं। वनडे सीरीज 29 मई से शुरू हो रही है और तीनों के आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से बाहर होने की संभावना है। उनकी टीमें टॉप 4 में रहने और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।वहीं अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान मुंबई इंडियंस के लिए उसके आखिरी 3 मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस सीजन अब तक सिर्फ एक मैच खेलने वाले मुजीब उर रहमान मंगलवार 13 मई को काबुल से मुंबई पहुंचे। लखनऊ सुपर जायंट्स के टॉप क्रम के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके भी लौटेंगे। दोनों मंगलवार शाम नई दिल्ली पहुंचे। इस बीच, दुष्मंता चमीरा दिल्ली कैपिटल्स में फिर शामिल होने के लिए तैयार है।

आईपीएल के शेष हिस्से में खेलेंगे बोल्ट : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष हिस्से में अपनी टीम मुम्बई इंडियंस के लिए खेलने का निर्णय किया है। 36 वर्षीय बोल्ट को मुम्बई इंडियंस ने मेगा नीलामी में 12.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने आईपीएल के इस सत्र में 8.49 की इकॉनमी रेट से 18 विकेट लिये हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 रन देकर चार विकेट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वह पूरे टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

आईपीएल 2025 में विदेशी खिलाड़ियों को लेकर अपडेट

- ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड के आरसीबी के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। फिलहाल आरसीबी पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है।
- लियाम लिविंगस्टोन, लुंगी एनगिडी और नुवान तुषारा भी आरसीबी का हिस्सा हैं। उनकी वापसी होने चाहिए। आरसीबी का आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है।
- ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रेविस हेड का हैदराबाद की टीम में वापसी करना तया है। हालांकि, उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।
- ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और जेक-फ्रेजर-मैकगर्क आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स का हिसास हैं। लेकिन उनका लौटना भी संदिग्ध है। डीसी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है।
- गुजरात टाइटंस के लिए साउथ अफ्रीका के कगिसो रबाडा और गेराल्ड कोएट्जी के लिए उपलब्ध हैं। जीटी आईपीएल 2025 में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है।
- ऑस्ट्रेलियाई मार्कस स्टोइनिस और जोश इंग्लिश आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का हिस्सा हैं। उनका पीबीकेएस में शामिल होना संदिग्ध है। उसका प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय है।
- न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। उनकी वापसी की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है।

भारत में पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं जो ऑपरेशन सिंदूर के लिए हॉस्पिटल भी उड़ाएंगे

सवाई मानसिंह स्टेडियम को सात दिन में चौथी बार फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर, 14 मई। ज्योति नगर थाना इलाके में स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम को सात दिन में चौथी बार मेल कर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इसके बाद अब इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाई जा रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार को खेल परिषद की ऑफिशियल ईमेल आईडी पर एचएमएक्स बम ब्लास्ट सवाई मानसिंह स्टेडियम ऑपरेशन प्रभाकर दिविज नाम से मेल आई है। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान से पंगा मत लीजिए। हमारे पास भारत में पाकिस्तान के स्लीपर सेल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के लिए आपके हॉस्पिटल भी उड़ा दिए जाएंगे।

राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने कहा कि बुधवार को चौथी बार जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें स्टेडियम को बम से उड़ाने के साथ ही हॉस्पिटल को उड़ाने की बात भी कही गई है। ईमेल को लेकर हमने पुलिस को सूचना दी है। पुलिस साइबर एक्सपर्ट की मदद से आरोपी की तलाश में जुड़ गई है। इसके साथ ही सवाई मानसिंह स्टेडियम में चप्पे -चप्पे पर सुरक्षा गार्ड तैनात कर दिए हैं। जो 24 घंटे स्टेडियम की निगरानी करेंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई ती। 13 मई को मिले मेल में बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की गई थी।

आईपीएल के बचे हुए मैचों को डांसिंग गर्ल, तेज संगीत और डीजे के बिना ही आयोजित किया जाए : गावस्कर

नई दिल्ली, 14 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच जंग के कारण आईपीएल 2025 को स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, दोनों देशों में सीजफायर होने के बाद एक बार फिर आईपीएल 17 मई से फिर से खेला जाएगा। इस दौरान पहला मुकाबला आरसीबी और केकेआर के बीच खेला जाएगा। आईपीएल का 18वां सीजन आखिरी चरण में है और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बीसीसीआई से एक खास गुहार लगाई है। गावस्कर ने बीसीसीआई से अनुरोध किया कि आईपीएल के बचे हुए मैचों को डांसिंग गर्ल, तेज संगीत और डीजे के बिना ही आयोजित किया जाए क्योंकि कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है।पूर्व भारतीय कप्तान ने स्पोर्ट्स टुडे से कहा कि, कुछ मैच बचे हैं। हम लगभग 60 मैच खेल चुके हैं। मुझे लगता है कि 15 या 16 गेम ही बाकी हैं। मैं ईमानदारी से उम्मीद करता हूं कि जो कुछ हुआ और कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया, उसके मद्देनजर रखते हुए कोई म्यूजिक नहीं होना चाहिए। ओवर के बीच में डीजे ना चिल्लाएं। उन्होंने आगे कहा कि, ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए, सिर्फ मैच होने दीजिए। दर्शकों को आने दें। बस टूर्नामेंट हो। इसमें कोई डांसिंग गर्ल्स नहीं हों, कुछ भी नहीं। सिर्फ क्रिकेट उन परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक बेहतरीन तरीका होगा जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

बता दें कि, बीसीसीआई मौजूदा सत्र के बाकी मैचों को 6 वेन्यू पर आयोजित करने का फैसला किया है। संशोधित शेड्यूल के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा, जो पहले 25 मई को खेला जाना था। आठ मई को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के बाद आईपीएल को रोक दिया गया था, जब पाकिस्तान ने चंडीगढ़ के पास भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसपैठ करने की कोशिश की थी। इस दौरान धर्मशाला में मैच के दौरान स्टेडियम में ब्लैकआउट हो गया था।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, 14 मई। आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 400 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं, जबकि दूसरे नंबर पर बांग्लादेश के मेहंदी हसन मिराज है, जिनके नाम 327 रेटिंग पॉइंट्स हैं। इतना ही नहीं, रवींद्र जडेजा टॉप 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी है।टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में रवींद्र जडेजा 9 मार्च 2022 को टॉप पर पहुंचे थे, तब से वह नंबर-1 पोजिशन पर बरकरार है। उस समय वह वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पछाड़ कर टॉप रैंकिंग पर काबिज हुए थे। जडेजा ने अब तक भारत की ओर से 80 टेस्ट मैच की 118 इनिंग में 34.74 की औसत से कुल 3370 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 22 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 175 रन है।

// मोहम्मद कैफ ने की बड़ी भविष्यवाणी //

आईपीएल 2025 का खिताब आरसीबी टीम जीतेगी

नई दिल्ली, 14 मई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने इस साल विराट कोहली के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं पर अपनी राय देते हुए कहा कि आरसीबी इस साल बेहतरीन फॉर्म में है और अपनी बेहतरीन ऑलराउंडर टीम के साथ बेंगलुरु स्थिति ये फ्रेंचाइजी निश्चित रूप से अपना पहला खिताब जीतेगी।मौजूदा सीजन में आरसीबी 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्लेटफॉर्म में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। इस बीच कोहली जो ऑरेंज कैप जीतने वाले 2024 सीजन के दम पर टूर्नामेंट में शामिल हुए, वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में चौथे स्थान पर हैं, जो टॉप पर मौजूद सूर्यकुमार यादव से सिर्फ 6 रन पीछे हैं।कैफ ने कहा कि, अगर हम एक टीम के तौर पर आरसीबी की बात करें तो वे बेहतरीन रहे हैं। मैं टीम शब्द पर जोर दे रहा हूं क्योंकि वे हमेशा से बल्लेबाजी से भारी रहे हैं। वे अपने विरोधियों को आउटसोर्स करने की मानसिकता रखते थे। लेकिन इस बार रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से किया है, 170-180 के स्कोर का बचाव करते हुए विरोधियों को रोका है।

उन्होंने कहा कि, विराट कोहली ने वही करना जारी रखा है जो वह सबसे अच्छा करते हैं। आईपीएल के दौरान उनका बल्ला कभी चुप नहीं रहता है लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें ये विश्वास दिलाया है कि वे जीत सकते हैं। सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर क्षमता वाली टीम के पास आमतौर पर सबसे अच्छा मौका होता है इसलिए मुझे विश्वास है कि वे इस साल इसे जीत सकते हैं।

दिल्ली ने फ्रेजर-मक्गर्क की जगह मुस्तफिजुर को किया शामिल

नई दिल्ली, 14 मई। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मक्गर्क के कारणों से इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के शेष मैचों के लिए वापस आने से इंकार करने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने बंगलादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को छह करोड़ रूपये की अनुबंध राशि पर टीम में शामिल किया है।

आईपीएल के नियमों के अनुसार अगर किसी खिलाड़ी को बीमारी या चोट लग जाती है और यह टीम के 12वें मैच से पहले होता है तो टीम दूसरे खिलाड़ी को ले सकती है। लेकिन इस बार लीग के स्थागित होने के बाद इसे फिर से शुरु किये जाने को लेकर नियमों में बदलाव के तहत सीजन के शेष हिस्से के लिए फ्रैंचाइजी को अस्थायी रूप से दूसरे खिलाड़ी को टीम में लेने की अनुमति दी गई है।

आईपीएल ने फ्रैचाइजी को बताया कि कुछ विदेशी खिलाड़ियों की राष्ट्रीय जिम्मेदारियों, व्यक्तिगत कारणों या किसी चोट या बीमारी की वजह से अनुपलब्धता को देखते हुए इस टूर्नामेंट के आखिर तक अस्थायी रूप से खिलाड़ी लेने की अनुमति है।

उन्होंने कहा जिस भी खिलाड़ी को अस्थायी अनुबंधित किया जायेगा। फ्रैचाइजी उन्हें अगले सत्र के लिए रिटेन नहीं कर पायेगी। यह फैसला संभवतः इसीलिए लिया गया है ताकि फ्रैचाइजी नीलामी प्रक्रिया को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर रिप्लेसमेंट न लें, बल्कि जरुरत के आधार पर ही ऐसा करें।

बीसीसीआई ने संन्यास के बाद भी कोहली-रोहित को दी गुड न्यूज

नई दिल्ली, 14 मई। टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भी रोहित शर्मा और विराट कोहली को बीसीसीआई ने गुड न्यूज दी है। विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई ने ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट दिया था। जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले अन्य क्रिकेटर थे। रिटायरमेंट के बाद, कई लोग सोच रहे हैं कि क्या बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट में खिलाड़ियों को पदावनत करेगा क्योंकि वे केवल वनडे खेलेंगे। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई की ऐसी कोई योजना नहीं है और अनुभवी खिलाड़ी टेस्ट और टी20आई से रिटायर होने के बावजूद अपना ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट बरकरार रखेंगे।

टेस्ट से संन्यास के बाद रोहित शर्मा ने की सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात

मुम्बई, 14 मई। देवेंद्र फडणवीस ने पर लिखा कि, भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा का मेरे आधिकारिक निवास वर्षा में स्वागत। उसने मिलना और बातचीत करना बहुत अच्छा लगा। मैंने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने और अपने सफर के अगले अध्याय में निरंतर सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।रोहित शर्मा ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने 67 टेस्ट मैच में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 40.57 के औसत से 4301 रन बनाए। इसमें उनके 12 शतक और 18 अर्धशतक भी शामिल हैं। टेस्ट में उनका उच्चतम स्कोर 212 रन रहा जो 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान आया था। वह क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 16वें भारतीय खिलाड़ी हैं। रोहित ने 2013 में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाकर अपने टेस्ट करियर की शुरुआत की थी।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जशन के अर्द्धशतक व हर्ष 40 रन पर 3 विकेट से शास्त्री एकेडमी विजयी

जयपुर, 14 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सोनी क्रिकेट स्टेडियम कालवाड़ रोड़ पर खेले गये पूल-एफ के मैंच में जशन रमाना 53 रन व 1 विकेट, मोहित भगतानी 39 रन व 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रर्दशन तथा हर्ष सैनी 40 रन पर 3 विकेट की की शानादार गेन्दबाजी की बदोलत नीरजा मोदी एकेडमी को 4 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

पहले बल्लेबाजी करते हुये शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने जशन रमाना 53 रन (39 गेन्द, 5 चौके, 4 छक्के), मोहित भगतानी 39 रन, ए. दयाल 26 रन, की बदोलत निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 151 रन बनाये नीरजा मोदी की ओर से गेन्दबाजी में मोहम्मद खुबैब 25 रन पर 2 विकेट, चिरांग शर्मा 18 रन पर 2 विकेट, मोन्टी जयसवाल 15 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेन्दबाज रहे। 152 रन के विजयलक्ष्य को लेकर उतरे निरजा मोदी एकेडमी के त्रिलोक सैनी 37 रन, सचिन देव सिंघल 35 रन, विवेक सैनी 15 रन, मोहम्मद खुबैब 17 रन, तरूण शर्मा 12 रन ने अपनी टीम को जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया लेकिन हर्ष सैनी 40 रन पर 3 विकेट, जशन रमाना 21 रन पर 1 विकेट, शुभम पाठक 16 रन पर 1 विकेट, मोहित भगतानी 19 रन पर 1 विकेट तथा मन्ताज सिंह 30 रन पर 1 विकेट लेकर नीरजा मोदी की पारी को निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन तक रोकर अपनी टीम को 4 विकेट से जीत दिलाने में सफल रहे। मैन ऑफ दा मैच जशन रमाना 53 रन व 21 रन पर 1 विकेट शास्त्री क्रिकेट एकेडमी रहे।

मैत्री क्रिकेट क्लब ने पोस्टल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 14 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में मैत्री क्रिकेट क्लब ने पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट (पी टी) को 4 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर मैच में पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी हुए अजीम अख्तर के 38 रन, रवि शर्मा के 26 व अमित शर्मा के 20 रनों से 24.4 ओवर में 126 रन बनाए। मैत्री क्रिकेट क्लब के लिए रमेश शर्मा ने 22 पर 3, विनीत शर्मा ने 19 पर 2, विकास शर्मा ने 17 पर 2, विशाल सिंघानिया व सुशील सिंघानिया ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में मैत्री क्रिकेट क्लब ने मयंक परमार के 43 रन, दीन दयाल सैनी के 26 रन, विशाल सिंघानिया के 16 रन, सुशील सिंघानिया के 12 रन से 22.5ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। पोस्टल क्रिकेट क्लब इंडिया पोस्ट के लिए रवि शर्मा ने 20 पर 2, सौरभ चौहान, भैरा राम व अमित शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

साई जयपुर के कबड्डी खिलाड़ियों ने जीता स्वर्ण पदक

जयपुर, 14 मई। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), जयपुर के दो होनहार कबड्डी खिलाड़ी जतिन और निखिल ने बिहार के राजगीर में आयोजित 7वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में हरियाणा की टीम की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और संस्थान का नाम रोशन किया है। दोनों खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे हरियाणा टीम को विजयी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। इस उपलब्धि पर साई जयपुर में हर्ष और गर्व का माहौल है।

खिलाड़ियों के साई सेंटर लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर सहायक निदेशक प्रज्ञा सैनी ने बताया कि जतिन और निखिल की यह उपलब्धि कोच राहुल कुमार और साई जयपुर के अन्य स्टाफ के समर्पण और मार्गदर्शन का परिणाम है। सैनी ने आगे कहा कि हमारे कोच और सहयोगी स्टाफ ने खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार किया, जिसके चलते ये खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर सके। उन्होंने जताया कि भविष्य में भी साई जयपुर के खिलाड़ी इसी तरह देश और विदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम ऊँचा करते रहेंगे। राज्य और केंद्र स्तर पर इस सफलता को लेकर खुशी की लहर है। स्थानीय खेल प्रेमियों, प्रशिक्षकों और अधिकारियों ने भी दोनों युवा खिलाड़ियों को इस शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। साई जयपुर का यह स्वर्णिम पल आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। इस दौरान वेटलिफ्टिंग कोच कुलदीप सिंह शेखावत,साई के प्रशासनिक स्टॉफ मूल सिंह पंवार सहित युवा खिलाड़ियों ने जतिन और निखिल को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

‘सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य शीघ्र पूरा करें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली

जयपुर, 14 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार आमजन के समग्र कल्याण के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनकल्याण से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च वरीयता देते हुए, इनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास

- **समीक्षा बैठक में ऊर्जा, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।**

पर आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में ऊर्जा विभाग, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग प्रत्येक विकास कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बना कर कार्यों को शीघ्र पूरा करें, जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बना कर कार्यों को शीघ्र पूरा करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुपर स्पैशिएलिटी चिकित्सा को नये आयाम देने के लिए, आरयूएचएस का उन्नयन कर एम्स दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र पर आयुष विंग, वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं देने के लिए एकीकृत केन्द्र, थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं विकसित होंगी।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न 132 केवी तथा 33 केवी जीएसएस निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर के आस-पास के क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाने के साथ-साथ, तारबंदी की जाए एवं इसकी ऊंचाई बढ़ाई जाए। इसी के साथ, मुख्यमंत्री ने सांगानेर के जैन मंदिर, सांगा बाबा मंदिर तथा हनुमानजी मंदिर के आस-पास सौन्दर्यीकरण का कार्य करवाने को कहा। उन्होंने दुर्गापुरा उद्यानिकी महाविद्यालय में बालिका छात्रावास एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तथा प्रतापनगर में खेल स्टेडियम के निर्माण को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

जस्टिस गवई ने सीजेआई के पद की शपथ ली

नयी दिल्ली, 14 मई। न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को यहां उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वे इस वर्ष 23 नवंबर तक इस पद पर रहेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलायी। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है, जो कल मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो गये। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे पी

- **शपथ ग्रहण कार्यक्रम में गवई के परिजन भी थे। गवई ने शपथ लेने के बाद अपनी माँ के पैर छुए।**

नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश और कुछ पूर्व न्यायाधीश समेत, कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी, मां तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद, सबसे पहले उन्होंने अपनी मां के पैर छुए।

‘बलूचिस्तान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन ताकतों के लिए अवसर पैदा करता है जो, आपदा अवसर ढूंढ़ती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत इस स्थिति का गहराई से अध्ययन करेगा और फिर कोई निर्णय या कार्रवाई करेगा।

‘कर्नल सोफिया पर टिप्पणी करने वाले को मंत्रिमंडल में रहने का अधिकार नहीं’

सचिन पायलट ने, ट्रंप के आतंकवाद पर एक भी शब्द नहीं कहने पर आपत्ति जताई

जयपुर, 14 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आज बुधवार को अपने निवास पर पत्रकारों से वार्ता की। मीडिया से रूबरू होते हुए, सचिन पायलट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कश्मीर पर दिए बयानों और कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश के मंत्री के बयानों को लेकर केन्द्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। पायलट कहा कि हमारे दोनों बहादुर योद्धा कर्नल कुरैशी, और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कुछ दिन पहले देश को सेना के ऑपरेशन के बारे में जिस कुशलता से जानकारी दी, उसके लिए हम सबको भारतीय होने पर उन पर फ़ख्र है। पायलट ने कहा, जिस तरह मध्यप्रदेश के मंत्री ने टिप्पणी की , उसके बाद अब उनको मंत्रिमंडल में रहने का अधिकार नहीं है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को माफी मांगनी चाहिए। हमारी वीर कर्नल कुरैशी जी, जिनकी तीसरी पीढ़ी फौज में काम कर रही है, उनके प्रति जो अनादर दिखाया है, वह बिल्कुल अस्वीकार्य है।

पायलट ने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कल सऊदी अरब में फिर से सीज़फायर का जिक्र किया। अमेरिकी राष्ट्रपति व्यापार वाला बयान बार- बार क्यों दे रहे हैं। इसको लेकर उसका सीधे तौर पर सरकार ने खंडन नहीं किया। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच शांति बढ़ाने को लेकर बात कही, उन्होंने आतंकवाद को लेकर एक शब्द नहीं कहा, पाकिस्तान आतंकवाद को पाल रहा है, उस पर उन्होंने एक शब्द नहीं कहा। ट्रंप भारत और पाकिस्तान को एक तराजू में तोल रहे हैं जो ठीक नहीं, भारत की तुलना चीन से होती थी, भारत की तुलना कभी भी पाकिस्तान से हो ही नहीं सकती। आश्चर्य की बात है कि ट्रंप कश्मीर मसले को बीच में ले आए, सरकार को इन तमाम सवालों का जवाब देना चाहिए। पीओके को हमें वापस लेना है । यह प्रस्ताव संसद में दोबारा पारित किया जाए। सन् 1994 में पारित इस प्रस्ताव को अब दोबारा से पारित करने का मौका है । पीओके भारत का अभिन्न अंग है। सरकार से मांग है कि चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाया जाए। आतंकवाद को खत्म करने के लिए पूरा देश एकजुट है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने निवास पर पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्यप्रदेश के मंत्री के बयानों को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने आतंकवाद और सीज़फायर पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की माँग की।**

पायलट ने कहा, भारत की तमाम जनता और राजनीतिक दल मानते हैं कि हमने बहुत आतंकी हमले झेल लिए। किन शर्तों पर सीज़फायर हुआ है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो लोन मिला , क्या उस पैसे का दुरुपयोग करके फिर से आतंक को बढ़ावा देने का काम पाक नहीं करेगा।। पाकिस्तान पर कितना विश्वास किया जा सकता है । सीज़फायर के तुरंत बाद गोलाबारी हुई, कैसे विश्वास करें। आतंक को खत्म करने के मुद्दे पर भारत एक है, केन्द्र सरकार को जनता और विपक्ष का पूरा समर्थन मिला। पहलगाम के आतंकियों का क्या स्टेटस है । सेना के शौर्य पर हम सबको गर्व है, सभी एक मत हैं। अचानक सीज़फायर होना अप्रत्याशित है। सीज़फायर अमेरिका द्वारा करना भी अप्रत्याशित है। उन्होंने आगे कहा कि सेना द्वारा बहुत ही सावधानी और संयम के साथ एयरस्ट्राइक की गई। इसमें किसी आम नागरिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। भारत की सेना ने फिर अपना शौर्य दिखाया। पूरा देश सेना के साथ खड़ा है।

नाबालिग को बंधक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त उसका मुंह बंद कर विधानसभा के पास एक कैफे में भी लेकर जाता और दो अन्य लड़कों से भी दुष्कर्म कराता। अभियुक्त ने उसे धमकी दी कि उसका मामा पार्षद और एमएलए है। इसलिए वह किसी से नहीं डरता। रिपोर्ट में कहा गया कि 13 अगस्त को मोनू एक अन्य लड़की को उसके कमरे में लाया था। वहीं, सुबह पुलिस आकर उस लड़की को अपने साथ ले गई। वहीं जांच के दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि होटल संचालक श्रवण सिंह ने भी उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया था। इस पर पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व आईएएस संधू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी ओर से कहा गया कि टोडी रामजानीपुरा की 3.43 हेक्टर जमीन के एकल पट्टे के लिए पूर्व में जेडीए में आवेदन किया गया था। जमीन तय सीमा से अधिक होने के कारण जेडीए ने साल 2005 में प्रकरण राज्य सरकार को भेजा था, जिस पर राज्य सरकार ने पट्टा देने से इनकार कर दिया। वहीं, साल 2009 में आवेदन होने पर जेडीए ने मामले को पुनः राज्य सरकार के समक्ष भेजा। राज्य सरकार ने साल 2011 में पट्टा जारी कर दिया। वहीं, तकनीकी कारणों के चलते साल 2013 में एकल पट्टा निरस्त कर दिया गया। संधू की ओर से कहा गया कि पट्टा निरस्त होने के बाद रामशरण सिंह ने साल 2014 में एसीबी में शिकायत की थी। ऐसे में कोई अपराध नहीं बनता है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने भी एसीबी कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश कर मुकदमा वापस लेने की बात कही थी। इसलिए प्रकरण की कार्रवाई को रद्द किया जाए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रकरण की सुनवाई कर रहे हैं।

उदयपुर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया जाता है जो करीब ढाई हजार करोड़ से ज्यादा लागत का है। सुराणा ने कहा कि प्रोससर्स समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय किया है कि तुर्किये से आने वाले मार्बल को हमने रोक दिया है। इससे तुर्किये के आर्थिक चक्र पर भी इसका असर दिखेगा।

उदयपुर मार्बल प्रोसेसर समिति के महासचिव हितेश पटेल ने बताया कि उदयपुर के पचास से ज्यादा बड़े व्यवसायी तुर्किये से बड़ी तादाद में मार्बल आयात कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने इसका बहिष्कार करने का फैसला लिया हैं।

सभी एकजुट हैं और इस बात पर अडिग हैं कि जब तक तुर्किये द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करना बंद नहीं होगा, तब तक तुर्की का बहिष्कार जारी रहेगा। व्यापारियों ने कहा कि तुर्किये से हम 70 प्रतिशत मार्बल मंगवाते है और अब हमने निर्णय कर स्वेच्छा से वहां से आने वाले मार्बल को मंगवाने से मना कर दिया है।

सालाना अच्छा व्यापार हो रहा था लेकिन अब इसका बड़ा असर पड़ेगा और तुर्किये के व्यापार को भी बड़ा धक्का लगेगा।

सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी: मंत्री पर एफआईआर के आदेश

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के महाधिवक्ता को मंत्री विजय शाह पर एफआईआर करने के आदेश दिए

जबलपुर, 14 मई। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने कर्नल सोफिया कुरैशी के संबंध में आपत्तिजनक बयान देने से जुड़े प्रकरण में आज राज्य के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए और कहा कि यह कार्य आज यानी बुधवार शाम तक हो जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय की युगल पीठ के न्यायाधीश अतुल श्रीधरन और न्यायाधीश अनुराधा शुक्ला ने इस मामले में मीडिया में आयी खबरों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह को ये आदेश दिए। अदालत ने महाधिवक्ता से कहा कि इस आदेश के संबंध में तत्काल राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को अवगत कराया जाए और इसका क्रियान्वयन नहीं होने पर इस मामले में

- **कोर्ट ने बुधवार को दिन में आदेश देते हुए बुधवार शाम तक एफआईआर करने और हाईकोर्ट को रिपोर्ट करने के आदेश दिए।**
- **मंत्री विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196 (1) (बी) और 197 (1) (सी) के तहत एफआईआर करने के आदेश दिए। इससे मंत्री की मुश्किलें बढ़ गई है उनकी कुर्सी भी जा सकती है।**

अवमानना संबंधी कार्यवाही भी की जा सकती है।

अदालत ने मंत्री विजय शाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ये धाराएं देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरा पहुंचाने जैसे कृत्यों से संबंधित हैं। अदालत के इस महत्वपूर्ण आदेश के बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। माना जा रहा है कि अब राज्य पुलिस अदालत के आदेश के अनुरूप वैधानिक कदम उठाएगी। इसके साथ ही उनका मंत्री पद भी जाना तय माना जा रहा है। वे अक्सर विवादास्पद बयान देते रहते हैं।

मंगलवार से उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम का बताया गया है। उसमें वे सार्वजनिक मंच से संबोधन दे रहे हैं और इस अवसर पर एक महिला नेता समेत अनेक लोग मौजूद रहे। मंत्री शाह कहते हुए सुने जा रहे हैं, ...जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे...हमने उन्हीं की बहन भेजकर.....। मंत्री शाह इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल हुए। इस मामले को भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने संज्ञान में लेने के साथ ही प्रदेश भाजपा इकाई ने मंत्री को फटकारा। इसके बाद मंत्री ने माफी भी मांगी, लेकिन मीडिया के सामने माफी मांगने संबंधी बयान के बाद उनका हंसते हुए वीडियो भी वायरल हो गया। यह वीडियो भी मंत्री की किरकिरी का कारण बन गया।

अजय कुमार यूपीएससी के नए अध्यक्ष नियुक्त

नयी दिल्ली, 14 मई। पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत, डॉ. अजय कुमार को संघ लोक

- **अजय कुमार वर्ष 2019 से 2022 तक रक्षा सचिव के पद पर काम कर चुके हैं।**

सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

आदेश के अनुसार, यूपीएससी के अध्यक्ष के रूप में डॉ. अजय कुमार का कार्यकाल उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से शुरू होगा। उनकी नियुक्ति की अवधि संविधान के अनुच्छेद 316(2) के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होगी और सेवा की शर्तें समय-समय पर संशोधित यूपीएससी (सदस्य) विनियम, 1969 द्वारा शासित होंगी।

बुधवार को कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरएसएस के अंदर, संकटकाल में मोदी के नेतृत्व पर गंभीर संदेह है तथा यह सोच तेजी से बढ़ती जा रही है कि वे ट्रंप का सामना नहीं कर सकते तथा संकट के समय देश को नहीं संभाल सकते। देखना यह है कि यह स्थिति क्या रूप लेती है, लेकिन जवाब न मिलने की स्थिति में, आक्रोश बढ़ रहा है।

प्रधामंत्री ने 25 मई को एनडीए मुख्यमंत्रियों की मीटिंग बुलाई है, लेकिन सर्वदलीय बैठक बुलाना और उसमें उपस्थिति होना उन्होंने उचित नहीं समझा है। एक आरएसएस समर्थक ने कहा है, “जे.पी. नड्डा हमेशा तो भाजपा अध्यक्ष पद पर रह नहीं सकते, इसलिए जब नये भाजपा अध्यक्ष की घोषणा होगी, उस समय प्रधानमंत्री मोदी के संबंध में भी कानाफूसी शुरु हो सकती है।

बिना विभागीय जाँच के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश नरेश पाल देवानिया की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि विभागीय जांच के बिना कर्मचारी को सेवा से हटाना अनुचित और उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिका में अधिवक्ता मोविल जीनवाल ने बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ 23 मार्च 2021 को छेड़छाड़ के मामले में एक एफआईआर महिला पुलिस थाना, भिवाड़ी में दर्ज हुई थी। एसपी ने बिना किसी जांच के, उसी दिन याचिकाकर्ता को सेवा से बर्खास्त कर दिया। याचिकाकर्ता ने इसे अपीलेट अथॉरिटी में चुनौती दी, लेकिन अपीलेट अथॉरिटी ने बिना तथ्य देखे 9 सितंबर, 2021 को उसकी अपील खारिज कर दी। इस कार्रवाई को याचिका में चुनौती देते हुए कहा गया कि विभाग की कार्रवाई संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। इसके अलावा एक सरकारी कर्मचारी को बिना सही जांच के दंडित भी नहीं किया जा सकता। मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर पीड़िता के साथ समझौता करने व उसके ही आवेदन पर निचली अदालत से रद्द हो चुकी है, लेकिन अपीलेट अथॉरिटी ने इस तथ्य की अनदेखी करते हुए अपील खारिज कर दी। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को समस्त परिलाभ सहित सेवा में लेने को कहा है।

अनिता आनन्द के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलगाववादी ऐजेण्डा को बढ़ावा देने के लिए न किया जाए। यह एक नाज़ुक और संवेदनशील रास्ता होगा, लेकिन आनंद अपनी व्यक्तिगत पृष्ठभूमि और राजनीतिक व्यवहारिकता के कारण इसे अपने पूर्ववर्तियों से बेहतर संभाल सकती हैं।

यदि कुशलता और परिपक्वता के साथ हैण्डल किया संभाला जाए, तो उनके कार्यकाल में रुकी हुई व्यापार वार्ताओं को पुनर्जीवित किया जा सकता है, प्रवासन चैनलों को फिर से खोला जा सकता है, तथा शिक्षा, टैक्नॉलजी और रक्षा जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को नए सिरे से शुरू किया जा सकता है। अनिता आनंद, प्रवासी समुदाय से जुड़े उन मुद्दों को भी गैर-राजनीतिक बनाने में मददगार हो सकती हैं, जो लंबे समय से ऑटवा और नई दिल्ली के बीच, खुली बातचीत और वार्ता में विश्वास की कमी के कारण जटिल होते जा रहे हैं।

तथापि, व्यापक संदर्भ को समझना आवश्यक है। कैनडा-भारत संबंधों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, विशेष रूप से 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर लगे आरोपों के बाद पैदा हुए राजनयिक तनावों के कारण। आनंद ने एक ओर कैनडा की संप्रभुता और कानून के शासन की रक्षा के महत्व पर जोर दिया है, तो दूसरी ओर उन्होंने अपनी भारतीय जड़ों को भी स्वीकार किया है, जिससे उनकी विदेश नीति में संतुलन और समझदारी की झलक मिलती है।

फिर भी, आशाओं को यथार्थवाद के साथ जोड़कर देखना जरूरी है। प्रवासी उग्रवाद, भू-राजनीतिक मतभेद और पारस्परिक अविश्वास जैसी मूल समस्याएं एक रात में खत्म नहीं होंगी। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि आनंद को कैनडा की सरकार में कितना स्वतंत्र काम करने का मौका मिलता है और नई दिल्ली कितनी गंभीरता से फिर से जुड़ने को तैयार है।

यह बात स्पष्ट है कि आनंद एक नया राजनयिक चेहरा हैं, जो ट्रूडो-निज्जर विवाद से अप्रभावित हैं। उनकी नियुक्ति कैनडा और भारत के लिए, वर्षों में पहला और संभवतः सबसे अच्छा अवसर है कि दोनों देश तनावों से आगे बढ़ें और एक व्यावहारिक, परस्पर लाभकारी साझेदारी की ओर अग्रसर हों।

इस अवसर का उपयोग किया जाएगा या इसे गंवा दिया जाएगा – इससे तय होगा कि विश्व के सबसे जटिल द्विपक्षीय संबंधों में से एक का भविष्य क्या होगा।

पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ नियमित फ्लैग मीटिंग और अन्य संचार चैनलों के माध्यम से बीएसएफ के लगातार प्रयासों से शॉ की वापसी संभव हो पायी है।

चीन के अधिकारियों ने भारत व पाकिस्तान के राजदूतों से मीटिंग की

बीजिंग/इस्लामाबाद/नयी दिल्ली, 14 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद, चीन के शीर्ष अधिकारियों ने बीजिंग में भारतीय और पाकिस्तानी राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात की। चीन के विदेश मंत्रालय के एशियाई मामलों के महानिदेशक लियू जिनसोंग ने सोमवार को चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने चीन-भारत संबंधों और

- **चीन के टॉप अफसरों ने दोनों देशों के राजदूतों से अलग-अलग बात की।**

साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मंगलवार को चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेदोंग ने पाकिस्तान के राजदूत खलील हाशमी से उनके अनुरोध पर मुलाकात की। वेदोंग और पाक राजदूत की मुलाकात में दोनों ने चीन-पाक संबंधों और क्षेत्रीय व अंतरराष्ट्रीय हालात पर चर्चा की। वेदोंग ने भारत-पाक के बीच पूर्ण और स्थायी संघर्ष-विराम का समर्थन करते हुए मतभेद सुलझाने की अपील की और क्षेत्रीय शांति में चीन की रचनात्मक भूमिका जारी रखने की बात कही।

अरब लीग ने आतंकवाद पर भारत का समर्थन किया

अरब लीग के राजदूत युसूफ मोहम्मद जमील ने एक बयान जारी कर भारत के प्रति समर्थन जताया

नयी दिल्ली, 14 मई। अरब लीग के नयी दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन के प्रमुख यूसुफ मोहम्मद जमील ने बुधवार को कहा कि आतंकवाद और उग्रवाद का खात्मा करने के लिए भारत और अरब क्षेत्र के देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने आतंकवाद को विश्व शांति के लिए गंभीर खतरा बताया है।

राजदूत जमील ने एक बयान में कहा, देश के बाहर से संचालित आतंकवाद और ऐसे अन्य खतरों से निपटने के मामले में हमारी सोच एक जैसी है। हम खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त पहल के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के उद्देश्यों को हासिल कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य विश्व में शांति और सुरक्षा के वातावरण को मजबूत बनाना है।

अरब लीग के राजदूत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा कि यह कृत्य न केवल बर्बर, बल्कि अमानवीय भी है। उन्होंने भारत और पाकिस्तान

- **राजदूत जमील ने एक बयान में कहा कि देश के बाहर से संचालित आतंकवाद के खतरों से निपटने के लिए हमारी सोच एक जैसी है।**

के बीच संघर्ष रुकने का स्वागत किया और कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए दोनों के बीच सैनिक कार्रवाई का रुकना बहुत ही जरूरी था। जमील ने कहा, हम इस पक्ष के हैं कि दोनों देशों के बीच विवाद के समाधान के लिए बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों को अपना जाय ।

ऐसा दृष्टिकोण न केवल राजनीतिक स्थिरता, बल्कि इस क्षेत्र के देशों की आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

जमील ने उम्मीद जताई कि अरब-भारत मंत्रीस्तरीय संचालन फोरम की एक बैठक निकट भविष्य में आयोजित की जाएगी और इससे दोनों पक्षों के बीच सहयोग को व्यापक बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कह कि अरब लीग के देशों के साथ भारत के संबंधों को अपेक्षित गति देने के लिए इस तरह की उच्च स्तरीय सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमें इन बैठकों में राजनीतिक मामलों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आर्थिक, ऊर्जा और सुरक्षा संबंधी मामलों को भी इनमें शामिल करना चाहिए।

चीन-बाँग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्दरुनी भूगोल के उल्लेख की तार्किकता पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा, “दिलचस्प बात यह है कि यूनुस चीन से निवेश की सार्वजनिक रुप से अपील इस आधार पर कर रहे हैं कि (भारत के) सात उत्तर-पूर्वी राज्य लैंडलॉक्ड हैं। लेकिन यह कहने का आखिर औचित्य क्या है कि ये सात भारतीय राज्य लैंडलॉक्ड हैं?”

मुठभेड़ में 31 नक्सली मारे गए

बीजापुर, 14 मई। छत्तीसगढ़ के करेगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षा बलों ने एक ऑपरेशन में 31 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया और उनके 150 से ज्यादा बंकरों को भी नष्ट कर दिया। मारे गए माओवादियों पर 1.72 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार जब्त किये गये।

इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के 18 जवान भी घायल हुए हैं। फिलहाल उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह और छत्तीसगढ राज्य के पुलिस महानिदेशक अरूणदेव गौतम ने बुधवार को

- **इन नक्सलियों पर 1.72 करोड़ रु. का ईनाम था।**
- **सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ की करेगुट्टा पहाड़ी में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के तहत यह कार्यवाही की।**

बताया कि बीजापुर के कर्रेगुट्टा की पहाड़ी में 21 दिनों तक चलाये गये नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान कुल 21 मुठभेड़ों में 31 माओवादी मारे गए। दोनों अधिकारियों ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों को यह बहुत बड़ी सफलता मिली है। मारे गये 28 नक्सलियों की शिनाख्त हो चुकी है, जिनपर एक करोड़ बहत्तर लाख रुपए का इनाम घोषित था। इसके अलावा पुलिस ने विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया।

सिंह और गौतम ने आज आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908